हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, सोमवार 28 जुलाई 2025

सख्ती ऐसी कि उतारनी पड़ी शर्ट, बनियान पहनकर हल किए पर्चे, विलंब के कारण हजार से अधिक वंचित

व्यापम ने रविवार को आयोजित की थी आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रविवार को व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की। इंजीनियर भर्ती परीक्षा में सामने आए नकल प्रकरण के बाद व्यापम सख्त हो गया है। इसका असर यह हुआ कि परीक्षार्थियों को बनियान पहनकर ही पर्चे हल करने पड़े। दरअसल, नए नियमों के अनुसार परीक्षा ▶▶ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि लाइव

केस 1

छत्तीसगढ़ कॉलेज में 480 परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया था। इनमें से तीन परीक्षार्थी ऐसे रहे, जिन्होंने बनियान पहनकर परीक्षा दिलाई। व्यापम के नए नियमों के मुताबिक परीक्षा केंद्र में केवल ▶▶ शेष पेज 5 पर

केस 2

सर्वाधिक हंगामा टाटीबंध स्थित आदर्श विद्यालय में हुआ। यहां दर्जनभर से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े ही रह गए। अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्होंने समय पर केंद्र पर उपस्थिति ▶▶ शेष पेज 5 पर

केस 3

शिवांश इंटरनेशनल स्कूल सहित कई केंद्रों में दर्जनभर से अधिक परीक्षार्थी विलंब से पहुंचने के कारण रोके गए। परीक्षार्थियों का कहना है कि वे तय समय पर पहुंच गए थे, वहीं जिम्मेदार ▶▶ शेष पेज 5 पर

सभी केंद्रों की वीडियोग्राफी

मुख्य द्वार तय समय पर ही बंद किए गए हैं। सभी केंद्रों की वीडियोग्राफी हुई है। द्वार बंद करने से पूर्व लाउड स्पीकर के जरिए चेतावनी भी जारी की गई।

- केदार पटेल
सह नियंत्रक, व्यापक

शुभमन ने रचा इतिहास

भारत ने हारा हुआ मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर टेस्ट के पांचवें दिन भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह विदेशी दौरे पर 700+ रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने सुनील गावस्कर की बराबरी कर ली। इधर, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 143 ओवर बल्लेबाजी करके इंग्लैंड के खिलाफ हारा हुआ मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ करा लिया है।

- गिल ने इस सीरीज में चौथा शतक लगाया
- सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड की बराबरी की
- गिल बतौर कप्तान डेब्यू सीरीज में 4 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी

हरिद्वार में बड़ा हादसा, सावन के महीने में बड़ी संख्या में जुटे थे श्रद्धालु

अफवाह का करंट, मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़, आठ की मौत, 30 घायल

सीएम धामी ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के दिए आदेश

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की सहायता

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार/देहरादून

उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ मच जाने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में करीब 30 घायल हो गए। यह हादसा मंदिर परिसर में उस समय हुआ जब सावन महीने के दौरान रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए इकट्ठा हुए थे। बताया जा रहा है कि अचानक बिजली के करंट की अफवाह फैल गई और भगदड़ मच गई।

सावन का महीना होने की वजह से मनसा देवी मंदिर में इन दिनों भारी भीड़ उमड़ी रही है। रविवार सुबह संकरे सीढ़ी मार्ग से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार मंदिर की ओर जा रहे थे। तभी भगदड़ मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। धामी ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि सुबह नौ बजे भगदड़ की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस व अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। उन्होंने ▶▶ शेष पेज 5 पर

इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी आरुष (12), बिहार के अररिया के निवासी शकल देव (18), उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी विक्की सैनी (18), उत्तराखंड के काशीपुर निवासी विपिन सैनी (18), उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के वकील सिंह और उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले की शांति के रूप में हुई है।

कौन हैं माता मनसा देवी

उत्तराखंड का मनसा देवी मंदिर हरिद्वार जिले से 3 किलोमीटर दूर शिवालिक पहाड़ी पर स्थित है। मनसा देवी मंदिर की मान्यता है कि जो भी भक्त यहां सच्चे मन से माता से मुरादें मांगता है, उसकी हर जरूरी पूरी होती है। मनसा देवी मंदिर परिसर में ही एक पेड़ है जिसकी शाखाओं पर लोग धागा बांधकर मन्नत मांगते हैं और पूरी होने पर उसे खोलने भी आते हैं। जानकारों का कहना है कि मनसा देवी मंदिर का निर्माण राजा गोला सिंह ने 1811 से 1815 के बीच किया था। लोग तब से अपनी मनोकामना मांगने के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

आंखों देखी

रास्ता संकरा, नहीं मिली बचने की जगह

रास्ता संकरा होने की वजह से लोगों को बचने की कोई जगह नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बिजली के मीटर के पास शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी निकली जिससे लोगों में भय फैल गया और उन्होंने भागना शुरू कर दिया। घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती बिहार के बड़ियारपुर निवासी अजय कुमार (19) ने बताया कि वह भीड़ के बीच मंदिर की ओर बढ़ रहे थे कि अचानक ही उनके आगे चल रहे लोग भागना शुरू हो गए और फिर गिरने लगे। अजय ने कहा, मैं भी भीड़ में था, भगदड़ में मैं भी गिर गया और मेरा पैर टूट गया।

इस साल भगदड़ से मौतें

- **4 जून, 2025 :** आईपीएल में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए भीड़ एकत्र हुई, जिसमें चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ मचने से कम से कम 11 लोग मारे गए।
- **3 मई, 2025 :** गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान तड़के मची भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई।
- **15 फरवरी, 2025 :** नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में महिलाओं और बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। ये लोग महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।
- **29 जनवरी, 2025 :** 'अमृत स्नान' में भाग लेने के लिए लाखों लोगों की भीड़ जुटने के बाद महाकुंभ के संगम क्षेत्र में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई ।

नोटिस का जवाब नहीं देने पर पुलिस की मौजूदगी में तोड़फोड़

सूदखोर तोमर भाइयों के 'टार्चर रूम' पर गरजा निगम का बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सूदखोरी, उगाही तथा ब्लैकमेलिंग के फरार आरोपी हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के भाठागांव स्थित दफ्तर को नगर निगम अमले ने रविवार को बुलडोजर से ढहा दिया। दफ्तर ढहाने की कार्रवाई सुबह 9 बजे शुरू की गई। ऑफिस ढहाने के पहले निगम अमले ने वहां बड़ी मात्रा में रखीं धार्मिक पुस्तकों के साथ अन्य सामान जब्त कर अपने कब्जे में लिया, उसके बाद ऑफिस ढहाने की कार्रवाई की गई।

नगर निगम ने वीरेंद्र तोमर तथा रोहित तोमर के जिस ऑफिस को ढहाया, उसमें रोहित तोमर की पत्नी भावना तथा भतीजे दिव्यांश तोमर के नाम से कथित तौर पर प्रॉपर्टी खरीदी-बिक्री का कार्य किया जा रहा था। नगर निगम जोन-6 के कमिश्नर हितेंद्र यादव के अनुसार, तोमर भाइयों ने उक्त कार्यालय नगर निगम की बगैर अनुमति के बनाया था। इस वजह से कार्यालय को ढहाने की कार्रवाई की गई।

ढहाने के पूर्व तीन नोटिस

जोन कमिश्नर के मुताबिक, तोमर भाइयों के जिस कार्यालय को ढहाया गया, वहां उनका निवास भी है। मकान के एक हिस्से में तोमर भाइयों ने ऑफिस बनाया ▶▶ शेष पेज 5 पर

बुलडोजर तो चलेगा : अरूण साव

उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, हम विपक्ष में थे, तब भी स्पष्ट थे, अब जनसेवा के लिए शासन में हैं, तब भी स्पष्ट हैं...तब माइक से अपराधियों तथा आतताइयों को बोलते थे, आज हमारे नगर निगम का बुलडोजर बोलता है..। विष्णु के सुशासन में एक बात स्पष्ट है, कानून के ऊपर कोई नहीं है, चाहे कितना बड़ा तुर्रम खां हो। तोमर बंधु हो या जिहादी बंधु...आतंक का फन फैलाओगे तो फन कुचलने का हुनर भी 'सुशासन सरकार' को मालूम है...।

पांच हजार का ईनाम

कार्यालय ढहाने के समय मौके पर वीरेंद्र तथा रोहित तोमर मौजूद नहीं थे। दोनों जबरन वसूली, मारपीट, आर्म्स एक्ट तथा एक्सटार्सन के ▶▶ शेष पेज 5 पर

कार्यालय को बनाया था टार्चर रूम

नगर निगम ने तोमर भाइयों के जिस कार्यालय को ढहाया है, वह नाम के लिए प्रॉपर्टी डीलिंग का ऑफिस था। पुरानी बस्ती तथा डीडीनगर थाने में जिन लोगों ने तोमर भाइयों के खिलाफ घर बुलाकर मारपीट करने तथा टार्चर करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन लोगों ने अपनी शिकायत में उक्त ऑफिस का उल्लेख किया है। उक्त कार्यालय को तोमर भाई टार्चर रूम के रूप में इस्तेमाल करते थे।

खबर संक्षेप

उद्धव को बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई एवं शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात की। उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास 'शिवतीर्थ' से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे। उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया।

मां ने तीन बेटियों को खाने में दिया जहर

मुंबई। महाराष्ट्र में 27 वर्षीय एक महिला को घरेलू समस्याओं से परेशान होकर अपनी तीन नाबालिग बेटियों को जहर देकर मार डालने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। ठाणे जिले के शाहपुर क्षेत्र अंतर्गत असनोली गांव के तालेपाड़ा में रहने वाली गृहिणी संध्या संदीप बेरे ने 'वरन भात' में कथित तौर पर कीटनाशक मिलाया।

देशभर में लू लगने के 7000 से अधिक मामले

नई दिल्ली। देश में इस वर्ष एक मार्च से 24 जून के बीच लू लगने के 7,192 संदिग्ध मामले सामने आए और मात्र 14 मौतें दर्ज की गईं। यह जानकारी 'पीटीआई' को सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त आंकड़े से मिली। देश में 2024 में भीषण गर्मी के कारण लू लगने के लगभग 48,000 मामले और 159 मौतें दर्ज की गई थीं। 2024 का साल 1901 के बाद से भारत में दर्ज किया गया सबसे गर्म वर्ष था।

मध्यप्रदेश में फार्मेसी काउंसिल की सख्ती

दवाइयों पर नहीं मिलेगी छूट डिस्काउंट वाला बोर्ड लगाने पर रद्द होंगे रजिस्ट्रेशन!

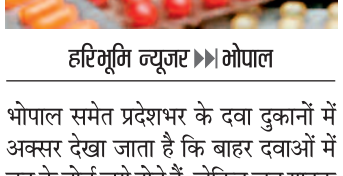

हरिभूमि न्यूजर ▶▶ भोपाल

भोपाल समेत प्रदेशभर के दवा दुकानों में अक्सर देखा जाता है कि बाहर दवाओं में छूट के बोर्ड लगे होते हैं, लेकिन जब ग्राहक दवा लेने जाते हैं तो कई कंडीशन बताकर गुमराह किया जाता है। अब प्रदेश में दवा छूट का बोर्ड लगाने वाले दवा दुकान मालिकों के खिलाफ फार्मेसी काउंसिल कार्रवाई करेगी। काउंसिल ने राज्यभर के पंजीकृत फार्मासिस्टों और मेडिकल स्टोर मालिकों को चेतावनी दी है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और रियायतों का प्रचार करने पर रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया जाएगा। काउंसिल ने नोटिस जारी कर कहा कि कई मेडिकल स्टोर बोर्ड और सोशल मीडिया के जरिए डिस्काउंट का लालच देकर उपभोक्ताओं को खींच रहे हैं, जो फॉर्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अनुसार अनैतिक और अवैध है। ऐसी गतिविधियों में पकड़े जाने पर फार्मासिस्ट का पंजीकरण रद्द या निलंबित किया जा सकता है।

नकली दवाओं की होती है सप्लाई

भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने कहा कि देखने में आया है कि इस भारी छूट के चलते कई बार नकली दवाओं की सप्लाई बाजार में होती थी, जो मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ था। नए नियम से पारदर्शिता बढ़ेगी और जिसका सीधा फायदा आम लोगों को होगा। वहीं, जो सामान्य डिस्काउंट पहले मिल रहा था, वह जारी रहेगा। इस आदेश से उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और अब जम्मू-कश्मीर की तरह मध्यप्रदेश में भी दवा दुकानों पर डिस्काउंट बोर्ड लगाने वाले फार्मासिस्टों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश जारी किया है। यह केमिस्टों के हित में ऐतिहासिक निर्णय है।

अधिनियम 2002 की धारा 4 का उल्लंघन

फार्मेसी काउंसिल द्वारा जारी नोटिस में कहा है कि बड़े कारोबारी आर्थिक ताकत के दम पर इस तरह के विज्ञापन कर छोटे मेडिकल दुकानदारों के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 की धारा 4 का उल्लंघन है। काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन और रजिस्ट्रार भाव्या त्रिपाठी ने सभी मेडिकल स्टोर्स से कानून का पालन करने और अनैतिक प्रतिस्पर्धा से बचने की अपील की।

अमरकंटक मार्ग पर गिरा पहाड़ का मलबा, आवागमन अवरुद्ध

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ पेंड्रा

जिले में पिछले पांच दिनों रुक-रुककर हो रही मूसलाधार बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। फिर एक बार पहाड़ का मलबा रोड पर आने के कारण मध्यप्रदेश को अमरकंटक से जोड़ने वाला सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया है, जिससे लोग आवागमन को लेकर चिंतित हैं। अमरकंटक जाने वाले ज्वालेश्वर मार्ग पर पहाड़ का मलबा कई जगहों पर सड़क पर आ गया है। पहाड़ी मलबे के कारण आवागमन बाधित हो चुका है।

- 2 दिनों के बाद भी स्थानीय प्रशासन मलबे को हटाने के लिए नहीं कर रहा पहल

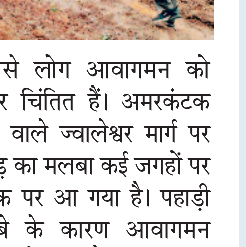

सड़कों पर पानी

गौरेला से पकरिया दुर्गा धारा होकर अमरकंटक मार्ग पर दुर्गा धारा जलप्रपात का बढ़ा हुआ पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे यह मार्ग भी पूरी तरह बाधित है। यातायात बंद होने से सड़कों पर वाहन रुक गए हैं, और अमरकंटक जाने वाले यात्री व श्रद्धालु रास्ते में फंस गए हैं। अब लोग मजबूर होकर लंबी दूरी तय कर अन्य रास्तों से होकर अमरकंटक की ओर जा रहे हैं।

पुणे में बड़ी कार्रवाई

ड्रग पार्टी में छापा, पूर्व मंत्री खडसे के दामाद समेत सात गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ पुणे

पुणे पुलिस ने रविवार की तड़के एक अपार्टमेंट में आयोजित की जा रही 'ड्रग पार्टी' में छापा मारकर मादक पदार्थ, हुक्का एवं शराब जब्त की तथा सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं। रोहिणी खडसे विपक्षी राकांपा की महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

कोकीन जब्त

छापेमारी और उसके बाद की तलाशी के दौरान पुलिस ने 2.7 ग्राम कोकीन जैसा पदार्थ, 70 ग्राम गांजा जैसा पदार्थ, एक हुक्का, विभिन्न हुक्का फ्लेवर, शराब और बीयर की बोतल जब्त कीं।

खडसे ने कहा, कोई राजनीतिक तो नहीं

छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए एकनाथ खडसे ने कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि क्या पुलिस कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद था। शिवसेना (उबाठा) की उपनेता सुषमा अंधारे ने कहा कि यह छापेमारी सरकार के खिलाफ बोलने वालों के लिए एक संदेश है।

मानसून सत्र : दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे सत्तापक्ष और विपक्ष

पहलगाम हमले-ऑपरेशन सिंदूर पर छिड़ेगी बहस!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद सोमवार से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा ▶▶ शेष पेज 5 पर

16 घंटे की बहस: दोनों पक्षों ने प्रत्येक सदन में 16 घंटे की बहस पर सहमति व्यक्त की है, जो सामान्यतः तय समय से अधिक होती है। अनुराग ठाकुर, सुधांशु त्रिवेदी और निशिकांत दुबे जैसे मंत्रियों और नेताओं के अलावा, सत्तारूढ़ राजग द्वारा उन सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों को भी मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए 30 से अधिक देशों की यात्रा कर चुके हैं।

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को सराहा

पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। प्रधानमंत्री और सरकार के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर अपने उद्देश्यों में 100 प्रतिशत सफल रहा और इसने भारत के स्वदेशी हथियारों की क्षमता को साबित किया। आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान द्वारा हमला किए जाने के कारण दोनों देशों के बीच चार दिन तक संघर्ष चला।

विदेश नीति पर राहुल के लगातार हमले

विपक्षी दल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीछे कथित खुफिया चूक और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्षविराम' में मध्यस्थता के दावे किए जाने के आधार पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। राहुल गांधी ने बार-बार सरकार की विदेश नीति पर हमला किया है। उनका दावा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर में अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिला। वह सत्तारूढ़ गठबंधन पर निशाना साधने के लिए ट्रंप के लगातार मध्यस्थता के दावों का हवाला देते रहे हैं।

राजनाथ बोले

संसाधन प्रबंधन से 'ऑपरेशन सिंदूर' सफल

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से मई में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में विभिन्न एजेंसियों द्वारा संसाधनों (लॉजिस्टिक) का प्रबंधन एक निर्णायक कारक था।उन्होंने कहा, "दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह प्रभावी एवं चौंकाने वाली भी है। रक्षा क्षेत्र भी बदल रहा है और युद्ध के तरीकों में भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु देव साय ने की। इस अवसर पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा विशेष अतिथि के रूप में तथा एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं सांसद विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा खेल दिवस से पहले, ओलंपिक एसोसिएशन ने विकास का सौंपा एजेंडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बैठक की शुरुआत एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया की ओर से निर्धारित एजेंडा के अनुसार की गई। इस दौरान विगत वर्ष राज्य के खिलाड़ियों की अर्जित उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी गई। एजेंटा में बताया कि कई वर्षों से उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा नहीं होने के कारण राज्य के अनेक खिलाड़ी बेरोजगारी की स्थिति में हैं और अन्य राज्यों की ओर पलायन को विवश हैं। इसके अलावा कहा कि राज्य के खेल संघों को उद्योगों द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद से गोद लिया जाना चाहिए। इससे राज्य में खेल अधोसंरचना का विकास तीव्र गति से हो सकेगा तथा संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से सभी खेलों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं प्रत्येक वर्ष आयोजित की जानी चाहिए, जिससे उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो और वे राज्य का नाम रोशन कर सकें। इसके अलावा खेल विभाग से छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन को अनुदान प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि राज्य में ओलंपिक खेलों का सुनियोजित और सुदृढ़ विकास हो सके।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

5 वर्षों में नहीं हुई थी घोषणा : खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हम खिलाड़ियों के हित के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं और उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा 29 अगस्त खेल दिवस के पूर्व सूची जारी कर देंगे। बताया कि पिछले पिछले 5 वर्षों में जहां खिलाड़ियों को ना ही कोई अवार्ड दिया गया ना ही कोई रिवॉर्ड दिया गया। बैठक में सभी कार्यकारिणी पदाधिकारी उपस्थित थे।

खेल के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास किए जाएंगे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले 5 वर्ष की खाई को हमारी सरकार ने आते ही पाटने का काम किया है और खिलाड़ियों को जो सम्मान मिलना चाहिए वह हमारे ओर से दिया जा रहा है और आगे भी खिलाड़ियों और खेल के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास किए जाएंगे। अति शीघ्र तीरंदाजी की दो अकादमी एक जशपुर में और दूसरी अकादमी रायपुर में एनटीपीसी द्वारा लगभग 20 करोड रुपए की राशि से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बचपन में मैं भी तीरंदाजी करता था।

छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया यूथ गेम्स

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन ने राज्य में खेल विकास को लेकर महत्वपूर्ण एजेंडा को शामिल किया था। वर्तमान में भोपाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण का क्षेत्रीय केंद्र रायपुर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जिससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अपने ही राज्य में उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण मिल सके। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य में भी 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' का आयोजन किया जाए। कार्यक्रम में ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा ने ऑडिट रिपोर्ट वर्ष 2024-25, वार्षिक बजट 2025-26 व वर्ष 2025-26 के लिए ऑडिटर की नियुक्ति की जानकारी दी।

खबर संक्षेप

एचओडी डाक्टर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने मेडिकल एक पीजी छात्रा डाक्टर के शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे डॉक्टर आशीष सिन्हा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और उनके न्यायिक जांच को प्रभावित करने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की एकलपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। डॉक्टर आशीष सिन्हा ने अपने वकील के माध्यम से अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए सरकारी सेवा में होने के कारण गिरफ्तारी से करियर बर्बाद होने की दुहाई दी थी। डॉ. आशीष सिन्हा की ओर से प्रस्तुत दलील में कहा गया कि विभागीय विशाखा समिति की रिपोर्ट में उनके खिलाफ कुछ भी नहीं पाया गया, फिर भी उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की है।

जलप्रपात में वीडियो बनाते 60 फीट नीचे गिरा युवक

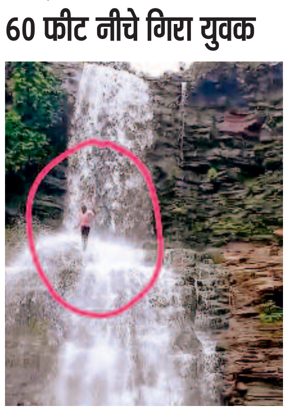

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के प्रसिद्ध धसगुड़ जलप्रपात में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। शनिवार 26 जुलाई को निखिल साहू (18 वर्ष), निवासी छेरकापुर, अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचा था। इसी दौरान एक वीडियो शूट करते समय वह चोटी से फिसलकर करीब 60 से 65 फीट नीचे जा गिरा, जिससे उसके शरीर की चार हड्डियां टूट गईं। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निखिल अपने दोस्तों के साथ मस्ती कर रहा था और वीडियो बनवाने के लिए जलप्रपात की चोटी पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि निखिल ऊंचाई से डरता था, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो डालने के लिए उसने जोखिम उठाया। तभी उसका बैलेंस बिगड़ा और वह सीधे चट्टानों के बीच जा गिरा।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार दो घायल

धमतरी। मेचका थाना क्षेत्र के ग्राम तुमड़ीबहार निवासी राकेश मंडावी पिता मनोज 30 वर्ष शनिवार को गांव के अपने साथी खिलेश ध्रुव पिता पंचूलाल उम्र 30 वर्ष के साथ बाइक में सवार होकर घूमने के लिए ग्राम बेलरगांव गया था जहां से शाम को दोनों युवक बाइक से वापस अपने घर ग्राम तुमड़ीबहार लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप के चालक ने अपने वाहन को लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए बाइक को सामने से ठोकर मार दी। राकेश को गंभीर चोट आई है। खिलेश के पैर में चोट लगी है।

आत्मसमर्पण पॉलिसी में है कई तरह की सुविधाओं का प्रावधान

समर्पित नक्सलियों के आपराधिक मामले हो जाते हैं वापस, जेल भी नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खात्मा के ऐलान को पूरा होने में महज 8 माह का समय बाकी है। ऐसे में पूरे बस्तर संभाग में नक्सलियों के आधार इलाके में दबिश देकर उन्हें समाप्त किया जा रहा है। साथ ही बड़ी संख्या में नक्सलियों का समर्पण भी हो रहा है। 2 दिन पहले बस्तर संभाग के नक्सल जिलों में कुल 66 नक्सलियों ने सरेंडर किया । इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के समर्पण पर हरिभूमि ने पड़ताल की जिसमें सरकार की पुनर्वास नीति में आत्मसमर्पण पॉलिसी का ज्यादा प्रभावशील होना है। इसमें आत्मसमर्पित नक्सलियों के आपराधिक मामलों को वापस लेना या बंद करने का प्रावधान है। जिसमें कुछ शर्तों के साथ उनके आचरण और व्यवहार भी देखा जाता है। समर्पण के बाद नक्सलियों के कैडर के अनुसार अल्प या लंबे समय तक निगरानी रखी जाती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

खास खबर

आंध्रप्रदेश के समर्पण पॉलिसी में नक्सलियों द्वारा किए गए अपराधों के मामलों को खत्म करने की नीति अपनायी गई । बस्तर के नक्सलियों ने आंध्रप्रदेश में बड़ी संख्या में समर्पण किया। छतीसगढ़ के आत्मसमर्पण पॉलिसी में भी इसका प्रावधान है। यह पहल कोर्ट से न होकर राज्य सरकार के द्वारा लागू की गई पुर्नवास नीति में दिए गए प्रावधान के अनुसार की जाती है। अपनी पत्नी के साथ समर्पण करने वाले नक्सली बदरन्ना ने हरिभूमि से कहा कि वह डेढ़ साल और पत्नी छह माह जेल में रहे। समर्पण के बाद हमारे आचरण और काम को देखकर कुछ मजिस्ट्रेट ने भी हमारे व्यवहार के कारण पक्ष में बात कहीं थी। वर्तमान में बड़ी संख्या में नक्सलियों के सरेंडर करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि छतीसगढ़ सरकार भी आंध्रप्रदेश सरकार की आत्मसमर्पण नीति पर अमल कर रही है ।

सरेंडर के बाद गांव जाना खतरनाक

अधिकांश नक्सली समर्पण के बाद गोपनीय सैनिक, डीआरजी और पुलिस सेवा में काम करने में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे है। खून खराबे की जिंदगी को छोड़कर शांति पूर्ण जीवन जीने में कई तरह के खतरे रहते है। कई नक्सलियों ने समर्पण के बाद गांव जाकर खेती किसानी का काम अपनाया लेकिन वे नक्सलियों के शिकार बने । इसलिए पुलिस की वर्दी पहनना उनके लिए सुरक्षा का कवच साबित होता है।

आपराधिक मामले वापसी का प्रावधान: सरकार की आत्मसमर्पण पालिसी में सरेंडर करने वाले नक्सलियों के आपराधिक प्रकरणों को खत्म करने का प्रावधान है । सरकार की ओर से कोर्ट में आवेदन लगाया जाता है जिससे नक्सली रहते हुए किए गए अपराधों को खत्म किए जाएं । सरेंडर करने वाले पर निगरानी रखते हुए उनके संतोषजनक होने की स्थिति के बाद पहल की जाती है। राज्य की पुनर्वास नीति में नक्सलियों को सरेंडर कर मुख्यधारा में आने पर कई तरह की सहूलियत दी जा रही है । यहीं कारण है कि नक्सली लगातार समर्पण कर रहे है। -सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

नक्सली स्मारक ध्वस्त, माओवादियों के मंसूबे नाकाम

जगदलपुर। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के मालेवाही थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। नक्सली शहीद सप्ताह 28 जुलाई से 3 अगस्त को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा बलों ने पूर्व में मारे गए माओवादियों के नाम पर बनाए गए तीन स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। सीआरपीएफ की 195वीं बटालियन और मालेवाही थाना पुलिस बल की संयुक्त टीम कमांडेंट राजीव कुमार व निरीक्षक नरेश सलाम के नेतृत्व में ग्राम कहचेनार की ओर एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर रवाना हुई थी। सघन सर्चिंग के दौरान टीम को कहचेनार के निकट नक्सलियों द्वारा बनाए गए तीन स्मारक दिखा । इनमें दो लकड़ी से बने थे और एक सीमेंट व पत्थर से बना हुआ था। सुरक्षा बलों ने कुल्हाड़ी और सब्बल की मदद से तीनों को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया।

एसईसीएल चिरमिरी में हादसा

खदान में मजदूर की दर्दनाक मौत

डोमनहिल/ कोरिया कॉलरी। एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र की आर-6 भूमिगत खदान में रविवार को एक भीषण हादसे में मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान लल्लू प्रसाद निवासी कोरिया कॉलरी के रूप में हुई है। वह प्रथम पाली में कन्वेयर बेल्ट बदलने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक मशीन चालू हो गई और वह चलते बेल्ट की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि मजदूर का शव कई टुकड़ों में बंट गया, जिसे कर्मचारियों ने प्लास्टिक में लपेटकर रीजनल हॉस्पिटल पहुंचाया। एनसीपीएचआर-5 भूमिगत कोयला खदान में एक दर्दनाक हादसे में एसईसीएल कर्मचारी लल्लू प्रसाद पिता साधारण निवासी कोरिया कॉलरी का था और टेण्डलर मजदूर के रूप में कार्यरत था। मिली जानकारी के अनुसार लल्लू प्रसाद प्रतिदिन की भाँति अपने कार्यस्थल पर पहुंचा था।

लापरवाही से हुई मौत

प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों का कहना है कि हादसे के समय बेल्ट और रोलर के पास मजदूर का होना मना है, फिर भी सुरक्षा अधिकारी और कॉलरी प्रबंधन ने लापरवाही बरती। घटना के बाद खदान क्षेत्र में काम करने वाले अन्य मजदूरों में गहरा रोष है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जताया दुख

घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने गहरा दुख जताते हुए अधिकारियों से उच्च स्तरीय जांच कराए जाने को कहा है।

जांच होः कमरो

ट्रेड यूनियन काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा- हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही से हुई एक हत्या है।

परिजनों ने डॉक्टर पर लगाए गंभीर आरोप

सरकारी से प्राइवेट अस्पताल में रेफर करने पर बवाल, मरीज की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार।

एनएच 130 बी में बलौदाबाजार रायपुर मार्ग पर शनिवार की शाम लगभग 4:30 बजे बिनौरी मोड़ के पास एक बाइक सवार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे अस्पताल पहुंचने एम्बुलेंस को फोन किया गया आधे घंटे बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंचने पर सिस्टम की लाचारी के आगे मालवाहक गाड़ी से पलारी के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां परिजनों के अनुपस्थिति में ही मौके पर उपस्थित ड्यूटी डॉक्टर आदित्य वर्मा ने उन्हें दूसरे अस्पताल रिफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने प्राइवेट अस्पताल रिफर किया जहां अस्पताल ने इलाज के लिए मोटी रकम मांगी जबकि डॉक्टर को जिला अस्पताल भेजना था।

पलारी थाना अंतर्गत बिनौरी मोड़ के पास शनिवार शाम बाइक सवार कुबेरकांत को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। जिससे उसका पैर बुरी तरह टूट गया था। दर्द के वजह से तड़पते घायल को रस्ते से गुजर रहे रिटायर्ड आर्मी मेन भरत ठाकुर ने देखा तो मौके पर रुक कर घायल को प्राथमिक उपचार देने का प्रयास किया। भीड़ में से लोगों से स्कार्फ लेकर पुलिस के डंडे को सहारा बनाते हुए घायल के पैर पर पट्टी बांधा। जिसके बाद मौके पर पहुंचे पलारी थाना प्रभारी हेमंत पटेल व उनके स्टाफ ने एम्बुलेंस का इंतजार किया। इस दौरान घायल तड़पता रहा। घायल को तड़पता देख सिस्टम की लाचारी के आगे थकहार कर थानेदार ने तुरंत एक मालवाहक गाड़ी को रुकवाकर घायल को पलारी अस्पताल पहुंचाया व घायल के परिजनों को सूचित किया।

सूचना मिलने पर ग्राम बोहारडीह (जोंधरा) से घायल का पुत्र निरंजन कांत व अन्य परिजन मरीज से मिलने पलारी पहुंचे तो उन्हें जानकारी मिली कि घायल को जिला अस्पताल रिफर किया गया है। जिला अस्पताल पहुंचने पर घायल मरीज नहीं पहुंचा था।

वॉच मेन नहीं हूं : डॉक्टर

अस्पताल का वॉच मेन नहीं हूं कि देखते रहूं कि मरीज को कौन कहां ले जा रहा है। मैंने मरीज को गंभीर हालत को देख कर जिला अस्पताल रिफर कर अन्य मरीजों के इलाज में लगा था। इसी दौरान किसी ने उसको वहां से ले गया। -आदित्य वर्मा , डॉक्टर

शव के बदले मांगे 58 हजार

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर आदित्य वर्मा ने मरीज को जानबूझ कर प्राइवेट अस्पताल भेजा। जबकि जिला अस्पताल भेजना था। रात दो बजे मृत्यु होने के बाद अस्पताल प्रबंधक ने शव देने के एवज में 58 हजार की मांग की थी। मीडिया के हस्तक्षेप के बाद दवाई का 10 हजार रुपए जमा करके शव ले जाने को कहा गया।

बिजली कनेक्शन के लिए जेई ने लिया 15 हजार, वीडियो वायरल होने पर सस्पेंड

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज भेंडरी में शिकायतकर्ता विनय यादव द्वारा विद्युत कनेक्शन ले लिए आवेदन दिया गया था। आरोप है कि आवेदन देने के बाद बलरामपुर विद्युत कार्यालय में पदस्थ जेई शांतनु बर्धन द्वारा 15 हजार रुपए की मांग की गई थी। कई दिनों तक की गई टालमटोल के बाद ग्रामीण ने सीएसईबी के जेई को 15 हजार रुपए की रिश्वत दे दी, लेकिन इस दौरान लोगों ने इसका वीडियो भी बना लिया। रुपएलेने का वीडियो अब वायरल हो गया है जिसमें स्पष्ट नजर आ रहा है कि जेई कुर्सी पर बैठकर रुपए गिन रहा है। विद्युत कनेक्शन के नाम पर पैसों की उगाही किए जाने से विभाग की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। वहीं अब वीडियो वायरल होने व विनय यादव द्वारा की गई शिकायत के मुख्य अभियंता यशवंत शैलेन्द्र ने जेई शांतनु बर्धन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

करंट की चपेट में आने से थाना प्रभारी और डाक्टर की गई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा/जशपुर

कोरबा और जशपुर में करंट की चपेट में आने से थाना प्रभारी और डाक्टर की मौत हो गई। मामले में थाना प्रभारी की पत्नी ने झाड़ू मारकर छुड़ाने का प्रयास किया। दूसरी तरफ डाक्टर की पत्नी भी पति के साथ करंट की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर है। अस्पताल में इलाज जारी है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रवि शंकर शुक्ल नगर का बताया जा रहा है।

यहां निवासरत डॉ. कलीम रिजवी छत पर साफ-सफाई कर रहे थे, तभी उन्होंने एक लोहे की रॉड उठाई जो दुर्भाग्यवश 11 केवी बिजली के तार के संपर्क में आ गई। करंट का झटका इतना भीषण था कि डॉ. कलीम ने मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी फिरदौस रिजवी जो उस वक्त उनके पास ही थीं वो भी करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गईं। हादसे के तुरंत बाद डॉ. रिजवी और फिरदौस रिजवी को जिला अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने डॉ. रिजवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं फिरदौस रिजवी का इलाज डॉक्टरों की टीम द्वारा किया जा रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जिला अस्पताल चौकी पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

थाना प्रभारी घर में सफाई करते खुले तार से चिपके

जशपुर जिले के नारायणपुर थाना में प्रभारी के पद पर पदस्थ निरीक्षक रामसाय पैंकरा की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई। अपने घर सुर

बखरीपारा थाना सीतापुर में घटना के दिन सुबह ग्यारह बजे के करीब वो घर का सीपेज ठीक कराने के दौरान अपने पुराने घर में जरूरत का सामान ढूंढने गए हुए थे। घर में लटक रहे करंट प्रवाहित बिजली तार की चपेट में आ गए। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वो पुराने घर से वापस नहीं आए तब उनकी पत्नी उन्हें ढूंढते हुए पुराने घर पहुंची। वे फरवरी 2026 में वे सेवानिवृत्त होने वाले थे।

रेलवे और वन विभाग मिलकर सभी बड़े वृक्षों को जड़ सहित शिफ्ट कर रहे दूसरी जगह

मुंबई-हावड़ा चौथी रेल लाइन में आने वाले वृक्षों को मिलेगा जीवनदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

मुंबई-हावड़ा रेल लाइन में चौथी रेल लाइन बिछाने का कार्य तेजी से हो रहा है। इस विकास कार्य में जो भी बड़े पेड़ लाइन की जद में आएंगे, उन्हें काटा नहीं जाएगा। रेलवे ने वन विभाग से मिलकर इन सभी पेड़ों को जड़ सहित उखाड़कर दूसरी जगह लगा रहा है। इस प्रोजेक्ट में भिलाई से लगभग 131 बड़े पेड़ आ रहे हैं। इनमें से 92 पेड़ों को दूसरी जगह लगाया जा चुका है। कुछ में तो दोबारा हरे पत्ते भी निकलने लगे हैं।

रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक भिलाई से गुजरने वाले मुंबई-हावड़ा रेल

मार्ग की चौथी लाइन बिछाने के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। इसमें काफी बड़े बड़े पेड़ आ रहे थे, जिन्हें पहले काटा जाना था, लेकिन वन विभाग और रेलवे ने इन सभी वृक्षों को दोबारा जीवनदान देने का निर्णय लिया है। अब किसी भी पेड़ को काटा नहीं जाएगा। वन विभाग और भारतीय रेलवे द्वारा प्रसिद्ध पर्यावरणीय संस्था जेडी इंटरप्राइजेस भिलाई के सहयोग से ट्रैक के किनारे लगे पेड़ों को जड़ सहित उखाड़ा जाएगा। इसके बाद उसे मशीनों की मदद से आसपास के सुरक्षित क्षेत्र में फिर से लगाया जा रहा है। कई पेड़ों को पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन के निकट सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। यह संस्था भिलाई से रायपुर तक चौथी रेल लाइन में आने वाले पेड़ों को ट्रैक के आसपास ही दूसरी जगह फिर से लगा रही है।

हराभरा होने तक पेड़ की देखरेख करेगी संस्था

डॉ. नेहा बंसोढ़ बताती हैं कि अनुबंध के तहत वो 6 महीने तक पेड़ की देखभाल करेंगी। जब वो फिर से हराभरा हो जाएगा, तो उसके भाद उसे वन विभाग को सौंप देंगे। उन्होंने कहा कि ट्री ट्रांसप्लांट यह साइंटिफिक विधि बीमार व्यक्ति को फिर से स्वस्थ करने के लिए किए जाने वाले आपरेशन की तरह है। जब पेड़ को उखाड़ते हैं तो उन्हें शाक लगता है। पेड़ की छंटाई की जाती है। इसके बाद उसकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए औषधि उपचार करते हैं।

इन पेड़ों को लगाया गया फिर से

भिलाई में रेल लाइन में आने वाले 2 विशालकाय पीपल सहित 1 आम, 2 जामुन और 4 नीम के पेड़ लगाए जा चुके हैं। इसके साथ ही भिलाई में फ्लाईओवर, प्रियदर्शनी अंडरब्रिज, सुपेला चौक, मौर्या टाकीज, ढिल्लन काम्पलेक्स, भोलेनाथ मंदिर पावरहाउस, खुर्सीपार, भिलाई 3 चरौदा में 131 पेड़ों को हटाकर कुछ दूरी लगाए जाएंगे। संस्था ने 92 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है।

रायपुर
सोमवार, 28 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 24, अंक : 12
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 29.3
न्यून. 24.2

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पीएम मोदी बोले- बिल्हा की महिलाओं ने बदल डाली शहर की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिल्हा

नगर पंचायत बिल्हा ने स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवशाली उपलब्धि की प्रतिध्वनि 'मन की बात' के राष्ट्रीय मंच तक पहुंची, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में बिल्हा नगर पंचायत की महिलाओं द्वारा किए गए नवाचार और श्रम का उल्लेख करते हुए सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ▶▶| शेष पेज 5 पर

खास खबर

- बिल्हा ने देशभर में बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान, पीएम ने की सराहना
- स्वच्छता में हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देशभर में प्रथम

पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, वह सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में देशभर के 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त कर बिल्हा ने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि यह सिद्ध किया है कि संकल्प, सहभागिता और सेवा भाव से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में बिल्हा ▶▶| शेष पेज 5 पर

कौशिक ने पीएम का माना आभार

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विधानसभा बिल्हा अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत बिल्हा के महिलाओं की प्रशंसा करने पर प्रधानमंत्री का आभार माना है। उन्होंने कहा कि हम सब का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम मन की बात में विधानसभा बिल्हा के अंतर्गत आने ▶▶| शेष पेज 5 पर

अन्य निकायों को मिलेगी प्रेरणा: साव

उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का मान पूरे देश में बढ़ाया है। यह सफलता हमारे नगरीय निकायों की प्रतिबद्धता, कार्यशैली और जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रदेश के ▶▶| शेष पेज 5 पर

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टैंकर में विस्फोट तीन की मौत

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा के पास एक संयंत्र में रविवार शाम डामर गर्म करने के दौरान एक टैंकर में विस्फोट हो गया, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी अरमान जियाउल्ला (26), राजस्थान के अलवर निवासी अशोक गुर्जर (21) और वडोदरा निवासी शाकिब अख्तर खान (33) के रूप में हुई है। यह घटना वडोदरा जिले के सावली तालुका के मोक्षी गांव में हुई।

फिल्म 'पायरेसी' में शामिल लोगों को तीन साल तक कैद

नई दिल्ली। डिजिटल 'पायरेसी' पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने कानूनों में संशोधन किया है। अब फिल्मों की अवैध रिकॉर्डिंग और प्रसारण में शामिल लोगों के लिए तीन साल तक की कैद और निर्माण लागत के पांच प्रतिशत तक के कठोर जुर्माने का प्रावधान किया है। पायरेसी का आशय सॉफ्टवेयर, संगीत, फिल्मों और पुस्तकों जैसी कॉपीराइट सामग्री के अनधिकृत पुनरुत्पादन, वितरण या उपयोग से है।

निर्माण स्थल पर ऊंचाई से गिरने से मजदूर की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक निर्माण स्थल पर काम करते समय कथित

तौर पर ऊंचाई से गिरने से 35 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक के शव की शिनाख्त मोहन के रूप में हुई है। वह बाकोली स्थित पाम ग्रीन रिसॉर्ट में निर्माण कार्य में लगा हुआ था, जहां शनिवार को यह घटना हुई।

छात्र ने तीसरी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

जयपुर। छात्र ने कथित तौर पर अपनी कलाई काटकर और अपने घर की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। रोहन चौधरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। रोहन ने शनिवार रात खाना खाया और तीसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में चला गया। रात में किसी समय, उसने कथित तौर पर ब्लेड से अपनी कलाई काट ली। अपने घर के पीछे एक पड़ोसी घर की छत पर कूद गया।

सिर पर जूता रखकर मंगवाई माफी, गिरफ्तार

शिवपुरी। सार्वजनिक स्थल पर एक युवक से सिर पर जूता रखकर कथित रूप से माफी

मंगवाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना जिले के बैराड़ कस्बे में हुई थी। शिवपुरी के पोहरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह ने इस घटना की कड़ी निंदा की।

बोइंग कंपनी का ही था अहमदाबाद में क्रैश हुआ विमान, बाल-बाल बचे 173 यात्री

अब अमेरिका में टेकऑफ के दौरान बोइंग के विमान का इंजन हुआ फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डेनवर/नई दिल्ली

डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मियामी के लिए अमेरिकन एयरलाइंस का बोइंग 737 मैक्स 8 विमान रवाना होने वाला था। तभी टेकऑफ के दौरान ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ गई। विमान का लैंडिंग गियर फेल होने के कारण टेकऑफ रोकना पड़ा। इस दौरान विमान के पिछले हिस्से में आग लग गई।

यह फ्लाइट मियामी जा रही थी। घटना अमेरिकी समयानुसार दोपहर 2:45 बजे (भारतीय समयानुसार रात 2.15 बजे) हुई। विमान में कुल 173 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स सवार थे। सभी को इमरजेंसी स्लाइड के जरिए बाहर निकाला गया। हादसे में 6 लोगों को मामूली चोटें आईं, जिनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में अमेरिकी संघीय एविएशन एजेंसी ने जांच के आदेश दिए हैं।

एफएए ने यह जांचने को कहा है कि अचानक लैंडिंग गियर में आग कैसे लग गई। प्रारंभिक जांच में इंजन फेल होने की जानकारी सामने आ रही है। अमेरिकन एयरलाइंस ने पुष्टि की कि विमान के टायर में तकनीकी खराबी थी, जिसकी वजह से इसे सर्विस से हटा लिया गया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया। पैसेंजर्स को मियामी ले जाने के लिए एक नया विमान तैयार किया गया है।

अमेरिकन एयरलाइंस के बोइंग विमान का इंजन फेल होने और लैंडिंग गियर में आग लगने से 173 यात्री और 6 क्रू मेंबर पर आफत आ गई। विमान में अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। उड़ाने भरने से पहले अचानक पहियों से आग की लपटें निकलने लगीं। पायलट और कैबिन क्रू ने सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी गेट के जरिए यात्रियों को बाहर निकाला।

इमरजेंसी गेट के जरिए यात्रियों को बाहर निकाला

6 लोग हुए घायल

ये घटना स्थानीय समय अनुसार दोपहर 2:45 बजे और भारतीय समयानुसार रात में 2.15 बजे हुई। इस विमान में कुल 173 यात्री और 6 क्रू सदस्य सवार थे। इन सभी को इमरजेंसी स्लाइड के जरिए बाहर निकाला गया। इस हादसे में जिन छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमेरिका की संघीय विमानन प्रशासक एफएएए यानी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और एयरलाइंस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

सेवा से हटाया गया विमान

अमेरिकन एयरलाइंस ने पुष्टि की है कि शनिवार को हादसे का शिकार हुए विमान के टायर में तकनीकी खराबी थी। एयरलाइंस का कहना है कि इस विमान को फिलहाल सेवा से हटा लिया गया है। वहीं, फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया। प्रभावित यात्रियों को मियामी ले जाने के लिए एक नया विमान तैयार किया गया है।

अहमदाबाद में क्रैश हुआ था बोइंग विमान : बीते महीने 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया प्लेन उड़ान के कुछ सेकंड बाद ही क्रैश हो गया था। ये विमान भी बोइंग कंपनी ने ही बनाया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। ये बोइंग 787-8 विमान था। इस हादसे की जांच चल ही रही है।

इधर, एअर इंडिया को सरकार की चेतावनी

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। टाटा संस और एअर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखर के साथ हुई बैठक में सरकार ने सख्त हिदायत देते हुए दो बड़े संदेश दिए हैं। दरअसल, केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, सचिव समीर कुमार सिन्हा और डीजीसीए प्रमुख फैज अहमद किदवई ने चंद्रशेखरन से मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा में सुधार के उपायों पर चर्चा की गई, जिस पर चंद्रशेखरन ने सहमति जताई है।

दो संदेश

पहला : सुरक्षा पर सीधा असर डालने वाले प्रमुख एअर इंडिया डिपार्टमेंट में बैकसीट ड्राइविंग के कल्चर (पर्दे के पीछे फैसले लेने की संस्कृति) को तुरंत खत्म कर देना चाहिए।

दूसरा : प्रमुख विभागों में पदों पर बैठे लोगों के पास फैसला लेना का अधिकार होना चाहिए, न कि जब चीजें खराब हों तो उन्हें केवल दोषी ठहराने के लिए। कई मामलों में फैसले कोई और ही ले रहा होता है, जबकि सीट पर कोई और बैठा होता है। यह व्यवस्था बेहद खतरनाक है और इसे तत्काल खत्म कर देना चाहिए।

मारे गए 4 नक्सलियों पर था 17 लाख का ईनाम

- बासागुड़ा एवं गंगालूर थाना के सरहदी जंगलों में सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया
- एसएलआर, इंसास, 303 रायफल, 12 बोर, बीजीएल लांचर, सिंगल शॉट सहित विस्फोटक सामग्री बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में माओवादी कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान 26 जुलाई की शाम पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुककर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ के पश्चात स्थल की तलाशी में 1 एसएलआर, 1 इंसास, एक 303 रायफल, बीजीएल लांचर, ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

हथियार समेत सामान बरामद

बताया गया कि मुठभेड़ स्थल से बरामद सामग्रियों में 1 एसएलआर, 3 मैग्जीन 15 जिंदा राउण्ड, 1 इंसास, 3 मैग्जीन 40 जिंदा राउण्ड, एक 303 रायफल 1 मैग्जीन, 16 जिंदा राउण्ड, 1 बीजीएल लांचर (सुरखा) 3 सेल, 1 सिंगल शॉट 315 बोर रायफल, एक 12 बोर बंदूक, 12 जिंदा सेल, एके 47 के 8 जिंदा राउण्ड, बीजीएल सेल छोटा 3, ग्रेनेड 1, नक्सल सामग्री व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री मिले है।

425 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने बताया कि 2024 में मिली निर्णायक बढ़त को आगे बढ़ाते हुए 2025 में भी बस्तर संभाग में प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई (माओवादी) संगठन के विरुद्ध सुरक्षा बलों द्वारा सघन और निरंतर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों के तहत पिछले 19 महीनों (जनवरी 2024 से जुलाई 2025) में 425 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जो सुरक्षा तंत्र की प्रभावी रणनीति, साहसिक कार्रवाई और जनसमर्थन का प्रतीक है।

26 दिनों में बरस गया 448 मिमी पानी, जुलाई लबालब, सिर्फ बेमेतरा और कोंडागांव पीछे

आफत की बारिश...रायपुर में दस साल का रिकार्ड टूटा, कुसमी में 20 सेमी पानी बरसा

प्रमुख जिलों में हुई वर्षा

जिला	अब तक	औसत
रायपुर	548.0	450.6
बिलासपुर	641.6	465.9
दुर्ग	507.3	462.2
राजनांदगांव	511.1	483.6
बलरामपुर	929.5	420.2
जांजगीर	834.8	471.2

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जून के महीने में रूठे रहने वाले मानसून ने जुलाई में प्रदेश में जमकर रहमदिली दिखाई। यहां 26 दिनों में बादल 448 मिमी. तक बरसे, जिससे महीने का कोटा पूरा हुआ और सीजन की बारिश का आंकड़ा 599.6 मिमी. के साथ सामान्य से 16 फीसदी अधिक हो गया। रायपुर जिले में इस बार 429 मिमी. वर्षा हुई, ऐसा पिछले दस साल में नहीं हुआ। जून से जुलाई के बीच हुई बारिश के बाद बेमेतरा और कोंडागांव पिछड़े रह गए, मगर रायपुर समेत 16 जिले औसत ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

सामान्य असर रहने की उम्मीद

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रदेश में बारिश अभी सामान्य स्थिति में रहने की उम्मीद है। बनने वाले सिस्टम के प्रभाव से एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने और अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है। शनिवार की सुबह तक प्रदेश में असर दिखाने वाले बादल रविवार को भी शांत रहे। दिनभर छाए बादल और धूप नहीं निकलने की वजह से वातावरण में ठंडक आ गई है और राज्य का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा चुका है।

रायपुर में केवल दो बार 46 मिमी. वर्षा

इस बार भारी वर्षा की वजह से रायपुर जिले के नदी-नाले लबालब हो चुके हैं, मगर पिछले दस साल में दो बार ऐसी स्थिति बनी, जब जुलाई के महीने में यहां 46 मिमी. बारिश हुई थी। वर्ष 2015 के बाद 2022 में यही स्थिति बनी थी और किसानों के साथ आम लोगों के चेहरे पर सूखे का संकट नजर आने लगा था। रायपुर जिले में जुलाई के महीने में सबसे अधिक 679.3 मिमी वर्षा वर्ष 2007 में दर्ज की गई थी। पिछले दस साल में मासिक वर्षा 270.9 मिमी. तक वर्ष 2020 में पहुंची थी।

पंडरिया विधायक भावना ने अमरकंटक से भोरमदेव तक की 151 किमी की कांवड़ यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा और 300 से अधिक कांवड़ियों ने मां नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की यात्रा 21 जुलाई को शुरू की। 27 जुलाई को भोरमदेव मंदिर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के साथ पूर्ण हुई। छत्तीसगढ़वासियों की सुख-समृद्धि एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना हेतु यह कांवड़ यात्रा पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में शुरू की गई। 7 दिनों में घने जंगलों, पर्वतों, बीहड़ रास्तों, उफनती नदियों और घनघोर बारिश को पार करते हुए डोंगरिया महादेव ▶▶| शेष पेज 5 पर

सीएम विष्णु देव साय ने फोन कर भावना बोहरा और कांवड़ियों का बढ़ाया हौसला

गौरव व भावनाओं से भरी यात्रा, अविस्मरणीय

भावना बोहरा ने कहा कि यह यह क्षण और मेरे लिए गौरव और भावनाओं से भरा है जो मुझे आजीवन स्मरणीय रहेगा। भगवान भोलेनाथ और मां नर्मदा के आशीर्वाद से और कबीरधाम जिला के शिवभक्तों, कांवड़ यात्रियों के अपार स्नेह, अपनत्व और सहयोग से यह यात्रा आज पूर्ण हुई है जिसके लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा ▶▶| शेष पेज 5 पर

आरइंफ्रा और आर पावर पर ईडी की पूरी हुई तलाशी

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (आरइंफ्रा) और रिलायंस पावर (आरपावर) ने रविवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनके विभिन्न परिसर में तलाशी का काम पूरा कर लिया है। कंपनियां संघीय जांच एजेंसी के साथ सहयोग करना जारी रखेंगी। आरपावर ने स्टॉक एक्सचेंज में दायर अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, ईडी की कार्रवाई सभी जगहों पर पूरी हो गई है।

- कंपनी ने कहा- करते रहेंगे सहयोग

अंबानी का कोई संबंध नहीं

दोनों कंपनियों ने कहा कि अनिल डी. अंबानी आरइंफ्रा और आरपावर के बोर्ड में नहीं हैं, इसलिए आरकॉम या आरएचएफएल के खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई का आरइंफ्रा और आरपावर के शासन, प्रबंधन या संचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

केंद्रीय गृह सचिव बोले- मिलेगा पूरा वेतन और सम्मान

अभियान के दौरान हुए दिव्यांग तो भी सेवा पर रहेंगे जवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीएपीएफ के अधिकारी और जवान जो अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या किसी स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाते हैं, वे सेवा में बने रहेंगे। उन्हें एकमुश्त मूल मौद्रिक पैकेज के अलावा उचित पदोन्नति एवं वेतन मिलेगा। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहन यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ▶▶| शेष पेज 5 पर

चुनी हुई इकाइयों में होगी तैनाती

गृह मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि जो जवान और अधिकारी अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं, उन्हें सेवा से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा, "ऐसे कर्मियों को इन बलों की कुछ चुनी हुई इकाइयों में काम करने के लिए तैनात किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनकी सेवानिवृत्ति तक उनका वेतन और भत्ते जारी रहें। ऐसे बहादुर कर्मियों का "सम्मान और आदर" सुनिश्चित किया जाएगा।

इसलिए लिया गया निर्णय

सीएपीएफ अधिकारी ने बताया कि सैकड़ों सीएपीएफ जवानों को पिछले कुछ वर्षों में ऑपरेशन के दौरान स्थायी चोटें आई हैं, जिनमें अंगों या आंखों की रोशनी का नुकसान शामिल है। हालांकि, ऐसी चोटों के कारण बर्खास्तगी के मामले बहुत कम हैं, लेकिन कई कर्मियों की पदोन्नति रुकी हुई है क्योंकि वे मौजूदा फिटनेस मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। समिति इन फिटनेस मानदंडों में ढील देने पर विचार करेगी, ताकि प्रभावित कर्मियों को पदोन्नति और अन्य लाभ मिल सके।

बहादुर कर्मियों का सुनिश्चित किया जाएगा सम्मान

गृह सचिव ने कहा, ऐसा हमारे जवानों को यह आश्वासन देने के लिए किया जा रहा है कि जब वे विपरीत परिस्थितियों का सामना करेंगे, तो एक मजबूत गृह मंत्रालय और भारत सरकार उनका साथ देगी। मोहन ने सीएपीएफ से "उभरते खतरों" के लिए तैयार रहने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि वे नयी प्रौद्योगिकी को अपनाएं, जो संचालन और खुफिया जानकारी जुटाने में उनकी "सबसे बड़ी मित्र" है।

मन की बात में बोले मोदी- बच्चों में अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारत के बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति एक नयी जिज्ञासा जागी है। मोदी ने साथ ही कहा कि देश में केवल अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि 2047 में विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे मजबूत आधार है। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। मोदी ने इस दौरान ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत की घोषणा की। मिशन का उद्देश्य पूरे भारत में प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना है।

ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत

ज्ञान भारतम मिशन का उद्देश्य पूरे भारत में एक करोड़ से ज्यादा पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और उन तक अधिक से अधिक लोगों की पहुंच बनाना है।मोदी ने कहा, हमारे प्राचीन ज्ञान के विस्तार के विचार से प्रेरित होकर भारत सरकार ने इस वर्ष के बजट में एक ऐतिहासिक पहल 'ज्ञान भारतम मिशन' की घोषणा की थी। अब इसकी शुरुआत की जा रही है। इस पहल की घोषणा इस साल के केंद्रीय बजट में पहली बार की गई थी।

पूर्व नक्सली बंदूक छोड़ मुख्यधारा में शामिल हुए

पीएम मोदी ने झारखंड के गुमला जिले के पूर्व नक्सलियों के उल्लेखनीय परिवर्तन की प्रशंसा की। उन्होंने पूर्व नक्सली ओम प्रकाश साहू की प्रेरक कहानी सुनायी, जो हिंसा का रास्ता छोड़कर एक सफल मछली पालक और कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहे बसिया ब्लॉक में बदलाव के उत्प्रेरक बने।

चंद्रयान-3 का जिक्र

'इंस्पायर मानक योजना' का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस अभियान का नाम तो सुना ही होगा। यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है।

कोई आइडिया है तो नमो ऐप पर भेजें

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि अगले महीने, 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे? क्या आपके पास कोई नया आइडिया है? अगर है तो मुझे नमो ऐप पर संदेश जरूर भेजें। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले, हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में पदक जीते।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

पीएम मोदी ने ओडिशा के क्योंझर में हो रहे एक अद्भुत काम के बारे में बताया। वहां 'राधा कृष्ण संकीर्तन' नामक एक समूह है। भक्ति के साथ, यह समूह पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले मंत्रों का भी जाप करता है। इस कदम के पीछे प्रेरणा प्रमिला प्रधान हैं। उनके समूह ने कई गांवों का दौरा किया और जंगल की आग के बारे में जागरूकता फैलाई।

पक्षियों के बारे में जानने का आग्रह

पीएम मोदी ने लोगों से अपने आसपास के पक्षियों के बारे में जानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर मैं आपके आसपास के पक्षियों के बारे में पूछूं, तो आप कहेंगे कि आप 4-5 प्रजातियां देखते हैं, लेकिन हमें अपने आसपास के पक्षियों के बारे में जानने की जरूरत है।

युवाओं से पीएम मोदी की खास अपील

पीएम मोदी ने युवाओं को 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भरता' और 'वोकल फॉर लोकल' के माध्यम से ही हम इस सपने को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से स्थानीय उत्पादों को खरीदने और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने का आग्रह किया।

स्वदेशी आंदोलन का जिक्र

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में स्वदेशी आंदोलन की बात की। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त 1905 को एक नई क्रांति शुरू हुई। स्वदेशी आंदोलन ने स्थानीय उत्पादों, विशेष रूप से हथकरघों में नई ऊर्जा का संचार किया।

खबर संक्षेप

कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को यहां राष्ट्रपति भवन में मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर एक पोस्ट में साझा करते हुए लिखा, ''भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' कोविंद ने 'एक साथ चुनाव' संबंधी एक उच्च-स्तरीय समिति का भी नेतृत्व किया।

कमरे में पाए गए पति-पत्नी के शव, जांच शुरू

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर पति-पत्नी के शव पाये गये। पुलिस ने पति की मां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि देवा कोतवाली क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी रोहित (27) और उसकी 26 वर्षीय पत्नी मुन्नी के शव आज उनके कमरे में पाये गये। मुन्नी का शव साड़ी से लगे फांसी के फंदे से लटकता पाया गया। वहीं, रोहित का शव जमीन पर पड़ा मिला। उनकी शादी छह साल पहले हुई थी। दोनों का चार साल का एक बेटा भी है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

260 करोड़ के फर्जी बिलिंग में दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। लुधियाना के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के अधिकारियों ने मंडी गोबिंदगढ़ में कई स्थानों पर

छापेमारी कर लगभग 260 करोड़ रुपए के फर्जी बिलिंग घोटाले में लिप्त एक गिरोह का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। यह गिरोह लौह और इस्पात क्षेत्र में पांच कंपनियों के जरिये फर्जी आईटीसी लेने और पास करने में लिप्त था। बयान के अनुसार इससे राजकोष को लगभग 47 करोड़ रुपये के जीएसटी नुकसान का अनुमान है। फिलहाल, जांच जारी है। इस नेटवर्क के पूरे दायरे और अन्य संलिप्त इकाइयों की पहचान की जा रही है।

मेट्रो में सोने के बिस्कुट चुराने वाले गिरफ्तार तीन लाख बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की चलती ट्रेन से 141 ग्राम से अधिक वजन के सोने के बिस्कुट चुराने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से चोरी के सोने के बिस्कुट की बिक्री से कथित तौर पर अर्जित राशि यानी तीन लाख रुपये बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को अमित संतरा नामक यात्री के बैग ये बहादुरगढ़ और शादीपुर स्टेशन के बीच यात्रा करते समय सोने के बिस्कुट चोरी हो गए थे। पुलिस ने डाबरी निवासी संदिग्ध सोनू चंद व जय प्रकाश नामक दो लोगों को पकड़कर माल बरामद किया।

बिहार में एसआईआर का पहला चरण पूरा, 7 करोड़ से ज्यादा फॉर्म हुए जमा

बिहार के 65 लाख से अधिक वोटर्स पर लटकी तलवार, चुनाव आयोग ने कहा- हटाए जाएंगे नाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के पहले चरण के बाद चुनाव आयोग ने जो आंकड़े जारी किए है, उसके तहत बिहार की मतदाता सूची से 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटना तय है। यह इसलिए है, क्योंकि इनमें से 22 लाख मतदाता मृत हैं, जबकि 35 लाख से अधिक मतदाता स्थाई रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं या उनका कहीं कोई पता नहीं चल पा रहा है। वहीं, सात लाख मतदाता ऐसे भी पाए गए हैं, जो दो जगहों से पंजीकृत हैं। इसके साथ ही करीब 1.2 लाख मतदाता ऐसे हैं, जिन्होंने तय समय-सीमा के भीतर गणना फॉर्म भर कर वापस जमा नहीं किए हैं।

क्या है एसआईआर

चुनाव आयोग मतदाता सूची में 3 तरह से सुधार करता है। एक समरी रिवीजन, दूसरा गहन पुनरीक्षण और तीसरा विशेष संशोधन। गहन पुनरीक्षण एक तरह से नई मतदाता सूची बनाने का काम है। इसके लिए घर-घर जाकर लोगों की गणना की जाती है, फिर निर्धारित दस्तावेजों के निरीक्षण के बाद उनका नाम मतदाता सूची में शामिल या हटाया जाता है। विपक्ष का कहना है कि ये गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं का वोट काटने की साजिश है।

99.98 मतदाताओं तक पहुंचा चुनाव आयोग

चुनाव आयोग ने इस अभियान में बिहार के 99.98 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंचने का दावा किया है। साथ ही गणना फॉर्म से जुड़ी इस मुहिम को सफल बनाने का श्रेय राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी व निर्वाचन पंजीयन अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी, बीएलओ, बीएलए और वॉलंटियर्स आदि को दिया है।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर को

इस प्रक्रिया के तहत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर को होगा। चुनाव आयोग ने इसके साथ ही सभी राजनीतिक दलों और आम मतदाताओं से कहा है कि यदि एक अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची को लेकर उन्हें कोई आपत्ति है या किसी का नाम गलती से जुड़ या हट गया है तो वह उसे लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र के संबंधित मतदाता पंजीयन अधिकारी के पास एक सितंबर तक फॉर्म भरकर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। उसे ठीक किया जाएगा।

22 लाख मृत मतदाताओं के नाम आए सामने

आयोग के मुताबिक, बिहार में एसआईआर के तहत लगभग 22 लाख मृत मतदाताओं के नामों की पहचान की गई है। साथ ही करीब 7 लाख मतदाता ऐसे हैं, जो विभिन्न स्थानों पर पंजीकृत पाए गए हैं, जबकि 35 लाख मतदाता या तो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं या उनका कोई पता नहीं चल पाया है। आयोग का कहना है कि अभी 1.2 लाख मतदाताओं के गणना फॉर्म जमा नहीं हुए हैं, जो 1 अगस्त तक हो जाएगा।

राजनीतिक पार्टियों को सौंपी गई सूची

जिन मतदाताओं ने फॉर्म नहीं भरा, जिनकी मृत्यु हो गई या जो पलायन कर गए हैं, उनकी सूची 20 जुलाई को आयोग 12 राजनीतिक दलों को सौंप चुका हैं। बहुजन समाज पार्टी, भाजपा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), नेशनल पीपुल्स पार्टी, आम आदमी पार्टी की आपत्ति के बाद मसौदा मतदाता सूची 1 अगस्त को जारी होगी।

राजनीतिक पार्टियों ने लगाए थे 1.60 लाख बीएलओ

बिहार में एसआईआर के लिए 38 जिला निर्वाचन अधिकारी, 243 ईआरओ, 2,976 एईआरओ, 77,895 मतदान केन्द्रों पर तैनात बीएलओ, स्वयंसेवकों, सभी 12 राजनीतिक दलों, उनके 38 जिला अध्यक्षों और उनके द्वारा नामित 1.60 लाख बीएलओ काम में लगे थे। एसआईआर में सबसे अधिक 53,338 बीएलओ भाजपा, 47,506 आरजेडी, 36,550 जेडीयू और 17,549 कांग्रेस ने लगाए थे।

14,000 पुरुष बने महिला 'लाडकी बहिन योजना' के ठगे 21 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन योजना' में करोड़ों का घोटाला सामने आया है। पता चला है कि महिलाओं के लिए बनी इस योजना का लाभ 14,298 पुरुषों ने फर्जी पहचान के जरिए उठा लिया है। इन पुरुषों ने महिला बनकर राज्य सरकार से लगभग 21.44 करोड़ रुपये अपने खातों में जमा करा लिए हैं। घोटाला सामने आने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है।

इससे पहले ऑडिट में खुलासा हुआ था कि 7.97 लाख महिलाओं ने एक ही परिवार से तीसरे सदस्य के रूप में नामांकन करा लिया, जबकि योजना में एक परिवार की अधिकतम 2 महिलाओं को ही लाभ मिल सकता है। इससे सरकार को 1,196 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अन्य मामलों में 65 साल से ज्यादा उम्र की 2.87 लाख महिलाओं और 4 पहिया वाहन वाले परिवारों की 1.62 लाख महिलाओं द्वारा पंजीयन कराने के मामले सामने आए थे।

महाराष्ट्र की सियासत गरमाई

ऑडिट में पता चला ऐसे हुआ घोटाला

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए गए ऑडिट में पता चला है कि 14,298 पुरुषों को योजना के तहत पैसे मिल रहे थे। इससे सरकारी खजाने को 21.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इन पुरुषों ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली में हेरफेर कर खुद को महिला लाभार्थी के रूप में पंजीकृत करा लिया था।

उपमुख्यमंत्री बोले- पूरा पैसा वसूला जाएगा : मामला सामने आने के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि लाडकी बहिन योजना का धोखाधड़ी से हिस्सा बनने वाले पुरुषों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन्हें दी गई राशि वसूल की जाएगी।

क्या है 'लाडकी बहिन योजना'?

'लाडकी बहिन योजना' के तहत 21 से 65 साल की उन महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं, जिनके परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये से कम है। इस योजना की शुरुआत महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले महायुति सरकार ने की थी। दरअसल, दूसरे राज्यों में भी इस तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसे देखते हुए भी महाराष्ट्र सरकार ने इसकी शुरुआत की थी।

थाईलैंड-कंबोडिया के बीच चौथे दिन भी गोलीबारी, 34 मरे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लगातार चौथे दिन सीमा विवाद को लेकर झड़प जारी है। संघर्ष विराम की अपीलों के बावजूद दोनों देश एक-दूसरे पर गोलीबारी कर रहे हैं। आज सुबह से कई सीमावर्ती इलाकों में तोपों की आवाजें गूंजती रहीं। इस बीच संघर्ष में अमेरिका की भी एंट्री हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हैं और शांति चाहते हैं। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने एक बयान में कहा, हम संघर्ष समाप्त करने के राष्ट्रपति ट्रंप के आह्वान का स्वागत करते हैं। हमारे विदेश मंत्री बैंकॉक में समन्वय के लिए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करेंगे।

■ युद्ध विराम के लिए मलेशिया में करेंगे वार्ता

थाईलैंड ने कहा-युद्धविराम के लिए द्विपक्षीय वार्ता चाहते हैं : थाइलैंड ने कहा, कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की और अनुरोध किया कि थाईलैंड-कंबोडिया में तत्काल युद्धविराम पर सहमत हों।

आज फिर भड़का संघर्ष

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आज तड़के कंबोडिया के सम्रोंग शहर में तोपों के चलने की आवाज लगातार आ रही है। यह शहर सीमा से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है। थाई अखबार खोसोद ने बताया कि कंबोडियाई सैनिकों ने पहले सुरिन प्रांत में ता क्वाई मंदिर के पास थाई सैनिकों को निशाना बनाया। कंबोडियाई सेना ने सीमा से लगे थाईलैंड के सुरिन प्रांत में भी थाई सैनिकों पर गोलीबारी की है।

युद्ध में अब तक 34 से ज्यादा मौतें

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्ध में उसके 13 लोगों की मौत हुई है और 71 घायल हुए हैं। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। वहीं, थाईलैंड ने कहा कि उसके भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल हैं।

ट्रंप बोले- दोनों देश शांति चाहते हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने अभी-अभी थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री से बात की है और यह बहुत अच्छी बातचीत रही। कंबोडिया की तरह थाईलैंड भी तत्काल युद्धविराम और शांति चाहता है। अब मैं यह संदेश कंबोडिया के प्रधानमंत्री को वापस भेजूंगा। दोनों पक्षों से बात करने के बाद युद्धविराम, शांति और समृद्धि स्वाभाविक प्रतीत होती है। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय ने भी दोनों नेताओं की बातचीत पर बयान जारी किया है।

तेलंगाना में हादसा

सरकारी स्कूल का खाना खाने से 60 छात्राएं बीमार

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में एक सरकारी बालिका आवासीय विद्यालय की 60 से अधिक छात्राओं को रात का खाना खाने के बाद उल्टी और अन्य लक्षणों की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनमें से 50 को बाद में छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उय्यालवाड़ा स्थित आवासीय विद्यालय में शनिवार रात भोजन करने के बाद 64 छात्र बीमार पड़ गए और उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा उनकी हालत स्थिर है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्रों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनमें से 50 को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि छात्रों ने जब दही खाने के समय वह पूरी तरह से फर्मेंटेड नहीं था और प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रों के बीमार पड़ने का कारण यही माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जाएगी।

■ दस्त और उल्टी के बाद अस्पताल में भर्ती

तेजस्वी महुआ लड़े तो हम राघोपुर से लड़ जाएंगे; तेज ने बढ़ाई लालू की टेंशन

हरी नहीं अब पीली टोपी में दिखेंगे तेज प्रताप यादव

एजेंसी ▸▸ पटना

पार्टी और परिवार से दूर चल रहे तेज प्रताप अब राजद चीफ लालू यादव की टेंशन बढ़ाने लगे हैं। बिहार चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए नया संगठन 'टीम तेज प्रताप यादव' बनाने की घोषणा की है। हमेशा हरी टोपी में दिखने वाले तेज प्रताब इस दौरान पीली टोपी में दिखे। एक इंटरव्यू में सवाल के जवाब में उन्होने कहा कि अगर तेजस्वी महुआ से लड़ेंगे, तो हम भी राघोपुर से लड़ जाएंगे। दरअसल तेजस्वी के दो सीटों से चुनाव लड़ने की चर्चा है। जिसमें राघोपुर और महुआ शामिल है। लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप वैशाली की महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं।

जैसा माहौल बनेगा तब का तब देखा जाएगा

इस बीच एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में तेज प्रताप ने कहा कि तेज प्रताप ने

कहा कि अगर तेजस्वी महुआ से लड़ेंगे, तो हम भी राघोपुर से लड़ जाएंगे। जब इस तरह का माहौल बनेगा, तब का तब देखा जाएगा। महुआ सीट पर तेज प्रताप ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो वहां की जनता राजद प्रत्याशी को हराकर भेजेगी। उन्होंने कहा कि महुआ की जनता सब देख रही है। वहां मेडिकल कॉलेज किसकी वजह से बना है।

तेजप्रताप महुआ से ही चुनाव जीते हैं

आपको बता दें साल 2015 में पहली बार तेज प्रताप महुआ से ही चुनाव जीते थे। हालांकि 2020 के चुनाव में समस्तीपुर जिले के हसनपुर से लड़े और जीते। अभी महुआ से राजद के मुकेश रौशन विधायक हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने 2015 में राघोपुर सीट से अपना पहला चुनाव जीता था। उन्होने बीजेपी के सतीश कुमार को मात दी थी। वहीं 2020 में भी तेजस्वी राघोपुर से ही विधायक चुने गए थे। लगातार दो बार तेजस्वी इस सीट से जीतते आए हैं।

27 साल पुराने केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी पति को राहत

'खाना न बनाने को लेकर ताने देना क्रूरता नहीं'

एजेंसी ▸▸ मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में 27 साल पुराने केस में पति को बड़ी राहत दी है। अदालत ने शख्स को बरी करते हुए कहा कि किसी महिला के रंग रूप और खाना न बनाने को लेकर तंज कसना इस हद तक क्रूरता नहीं मानी जा सकती कि उस पर प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा लगाई जाए। जस्टिस श्रीराम मोडक की पीठ ने कहा कि पति की ओर से अपनी पत्नी को उसके गहरे रंग को लेकर और ससुर की ओर से उसके खाना पकाने के तरीके को लेकर ताने देना भले ही प्रताड़ना हो सकता है लेकिन यह इतना गंभीर नहीं कि उसे आपराधिक दायरे में लाया जा सके।

गायब हो गई थी पत्नी

महाराष्ट्र के सतारा जिले के एक गांव में शादी के पांच साल बाद सदाशिव की पत्नी प्रेमा अपनी ससुराल से जनवरी 1998 में गायब हो गई थी। बाद में उसका शव कुएं से बरामद हुआ था। प्रेमा के घरवालों की शिकायत पुलिस ने पति सदाशिव और उसके पिता पर केस दर्ज किया था। ट्रायल कोर्ट ने सदाशिव के पिता को छोड़ दिया, लेकिन क्रूरता के आरोप में एक साल और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच साल की सजा दी। उस वक्त सदाशिव 23 साल का था और चरवाहे का काम करता था। उसने उसी साल सजा के खिलाफ अपील की थी।

कोर्ट ने क्या कहा

केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस एसएम मोडक की सिंगल जज बेंच पाया किया कि उत्पीड़न के आरोप पति द्वारा अपनी पत्नी के काले रंग का मजाक उड़ाने और फिर से शादी करने की धमकी देने तक सीमित थे। वहीं, ससुर पर आरोप था कि उसने बहू के खाना पकाने के कौशल की आलोचना की। कोर्ट ने कहाकि इन्हें वैवाहिक जीवन के झगड़े कहा जा सकता है। ये घरेलू झगड़े हैं। यह ऐसा भी नहीं था कि इससे आत्महत्या को उकसावा मिले।

कोर्ट ने कहा- कोई सीधा संबंध नहीं

कोर्ट ने कहा, 'अभियोजन पक्ष कथित उत्पीड़न और आत्महत्या के बीच सीधा संबंध स्थापित करने में विफल रहा। अदालत ने कहा, 'उत्पीड़न हुआ था, लेकिन यह उस तरह का उत्पीड़न नहीं था जिसके आधार पर आपराधिक कानून लागू किया जा सके। अदालत ने आगे कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत दोषसिद्धि के लिए उकसाने और आत्महत्या दोनों को स्वतंत्र रूप से साबित किया जाना चाहिए।

टीवी मसाला

इन बच्चों ने सिर्फ डांस नहीं जिंदगी से लड़ना भी सीखा

मुंबई। सुपर डांसर 5 एक ऐसा मंच है जहां देश के टैलेंटेड बच्चे अपना हुनर दिखा रहे हैं। इस बार कुछ ऐसे कंटेस्टेंट्स भी इस डांस शो में शामिल हुए हैं जो सोशल मीडिया पर पहले से पॉपुलर हैं। अब वे सुपर डांसर 5 के मंच पर अपना टैलेंट दिखाकर खिताब जीतना चाहते हैं। सिर्फ 13 साल की उम्र में आध्याश्री सोशल मीडिया पर लाखों लोगों की तारीफ हासिल कर चुकी हैं आध्याश्री ने बताया, 'डांस मेरे अंदर अपने आप आ गया था। एक दिन गणपति फेस्टिवल के कॉम्पिटिशन में स्टेज पर चढ़ गई और बिना बताए डांस करना शुरू कर दिया। यहां तक कि मम्मा को भी नहीं पता था।' मुंबई तक का सफर आध्याश्री के लिए आसान नहीं था। वह कहती हैं, 'मम्मी गांव में रहती हैं, शहर की चीजें उन्हें नहीं पता थीं। सब मैंने सिखाया, कहां जाना है? क्या करना है? मम्मी ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, वो मम्मी भी हैं और पापा भी।' सोशल मीडिया पर आध्याश्री की रील्स लाखों बार देखी जाती हैं, इस डांस के पीछे की मेहनत पूरी तरह उनकी है। 10 साल के सोमांश, शांत स्वभाव के लेकिन अंदर से बहुत मजबूत हैं। उनके लिए ये 'सुपर डांसर 5' सिर्फ एक शो नहीं, अपनी मां का सपना पूरा करने का जरिया है। 'जब मैं छोटा था, मम्मी के साथ टीवी पर सुपर डांसर देखा करता था। मम्मी कहती थीं, 'काश मेरा बेटा भी एक दिन ऐसे डांस करे। आज जब मैं इस मंच पर खड़ा हूं, तो लगता है कि उनका सपना पूरा कर रहा हूं।' सोमांश ने बताया कि मम्मी ने उसके लिए सब कुछ झेला, हर मुश्किल खुद पर ली, जिससे बेटे का सपना जिंदा रहे। वह कहते हैं, मैं प्राउड से कह सकता हूं कि मेरी लाइफ में कोई तकलीफ नहीं आई, क्योंकि मम्मी ने सबकुछ पहले ही संभाल लिया था।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' मचाएगा तूफान

नई दिल्ली। क्योंकि सास भी कभी बहू 29 जुलाई से शुरू हो रहा है। रात 10.30 बजे इसका पहला एपिसोड आएगा।. जहां एक बार फिर दर्शक अपनी चेहती तुलसी उर्फ स्मृति ईरानी को देख सकेंगे। हाल में ही खबरें आई थीं कि जेनिफर विंगेट का भी कैमियो देखने को मिलेगा। स्मृति ईरानी ने खुद कभी सास भी कभी बहू का प्रोमो शेयर किया हुआ है। जहां वह लाल साड़ी में बिल्कुल पुराने अंदाज में दिख रही हैं। वह घर की बहू के रूप बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। इस प्रोमो को देखते ही सबसे पहला कमेंट तो एक फैन का यही है कि आ गई तुलसी अनुपमा का पत्ता काटने. एक ने लिखा, एक बार फिर से इसे देखने में मजा आने वाला है। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसा लग रहा है कि जैसे 2000 के वक्त में वापस पहुंच गए हैं। हर चीज में एक पुरानी यादों की खुशबू और सुकून भरी फीलिंग है। जैसे बचपन की गलियों में फिर से लौट आए हों।' दूसरे ने लिखा तारक मेहता का उल्टा चश्मा का मुकाबला तुलसी से होने वाला है। जहां टीआरपी की दौड़ में जबरदस्त रेस देखने को मिलेगी।

सोशल मीडिया को बनाना होगा जिम्मेदार : वाणी

मुंबई। वेब सीरीज मंडला मर्डर्स से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। एक बातचीत में उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया।

साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की। आजकल सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मुझे लगता है कि वहां कुछ नियम होने चाहिए। क्योंकि जो ट्रोलिंग और हेटफुल बातें कही जाती हैं, वो सिर्फ एक्टर्स को नहीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों और आम लोगों को भी बहुत परेशान करती हैं। हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और साथ ही ये भी देखना चाहिए कि कुछ सख्त कानून बनें, ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं। आगे चलकर हमें सोशल मीडिया को एक जिम्मेदार और सुरक्षित जगह बनाना होगा। हां, कई बार ऐसा होता है। जब आप किसी गहरे रिश्ते में होते हैं, चाहे वो दोस्ती हो या कुछ भी। अगर वो रिश्ता किसी कारणवश टूट जाए, तो सवाल तो मन में उठते हैं। क्या मेरी गलती थी, क्या सामने वाला बदल गया, या हालात ऐसे हो गए थे? हर बार क्लोजर नहीं मिलता। कभी आप वजह जान लेते हैं और कभी बस स्वीकार करना होता है कि अब ये रिश्ता यहीं तक था। मैंने सीखा है कि उस अधूरेपन को अपनाना और आगे बढ़ना ही सबसे बेहतर तरीका होता है। मैं चीजों को गहराई से महसूस करती हूं, इसीलिए बहुत सोचती हूं और अपने आसपास बहुत कम लोगों को आने देती हूं।

सैयारा से पहले इन फिल्मों ने तोड़ दिए थे दिल

मुंबई। अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है। इस फिल्म में प्यार, यादगार किरदारों, तड़प और दिल टूटने की कहानी को बखूबी पेश किया गया है जिसने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। अगर, आपको मोहित सूरी की सैयारा पसंद आई है तो यकीनन ये फिल्में भी पसंद आएंगी।

आशिकी 2: *आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर यह फिल्म एक दुखद प्रेम कहानी है। इसमें राहुल नाम का एक सितारा है जो अपनी चमक खो रहा है। लेकिन वह आरोही नाम की उभरती हुई स्टार को उसके सपनों को पूरा करने में मदद करता है, जबकि खुद अपने अंदर के संघर्षों से जूझ रहा है।*

हमारी अधूरी कहानी: *यह फिल्म एक दुखद प्रेम कहानी है जो वसुंधा के बारे में है, एक महिला जो एक दर्दनाक शादी में फंसी हुई है। वह आरव के साथ सच्चा प्यार पाती है, लेकिन किस्मत और कर्तव्य उन्हें अलग कर देते हैं। इसमें इमरान हाशमी और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में हैं।*

रॉकस्टार: *रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म 'रॉकस्टार' जनार्दन झाखड़ की कहानी है। जनार्दन एक भोला कॉलेज का लड़का है जो प्यार में पड़ने और अपनी सच्ची समझने वाली हीर को खोने के बाद एक परेशान रॉकस्टार में बदल जाता है।*

सनम तेरी कसम: *यह फिल्म एक शर्मीली और पारंपरिक लड़की सरस्वती और एक गलत समझे गए विद्रोही की दिल तोड़ने वाली प्रेम कहानी को दर्शाती है। उनकी गहरी जुड़ाव बहुत देर से खिलता है, जो एक विनाशकारी त्रासदी में समाप्त होता है।*

गजनी: *आमिर खान की फिल्म एक सफल बिजनेसमैन की कहानी है जो शॉर्ट-टर्म मेमोरी लॉस से पीड़ित है और अपनी प्रिय कल्पना (असिन) की हत्या का बदला लेने के लिए सुरागों को फोटो और टैटू के माध्यम से जोड़ता है। ये लव स्टोरी देख आप अपने आंसुओं को बहने से नहीं रोक पाएंगे.*

फना: *आमिर खान और काजोल की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फिल्म एक गहन प्रेम कहानी को दर्शाती है। इसमें जूनी, जो एक दृष्टिहीन टूर गाइड है, और रेहान, जो एक आकर्षक व्यक्ति है लेकिन उसका अतीत छुपा हुआ है, के बीच की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। उनकी रोमांस की कहानी तब दुखद मोड़ लेती है जब रहस्य सामने आते हैं।*

रांझणा: *यह फिल्म एक जुनूनी और समर्पित युवा की कहानी बताती है जो जोया से गहरा प्यार करता है। उनकी प्रेम कहानी को किस्मत, राजनीति और दिल टूटने की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।*

तेरे नाम: *सलमान खान और भूमिका चावला अभिनीत, तेरे नाम एक परेशान और जुनूनी युवक की कहानी है जिसकी निरजरा के प्रति गहरी प्रेम भावना दुखद मोड़ लेती है, जिससे दिल टूटने और निराशा का सामना करना पड़ता है।*

अच्छी अदाकारी करने के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से भी नवाजा गया

चश्मे बद्दूर से किया डेब्यू, अधूरी रही रवि के निर्देशक बनने की ख्वाहिश

नई दिल्ली। अभिनेता रवि बासवानी को फिल्म चश्मे बद्दूर और जाने भी दो यारो में बेहतरीन काम करने के लिए आज भी याद किया जाता है। फिल्म में अच्छी अदाकारी करने के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से भी नवाजा गया। वह बेहतरीन कॉमेडी के अलावा कैरेक्टर रोल के लिए भी जाने जाते हैं।

शुरुआती जीवन और पढ़ाई

रवि बासवानी का जन्म 29 सितंबर 1946 को एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी से पूरी की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से स्नातक की उपाधि हासिल की। यहां वह केएमसी नाट्य समाज के सदस्य थे।

हास्य के अलावा सीरियस रोल भी किए

30 साल के करियर में रवि बासवानी ने लगभग 30 फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत साल 1981 में रिलीज हुई फिल्म चश्मे बद्दूर से की। उन्होंने फिल्मों में एक हास्य अभिनेता के अलावा सीरियस रोल भी किए हैं। बासवानी ने बंटी और बबली और प्यार तूने क्या किया जैसी फिल्मों में चरित्र भूमिकाएं कीं।

इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार

जाने भी दो यारों : फिल्म 'जाने भी दो यारों' साल 1983 में रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने सुधीर नाम का किरदार निभाया। यह किरदार एक पत्रकार का था। इस किरदार को निभाने के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। फिल्म में उनका यह किरदार इतना अच्छा था कि इसके लिए उन्हें 1984 में सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया।

चश्मे बद्दूर : साल 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'चश्में बद्दूर' में रवि बासवानी ने लखन पाल का किरदार निभाया। यह किरदार एक छात्र का था। यह उनकी पहली फिल्म थी। इस फिल्म में अभिनय के लिए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म में फारूक शेख और दीप्ति नवल अहम किरदार में थे।

कभी हां कभी ना : साल 1994 में उनकी फिल्म 'कभी हां कभी ना' रिलीज हुई। इसमें उन्होंने अल्बर्ट गोंजास्विस का किरदार निभाया। इसके लिए भी उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म में शाहरुख खान और सुचित्रा कृष्णमूर्ति अहम किरदार में थे।

छोटा चेतन *: इसके बाद साल 1998 में फिल्म 'छोटा चेतन' रिलीज हुई। इसमें उन्होंने राजा का किरदार निभाया। यह मलयालम भाषा की फिल्म थी। इसमें उनके किरदार को पसंद किया गया।*

चल मेरे भाई *: साल 2000 में आई फिल्म 'चल मेरे भाई' में रवि बासवानी ने एक वेटर का किरदार निभाया। उनके इस रोल की भी काफी सराहना हुई।*

टीवी में भी किया काम *: एक टेलीविजन अभिनेता के रूप में, रवि बासवानी ने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया। उन्होंने 1980 के दशक में दूरदर्शन पर लोकप्रिय कॉमेडी धारावाहिक इधर उधर में काम किया। इस धारावाहिक में उन्होंने पाठक बहनों, सुप्रिया पाठक और रत्ना पाठक के साथ अभिनय किया था। इसके बाद वह एक से बढ़कर एक और जस्ट मोहब्बत (1997)'में नजर आए।*

नसीरुद्दीन शाह के साथ संभाला पद

साल 2004 में जब भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान पुणे ने 26 वर्षों के बाद अपने अभिनय पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव किए तो रवि बासवानी नसीरुद्दीन शाह के साथ इसके समन्वयक और शिक्षक बने। संस्थान के पाठ्यक्रम को नया रूप देने में इन्होंने भी अहम रोल निभाया। हालांकि, बसवानी ने अगले वर्ष संस्थान से इस्तीफा दे दिया।

पहली फिल्म का निर्देशन से पहले निधन

रवि बासवानी ने कभी शादी नहीं की। वह जिंदगी भर अकेले ही रहे। 27 जुलाई 2010 को नैनीताल में दिल का दौरा पड़ने से बासवानी का निधन हो गया। वह अपनी पहली फिल्म निर्देशित करना चाहते थे। इसके लिए फिल्म की लोकेशन ढूंढ रहे थे। ऐसे में नैनीताल से दिल्ली जाते समय हल्द्वानी में उनका निधन हो गया। यह काफी दुखद रहा कि वह अपनी फिल्म का निर्देशन करने से पहले ही इस दुनिया को अलविदा कह गए।

चिंतन

इजरायल का फैसला मानवता के हित में

आखिरकार संयुक्त राष्ट्र के दबाव में इजरायल ने गाजा पट्टी के तीन घनी आबादी वाले वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने का ऐलान किया है। मानवीय सहायता की दिशा में यह अहम कदम है। इजरायल ने यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं को देखते हुए उठाया है। भारत, यूएन, अमेरिका, चीन आदि देश इजरायल से शांति की अपील लगातार कर रहे हैं। लेकिन इजरायल का प्रण वैश्विक आतंकी गुट हमास के खात्मे तक सैन्य एक्शन जारी रखने का है। पिछले 21 महीने से इजरायल की सेना गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ जंग लड़ रही है। इस दौरान गाजा के हालात बद से बदतर होते गए हैं। हमास के आतंकी कुकृत्य के अंजाम गाजापट्टी के निर्दोष नागरिक व बच्चे भुगत रहे हैं। इजरायल की एक ही मांग है कि यदि हमास आत्मसमर्पण कर दे और क्षेत्र को छोड़ दे, तो वह युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है। हमास ने हजरायल के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साफ है कि जंग रुकने के आसार निकट भविष्य में नहीं हैं। ऐसे में गाजापट्टी में आमलोगों के हालात खराब ही होते जा रहे हैं। जंग जारी रखने के चलते इजरायल को अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा है, हालांकि इजरायली सेना का तर्क है कि वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ग्लोबल आतंकी गुट हमास ने इजरायल में 7 अक्टूबर 2023 को पिकनिक मना रहे निहत्थे व बेकसूर लोगों पर हमला कर दिया था, जिसमें करीब 1200 लोग शिकार हुए थे। उसके बाद से इजरायल व हमास के बीच लड़ाई जारी है, जिसमें करीब 15 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजराइल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजरायल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। अब इजरायल की सेना के मुताबिक, वह गाजा में सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगीजिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है। गाजा युद्ध से उत्पन्न मानवीय त्रासदी को झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के इजरायली कदमों का स्वागत किया है, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इजराइल ने स्पष्ट किया है कि वह इन तीन क्षेत्रों को छोड़कर अन्य इलाकों में हमास के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 9 लाख बच्चे भूखे हैं और 70 हजार से ज्यादा बच्चे पहले से ही कुपोषण के लक्षण दिखा रहे हैं। गाजा में 127 लोग भुखमरी और कुपोषण के कारण मर चुके हैं। बहुत से बच्चे भूख से बिलख रहे हैं, महिलाएं अपनी आंखों के सामने बच्चे को मरते देखने के लिए मजबूर हैं, तो आतंकी गुट हमास के आकाओं से पूछा जाना चाहिए कि गाजा के लोगों को इस हालात में किसलिए और क्यों पहुंचाया? इजरायल के बेकसूरों को मौत के घाट क्यों उतारा? क्या सांस्कृतिक विचारधारा और कट्टर धार्मिकता का युद्ध आम आदमी की हत्या कर लड़ा जाएगा? इजरायल की लड़ाई हमास से है, इसलिए उसे गाजा के आम नागरिकों को जरा भी क्षति नहीं पहुंचानी चाहिए। हमास, हिज्बुल्ला, अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, अल शबाब, हूती, लश्कर, जैश, टीटीपी, तालिबान जैसे आतंकी गुटों को कट्टरता, रसद, धन और हथियार देने वाले मानवता के इनसे बड़े दुश्मन हैं। भारत गाजा में शांति का पक्षधर है।

युद्ध

राजेश जैन

थाईलैंड-कंबोडिया का संघर्ष खत्म हो

कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है, प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

दक्षिण-पूर्व एशिया एक बार फिर अशांत है। कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है, प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। वैसे भी 817 किलोमीटर लंबी थाई-कंबोडिया सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल के नक्शों में हैं। 1907 में बने नक्शों को थाईलैंड अब भी विवादित मानता है। कंबोडिया का कहना है कि प्रीह विहेयर और ता मुएन थोम जैसे ऐतिहासिक मंदिर उसके क्षेत्र में आते हैं, वहीं थाईलैंड इन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत मानता है। 2008 से 2011 के बीच इसी विवाद पर हुई झड़पों में 34 लोगों की मौत हो गई थी। 2025 की चिंगारी तब भड़की जब एक कंबोडियाई सैनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 जुलाई को हालात और बिगड़ गए जब ता मुएन थोम मंदिर के पास भारी गोलीबारी और हवाई हमले हुए। अब, जब व्यक्तिगत कटुता, राजनीतिक अस्थिरता और ऐतिहासिक विवाद आपस में गुत्थमगुत्था हो चुके हैं, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक और गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

यह सैन्य लड़ाई दो राजवंशों के बीच की अदावत का विस्तार भी है। यह सीमा विवाद से लेकर दो राजवंशों के बीच की रंजिश की लड़ाई है। जुलाई की पहली तारीख को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन को टेलीफोन किया था। इस दौरान तत्करलीन प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न ने कंबोडियाई नेता को 'अंकल' कहकर संबोधित किया था। उस टेलीफोन कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग को हुन सेन ने फेसबुक पर पोस्ट कर दिया, जिसमें पैतोंगतार्न उन्हें अंकल कहकर संबोधित कर रहीं थी और उनके बातचीत के अंदाज से ऐसा लग रहा था कि वो बातचीत को भावनात्मक बनाकर विवाद सुलझाना चाहती थीं। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड सेना को भी नजरअंदाज किया, लेकिन ऑडियो फेसबुक पर आते ही बवाल मच गया। प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न को इस्तीफा देना पड़ा और उनके पिता थाकसिन शिनवात्रा ने सार्वजनिक तौर पर कंबोडियाई नेता हुन सेन से संबंध तोड़ने का ऐलान कर दिया। थाकसिन और हुन सेन, अपने-अपने देश के दिग्गज नेता रहे हैं और उनके बच्चे भी एक ही साल के अंतराल में देश की सत्ता में पहुंच गये। एक वक्त था जब थाईलैंड के थाकसिन और कंबोडिया के हुन सेन की दोस्ती काफी मशहूर थी। माना जाता था कि दोनों देशों के बीच विवाद के बावजूद दोनों की दोस्ती की वजह से लड़ाई नहीं होगी और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनी रहेगी।लेकिन ऑडियो लीक होने के बाद सबकुछ बदल गया। दोनों नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे के खिलाफ जहर उगले। थाकसिन ने कहा कि वो थाईलैंड सेना को हुन सेन को सबक सिखाने का मौका देना चाहते हैं। जिसपर हुन सेन ने उनके बयान को 'युद्ध की आग भड़काने' वाला बताया। हुन सेन, थाईलैंड की राजनीति में चल रही अस्थिरता का लाभ उठाकर अपने बेटे और वर्तमान

प्रधानमंत्री हुन मानेट की राष्ट्रवादी छवि को मजबूत करना चाहते हैं। वहीं थाकसिन के खिलाफ राजद्रोह का मामला चल रहा है, जिसने उनकी राजनीतिक पकड़ को कमजोर कर दिया है। उनका 2023 में स्वदेश लौटना और मिलिटरी-रॉयल गठजोड़ से समझौता करना भी उनके पारंपरिक समर्थकों में नाराजगी की वजह बना है।थाईलैंड के पूर्व विदेश मंत्री कासित पिरोम्या ने न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा कि दोनों परिवारों की आकांक्षाएं और धन-संपत्ति का सपना साकार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हुन सेन शायद इसे थाकसिन की नाकामी मानते थे। हुन सेन अपने देश पर पूर्ण नियंत्रण रखते थे और वे अपने वादे को पूरा कर सकते थे, लेकिन थाकसिन पिछले 20 वर्षों से थाई समाज पर अपनी चमक और नियंत्रण खोते जा रहे हैं। इसके अलावा थाकसिन ने हाल ही में कंबोडिया की सीमा से सटे इलाकों में कैसीनो और ऑनलाइन स्कैम हब्स के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी और खुद एक ऐसे इंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स की योजना की बात की, जो कंबोडियाई कैसीनो उद्योग को चुनौती दे सकता था। यह कदम हुन सेन के लिए सीधा आर्थिक और रणनीतिक खतरा बन गया, जिससे तनाव और गहरा गया। फिलहाल थाईलैंड ने सीमाएं सील कर दी हैं और कंबोडिया ने भी थाईलैंड से आने वाले आयात जैसे फल, सब्जियां, गैस और फिल्मों पर रोक लगा दी है। कंबोडिया पहले से ही चीन के प्रभाव में है। पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन और वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट दोनों को चीन का भरोसेमंद साथी माना जाता है।

यही वजह है कि चीन इस पूरे घटनाक्रम में शांत तो है, पर उसकी मौजूदगी हर स्तर पर महसूस की जा सकती है। दक्षिण कंबोडिया में चीन द्वारा विकसित किया गया रीम नौसैनिक अड्डा अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। माना जाता है कि ऐसे ठिकाने दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक चीन की सामरिक पहुंच बढ़ा सकते हैं। थाईलैंड लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है और कोबरा गोल्ड जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में अमेरिका के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। लेकिन बीते वर्षों में चीन से उसके आर्थिक और सैन्य रिश्ते भी गहरे हुए हैं। अगर चीन इस टकराव में मध्यस्थ बनता है, तो वह अमेरिका के प्रभाव को तो काफी हद तक कम कर ही सकता है, साथ ही दोनों देशों के साथ व्यापार और निवेश को भी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा सकता है। भारत के लिए यह संघर्ष कई वजहों से चिंता का कारण है। थाईलैंड 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मुख्य प्रवेश द्वार है, जबकि कंबोडिया 'मेकोंग-गंगा सहयोग' में एक अहम साझेदार। भारत ने दोनों देशों में डिजिटल कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक परियोजनाओं और रणनीतिक संवादों पर काम किया है। लेकिन अगर दोनों देशों के बीच यह तनाव लंबा चलता है, तो भारत की कूटनीतिक स्थिति अस्थिर हो सकती है। भारत को संतुलन साधना होगा और दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होगी। भारत को चाहिए कि वह आसियान के साथ संवाद और सहयोग को और मजबूत करे। क्षेत्रीय मंचों का उपयोग करके सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था पर संवाद बढ़ाना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आपात बैठक की मांग की है और मामला फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार को नकारते हुए सिर्फ द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। इसके लिए उसने पहले युद्धविराम की शर्त रखी है। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

शिक्षा प्रणाली

सुनील कुमार महला

भारत के लिए फिनलैंड जैसा शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी

हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई, यह बहुत ही दुखद और हृदयविदारक घटना है। वास्तव में झालावाड़ में हुई यह घटना हमारे देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली के साथ ही हमारे एजुकेशनल सिस्टम पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। सच तो यह है कि इस हादसे के बाद स्कूल और प्रशासन की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हादसे के बाद जब बच्चों की मौत हो गई तब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर कह रहे हैं कि 2000 स्कूलों को ठीक किया जा रहा है और हादसे के दोषी वे खुद हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या मात्र स्वयं को दोषी ठहराने से इस हृदयविदारक हादसे की भरपाई संभव हो सकती है ? ऐसा भी नहीं है कि जर्जर व खराब हालात वाले स्कूल भवनों के बारे में किसी को जानकारी या सूचनाएं नहीं होती हैं, लेकिन दुखद यह है कि जानकारी होने के बावजूद समय रहते एक्शन नहीं लिया जाता और हादसे हो जाते हैं। आज राजस्थान ही नहीं हमारे देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां स्कूल बिल्डिंग्स को लेकर डर का साया है और बहुत से स्कूल आज भी मरम्मत, रख-रखाव के इंतजार में हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की इमारतें जर्जर हैं, शिक्षकों की कमी है और स्वच्छ पेयजल, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे देश की नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्कूलों के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें सभी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही गई है। आज नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है। इस संदर्भ में हमें फीनलैंड से प्रेरणा लेने की जरूरत है। बता दें कि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ स्कूली शिक्षा प्रणाली फिनलैंड की मानी जाती है। दरअसल, फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली में बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) आधुनिक, सुसज्जित और छात्रों की जरूरतों के अनुसार बनाया गया है। इसमें आधुनिक क्लासरूम, खेल के मैदान, पुस्तकालय, और तकनीकी उपकरण जैसे कि कंप्यूटर, टैबलेट आदि, आधुनिक लैब, विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए सुविधाएं आदि शामिल हैं। फिनलैंड में शिक्षा प्रणाली में बुनियादी ढांचे के लिए सरकार और स्थानीय प्राधिकरण दोनों मिलकर काम करते हैं, और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए लगातार निवेश करते हैं। कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि फीनलैंड में यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी स्कूलों में छात्रों को सीखने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध हो। कहना ग़लत नहीं होगा कि जब स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होता है तो छात्र सक्रिय, रचनात्मक और आत्मविश्वास से सीखने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। बहरहाल, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फिनलैंड के अलावा, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, और कनाडा जैसे देशों की शिक्षा प्रणालियों को भी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि दुनिया बदलने के लिए शिक्षा ही सबसे ताकतवर हथियार है और अच्छी शिक्षा प्रणाली वाले देश अपने छात्रों को उस जरूरी ज्ञान और कौशल से लैस करते हैं, जिनके जरिए वे ना सिर्फ समाज में योगदान दे पाएं, बल्कि आर्थिक तरक्की भी कर पाएं। बहरहाल, भारत एक विकासशील देश है और हम अपने देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने का सपना देख रहे हैं। यह तभी संभव है जब हमारे यहां अपनी शिक्षा प्रणाली को और बेहतर बनाने की ओर कदम उठायेंगे। इसके लिए हमें जमीनी स्तर पर उतर कर पूरी ईमानदारी, इच्छाशक्ति व संकल्प के साथ काम करना होगा। आज जरूरत इस बात की है कि हम हमारे देश के स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपना ध्यान केंद्रित करें। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सभी स्कूलों की इमारतों की नियमित व पारदर्शी जांच हो और इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति गठित हो जो स्कूल भवनों के स्ट्रक्चर और सिक्योरटी का समय-समय पर आकलन करती रहे। वैसे भी हाल फिलहाल पूरे देश में मानसून का समय चल रहा है, ऐसे समय में हमारे अधिकारियों और प्रशासन को यह चाहिए कि वे देश के तमाम स्कूली और जर्जर सरकारी इमारतों का हाल जानें कि वे किस हालात में हैं और यदि वे ठीक नहीं हैं तो उनके रख-रखाव के लिए कार्रवाई को समय रहते जवाबदेही के साथ अंजाम दिया जाना चाहिए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए और अगर कोई स्कूल असुरक्षित स्थिति में पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अच्छा काम करने आलस छोड़कर तुरंत करें

संकलित

दर्शन

शिव का अर्थ है- भोलापन। दुनिया में भोलापन उदय हो जाए, इसका उपाय है- 'शिव सूत्र'। शिव सूत्र छोटे-छोटे सुंदर सूत्र हैं। जीवन के लिए एक सूत्र ही काफी है। आपका जीवन इन सूत्रों के आनंदमय प्रकाश से भर जाएगा। जीवन में भोलापन उदय हो जाएगा। हमारा शरीर और मन दोनों अलग-अलग नियमों पर चलते हैं; जैसे- आप जितना व्यायाम करेंगे, शरीर उतना हष्ट-पुष्ट होने लगता है, लेकिन मन के लिए एक अलग ही ढंग है। आप जितना विश्राम करेंगे, मन उतना ही तेज होने लगेगा। सबने सुना है, सब भगवान की इच्छा से होता है। 'तेन विना तृणमपि न चलति' उसकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। तो जो भी होता है, सब भगवान ही करते हैं। जब हमें अपना पुरुषार्थ या उद्यम नहीं करना होता है, तो हम कह देते हैं कि जैसी भगवान की इच्छा। जब हमारा संकल्प मजबूत नहीं होता है, तब कह देते हैं कि भगवान की इच्छा। लेकिन, ये बात और जगहों पर लागू नहीं होती है। जब भगवान भोजन कराएंगे, तब करेंगे। जब भगवान सिनेमा दिखाएंगे, तब देखेंगे। हम अपनी इच्छा और प्रभु की इच्छा को अलग-अलग मानते हैं। ऐसे लोगों को 'अनुकूल सिंधु' कहते हैं। जो अपने अनुकूल हुआ, वह मैंने किया है और जो प्रतिकूल हुआ, वह भगवान ने किया। कहीं जीत हो जाए तो मैंने जीता और कहीं हार गए तो भगवान की इच्छा। हम यह नहीं कहते हैं कि हमने अपनी पूरी शक्ति नहीं लगाई थी, इसलिए हम हार गए।

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

संकलित

प्रेरणा

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुट्ठी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुट्ठी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।

गणेश चतुर्थी उत्सव की तैयारी

महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को गणेश चतुर्थी उत्सव से पहले एक कार्यशाला में भगवान गणेश की मूर्ति की जाँच करता एक कलाकार।

आज की पाती

बेईमानी का धन

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसका विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे। *- प्रखर जैन, राजनांदगांव*

ट्रेंड

पुण्यतिथि पर नमन

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, भारत रत्न, 'मिसाइल मैन' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। भारत को परमाणु सम्पन्न बनाने में उनका अतुलनीय योगदान अविस्मरणीय है।

-जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

जनहानि अत्यंत दुखद

हरिद्वार स्थित श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मां मनसा देवी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। ॐ शांति।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

हार्दिक बधाई

पेरिस, फ्रांस में आयोजित 55वें अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड 2025 में इंदौर के रिद्धेश बेंडाले एवं जबलपुर के स्नेहिल झा को स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई। दोनों की यह सफलता मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करने वाली है।

- डा. मोहन यादव, सीएम, मप्र

हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे

दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले सैकड़ों ग़रीब परिवार के छोटे-छोटे घरों को भाजपा सरकार ने बेरहमी से उजाड़ दिया। हम इन उजाड़े गए परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं और हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

करंट अफेयर

सिंगापुर में तेलुगु पढ़ाए जाने का सीएम नायडू का आव्हान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाए जाने का आह्वान किया। नायडू ने यहां प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। वह आंध्र प्रदेश को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सिंगापुर में हैं। मुख्यमंत्री ने दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के तेलुगु मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सीएक्सओ (मुख्य अनुभव अधिकारी) क्लब का भी उद्घाटन किया। एक सामुदायिक नेता के अनुसार, सिंगापुर में तेलुगु मूल के लगभग 40,000 लोग हैं। नायडू यहां 'वन वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल डिजिटल कैंपस' में लगभग 2,000 प्रवासी सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। सिंगापुर में तमिल चार आधिकारिक भाषाओं में से एक है (तीन अन्य-मलय, अंग्रेजी और मंदारिन हैं)। इसके अलावा, हिंदी और पंजाबी भी सिंगापुर के स्कूलों में मातृभाषा के रूप में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं में शामिल हैं। भारतीय उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अपने भाषण में, मुख्यमंत्री नायडू ने सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु पढ़ाए जाने का आह्वान किया।

ऑफ बीट

क्या वजन से स्वास्थ्य का आकलन हो सकता है

हमें पढ़ाया गया है कि दुबलेपन का सेहत से और अधिक वजन का बीमारी से संबंध होता है। लेकिन विज्ञान एक ज़्यादा बारीक कहानी कहता है-जहां वजन एक कहीं ज़्यादा जटिल तस्वीर में सिर्फ एक आंकड़ा भर है। तो अगर अकेले वजन ही यह नहीं दर्शाता कि हम कितने स्वस्थ हैं, तो और क्या दर्शाता है? शरीर का वजन स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा मापे जाने वाले पैमानों में से एक है। समाज इस पर बहुत जोर देता है और किसी व्यक्ति के वजन की आलोचना को अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चिंता के रूप में देखा जाता है। तो वजन असल में कितनी सार्थक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है? सीधे शब्दों में कहें तो, व्यक्ति का वजन शरीर द्वारा ग्रहण की जा रही कैलोरी पर निर्भर करता है। समय के साथ वजन में बदलाव कैलोरी की खपत की ओर इशारा कर सकता है। अगर उनका वजन बढ़ रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी जला रहे हैं, उससे ज़्यादा सेवन कर रहे हैं। वहीं, अगर उनका वजन घट रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे ज़्यादा जला रहे हैं। शायद यह समझना ज़्यादा उपयोगी होगा कि वजन हमें स्वास्थ्य संबंधी कौन-सी जानकारी नहीं देता।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

पाकिस्तान की साजिश हुई बेनकाब

धर्मांतरण की आड़ में भारत में तैयार हो रही थी आईएसआई की लेडी ब्रिगेड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में धर्मांतरण फैलाने वाले नेटवर्क में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की साजिश बेनकाब हुई है। धर्मांतरण सिंडिकेट में भारत की पीड़ति लड़कियों को इस्लाम धर्म अपनाने की ऑनलाइन ट्रैनिंग दी जाती थी। आगरा धर्मांतरण मामले में बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। धर्मांतरण की आड़ में भारत में पाकिस्तान आईएसआई की लेडी ब्रिगेड तैयार कर रहा था। पूरे भारत में पाकिस्तान आईएसआई लेडी स्लीपर सेल तैयार करने की प्लानिंग रच रहा था। लड़कियों को गल्फ देशों में भेजने का भी प्लान था। टेरर एंगल पर जांच जारी है। यूपी एटीएस के अलावा सेंट्रल एजेंसिया टेरर एंगल पर काम कर रही है।

ऑनलाइन होती थी इस्लाम पढ़ाने की क्लास

कई लड़कियां इतनी ज्यादा रेडक्लियाइज हो चुकी हैं कि उन पर काउंसिलिंग का कोई असर नहीं हो रहा है। लड़कियों को रेडिक्लाइज करने का काम कश्मीर की लड़कियों के एक ग्रुप को सौंपा गया था।कन्वर्टेड लड़कियों को रिवर्टी कहा जाता था। इन्हें जूम लिंक भेजकर नमाज और इस्लाम के बारे में पढ़ने की क्लास होती थी। आरोपी सोशल मीडिया और गेमिंग एप के जरिए लड़कियों को निशाना बनाते थे।

एनजीओ से मिल रहा था पैसा व्हाट्सएप विंग भी

फिलीपींस में एक एनजीओ गो फंड मी को धर्मांतरण का पैसा भेजा जा रहा था। क्रिप्टो और डॉलर में फंडिंग के सबूत मिले हैं। कनाडा और इंग्लैंड से वाईट में चंदे की शक्ल में इस सिंडिकेट को भारत पैसा आ रहा था। दिल्ली में भी धर्मांतरण के सिंडिकेट की एक व्हाट्सएप विंग भी है। पीड़ति लड़कियों को इस सिंडिकेट के जरिए जेहाद के लिए भी उकसाया जा रहा था। पाकिस्तान के यूट्यूबर तनवीर अहमद और साहिल अदीब बेनकाब हुए हैं, जो ये दोनों धर्मांतरण सिंडिकेट में भारत की पीड़ति लड़कियों को इस्लाम धर्म अपनाने की ऑनलाइन ट्रैनिंग देता था।

सैयद दाऊद कर रहा था फंडिंग

ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करते हैं। इस सिंडीकेट को कनाडा में मौजूद सैयद दाऊद फंडिंग कर रहा था। सैयद दाऊद मध्य प्रदेश के गांधी नगर का रहने वाला है और कनाडा में इस्लामिक के सेंटर चलाता है। कश्मीर के एक मास्टरमाइंड हैरिस की तलाश जारी है। लड़कियों को गल्फ देशों में भेजने का भी प्लान था। टेरर एंगल पर जांच जारी है। यूपी एटीएस के अलावा सेंट्रल एजेंसिया टेरर एंगल पर काम कर रही है।जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान के तनवीर अहमद और साहिल अदीब इस सिंडिकेट के मास्टरमाइंड हो सकते हैं। दोनों सोशल मीडिया इन्फ्लूएनसर हैं।

जैकेट के शेष

सख्ती ऐसी कि ...

केंद्र में सिर्फ हल्के रंग के कपड़े ही मान्य हैं। इसके अलावा नियमतः मुख्य द्वार परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व ही बंद कर किए गए। परीक्षा सुबह 11 बजे से 1 बजे तक चली। मुख्य द्वार 10.30 बजे बंद कर दिए गए थे। कई सेंटर में विलंब से पहुंचे अभ्यर्थियों ने बवाल भी किया। आबकारी आरक्षक के लिए 2.70 लाख ने आवेदन किया था। इनमें से 80 प्रतिशत परीक्षा दिलाने पहुंचे। अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए प्रदेशभर में 880 केंद्र बनाए गए थे। प्रत्येक केंद्र में 1-2 परीक्षार्थी ऐसे रहे, जो तय वक्त पर नहीं पहुंचे सकें। अनुमान के मुताबिक, प्रदेशभर में हजार के लगभग अभ्यर्थी विलंब से पहुंचने के कारण परीक्षा नहीं दिला पाए।

बढ़ाया गया था समय : सैकड़ों की संख्या में छात्रों के तय समय से विलंब से पहुंचने पर व्यापम का कहना है कि सुरक्षा कड़ी किए जाने के कारण जांच में अधिक वक्त लगता है। इस कारण प्रवेशपत्र में ही इसे लेकर दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए थे। छात्रों को दिक्कत ना हो इसलिए 10 बजे होने वाली परीक्षा का समय बढ़ाकर 11 बजे कर दिया गया है। परीक्षार्थियों को चीजों को लेकर सचेत रहना चाहिए।

केस-1 : हल्के रंग के कपड़े पहनने की अनुमति है। इन परीक्षार्थियों ने अपेक्षाकृत गहरे रंग के कपड़े पहने थे। ऐसे में इन्हें अंदर जाने से रोका गया। कोई अन्य विकल्प ना मिलने पर तीनों अभ्यर्थियों ने अपनी शर्ट ही उतार दी। बातचीत में अभ्यर्थियों ने कहा कि वे कई महीनों से इस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में सिर्फ कपड़े के कारण परीक्षा नहीं छोड़ सकते थे।

केस-2 : दर्ज की, लेकिन कपड़ों के रंग, डिजाइन और मामूली नियमों का बहाना बनाकर उन्हें परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया।

केस-3 : अधिकारियों का कहना है कि तय समय पर ही मुख्य द्वार बंद किए गए हैं। इस तरह की स्थिति लगभग पूरे प्रदेश में निर्मित हुई।

अफवाह का करंट, मनसा ....

बताया कि करीब 35 श्रद्धालुओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से छह श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो गई है। डोभाल ने बताया कि अन्य लोगों का उपचार किया जा रहा है जिनमें से कुछ की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली के करंट की अफवाह फैल गई और प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि संभवतः इसी वजह से भगदड़ हुई। हालांकि, उन्होंने घटना की विस्तृत जांच की बात कही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए श्रद्धालु उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा तथा दिल्ली के निवासी हैं। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि घटनास्थल बिजली के कई तार टूटे मिले हैं जिससे प्रतीत होता है कि भीड़ की वजह से खुद लोगों ने तार पकड़ कर ऊपर चढ़ने की कोशिश की होगी।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने जताया शोक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु होने का समाचार बहुत पीड़ादायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर जाने के मार्ग पर भगदड़ मचने के कारण लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

ढहाने के पूर्व तीन ....

था। ऑफिस ढहाने के पूर्व तोमर भाइयों को 15 दिन पूर्व क्रमशः 9, 19 तथा 26 जुलाई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। तीनों नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर कार्यालय ढहाने की कार्रवाई की गई।

सुशासन है तो चक्र सुदर्शन भी है : विजय शर्मा : तोमर भाइयों के कार्यालय पर बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में गृहमंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, विष्णुदेव साय सरकार में 'सुशासन है तो चक्र सुदर्शन भी है' किसी मंत्री-मुख्यमंत्रीजी के साथ फोटो खिंचवाने से कोई कानून से बड़ा नहीं हो जाता। अपराधी तोमर ने अनेक लोगों को पीड़ा पहुंचाई है।

पांच हजार ....

मामले में दो माह से फरार चल रहे हैं। दोनों भाइयों का पता बताने वाले के लिए एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने पांच हजार रुपए ईनाम की घोषणा की है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके छिपने के सभी संभावित ठिकानों पर छापे की कार्रवाई भी कर चुकी है। बावजूद इसके दोनों भाई अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

पहलगाम हमले-ऑपरेशन....

पर अपनी सरकार के 'मजबूत' रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह लगभग व्यर्थ चला गया था।

राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर तमिलनाडु के अरियालुर पहुंचे प्रधानमंत्री

'हम एकता के सदियों पुराने बंधनों को कर रहे मजबूत : मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय तमिलानाडु की यात्रा पर हैं। राज्य में चोल साम्राज्य के महान शासक राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम तमिलनाडु के अरियालुर जिले में आयोजित किया गया था। इस दौरान पीएम मोदी ने गंगैकोंडा चोलपुरम मंदिर का दौरा किया, यहां पर उन्होंने पूजा अर्चना भी की। इसके एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक मंदिर में, मैंने देश भर के 140 करोड़ लोगों की भलाई और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारी सरकार चोल युग के उसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रही है। काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसी पहलों के माध्यम से, हम एकता के इन सदियों पुराने बंधनों को और मजबूत कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने स्मारक सिक्का किया जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में चोल राजा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया। इसमें भारतीय इतिहास, वास्तुकला और समुद्री विरासत में उनके योगदान का जश्न मनाया गया।

'जब मैं 'ओम नमः शिवाय' सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते' : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह राजराजा की आस्था की भूमि है, और इलैयाराजा ने इस आस्था की भूमि पर हम सभी को शिव भक्ति में लीन कर दिया, मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं 'ओम नमः शिवाय' सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं कल ही मालदीव से लौटा हूं, और आज मुझे इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर पाकर बहुत खुशी हो रही है।

'चोल साम्राज्य स्वर्णिम युगों में से एक'

इतिहासकारों का मानना है कि चोल साम्राज्य भारतीय इतिहास के स्वर्णिम युगों में से एक है। यह काल अपनी उल्लेखनीय सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाना जाता है। अक्सर लोकतंत्र का उद्गम स्थल माने जाने वाले चोल साम्राज्य ने भारतीय संस्कृति के पोषण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजेंद्र चोल ने उत्तरी क्षेत्रों से पवित्र गंगा जल लाकर दक्षिण में प्रतिष्ठित किया। इस पवित्र जल को चोल गंगा झील में अर्पित किया गया, जिसे आज पोन्नेरी झील के नाम से जाना जाता है।

भव्य गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर कराया निर्माण'

उन्होंने कहा कि राजेंद्र चोल ने भव्य गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर का निर्माण कराया, जो आज भी दुनिया भर में प्रशंसित एक वास्तुशिल्प चमत्कार के रूप में खड़ा है। चोल साम्राज्य की विरासत ने पवित्र कावेरी नदी की भूमि पर माँ गंगा उत्सव के उत्सव को भी जन्म दिया। चोल सम्राटों ने भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोया था।

पेज एक के शेष

पीएम मोदी बोले- बिल्हा...

ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है, जिसने स्वच्छता को न केवल शासकीय योजना के रूप में, बल्कि सामुदायिक आंदोलन के रूप में अपनाया है। नगर पंचायत बिल्हा की आबादी लगभग 15,000 है, जहां 28 स्वच्छता दीदियां कार्यरत हैं। ये दीदियां नगर के 15 वार्डों में घर-घर जाकर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं और फिर कचरे को **SLRM** सेंटर में ले जाकर गीला और सूखा कचरा पृथक करती हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है और सूखे कचरे को बेचकर ये महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त बिल्हा नगर में 10 विशेष स्वच्छता कमांडो भी नियुक्त किए गए हैं जो ट्रैक्टर और ऑटो टिपर के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर कचरा सफाई और जन-जागरूकता का कार्य कर रहे हैं।

पूरे प्रदेश के लिए...

की महिलाओं और उनके स्वच्छता नवाचार की प्रशंसा करना इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक बना देता है। यह समस्त छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है।

अन्य निकायों को मिलेगी...

अन्य नगर निकायों को भी नई प्रेरणा देगी और हम सब मिलकर स्वच्छता में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

कौशिक ने पीएम ....

वाले ग्राम पंचायत केवाछी के आश्रित ग्राम ढोड़की के स्व-सहायता समूह के बहनों के द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत घर-घर से कचरा इकट्ठा कर उससे प्लास्टिक एवं अनावश्यक चीजों को अलग करके उससे खाद्य बनाया और उन खाद्यों को विक्रय किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी सरकार स्वच्छ भारत मिशन को जन-जन तक पहुंचाने एवं मातृशक्ति को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। छत्तीसगढ़ के बिल्हा की जागरूक और समर्पित माताओं-बहनों ने यह सिद्ध कर दिया कि बदलाव की असली ताकत हमारे समाज की नारियों में है।

मारे गए 4 नक्सलियों पर...

सिंगल शॉट सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एवं नक्सल संबंधी अन्य सामान बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मृत माओवादी की पहचान हुई हैं जिनमें हुंगा, एसीएम, प्लाटून नम्बर 10 दक्षिण सब जोनल ब्यूरो पर 5 लाख का ईनाम, लक्खे, एसीएम, प्लाटून नम्बर 30, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो पर 5 लाख का ईनाम, भीमे, एसीएम, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो पर 5 लाख का ईनाम तथा निहाल ऊर्फ राहुल, पार्टी सदस्य संतोष, ब्यूरो कम्युनिकेशन टीम हेड का गार्ड दक्षिण सब जोनल ब्यूरो पर 2 लाख का ईनाम घोषित था।

बारिश में भी हौसला बरकरार : पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि मानसून की कठिन परिस्थितियां, लगातार वर्षा, दुर्गम जंगल, पहाड़ी इलाके और जोखिमभरे रास्ते भी सुरक्षा बलों के जोश और प्रतिबद्धता को डिगा नहीं पाई हैं। सभी बल कठिन भौगोलिक और मौसमी चुनौतियों के बावजूद पूरे समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे।

पंडरिया विधायक ...

एवं भोरमदेव मंदिर में शिवजी के जलाभिषेक के साथ पूरी हुई। सभी अवरोधों को पंडरिया विधायक भावना बोहरा और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे कांवड़ियों ने पार किया और मन में एक पवित्र संकल्प एवं भगवान भोलेनाथ के प्रति अपार आस्था के साथ निकली इस यात्रा में हर दिन एक नई उर्जा,उल्लास एवं उत्साह दिखाई दिया। 151 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर भावना बोहरा और उनके साथ सभी कांवड़ियों ने यह जरुर साबित किया है कि यदि दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ मन में भक्ति और आस्था से आप अपने हर लक्ष्य और संकल्पों को पूरा कर सकते हैं। यह यात्रा छत्तीसगढ़ में अपने आप में एक मिसाल होगी यह पहला अवसर है कि एक महिला जनप्रतिनिधि ने प्रदेश व प्रदेशवासियों की मंगलकामना के लिए 151 किलोमीटर की कठिन यात्रा की और नारी शक्ति का एक सन्देश भी दिया है। यात्रा के अंतिम दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों ने सुबह 7 बजे बोड़ला से अपनी यात्रा प्रारंभ की। दोपहर 12 बजे भोरमदेव मंदिर पहुंची। इस दौरान बोड़ला, में हजारों की संख्या में शिवभक्तों, सामाजिक व हिन्दू संगठनों, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा करके उनका भव्य स्वागत किया। हर हर महादेव और बोल बम के नारों के साथ पूरा कवर्धा शिवभक्ति में लीन और भगवामय हो गया। इस दौरान भोरमदेव मंदिर में लगभग 5000 से अधिक शिवभक्तों ने मंदिर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया ढोल-बाजो और भक्तिमय गीतों, पुष्पवर्षा से भावना बोहरा और उनके साथ पधारे कांवड़ यात्रियों का सभी ने अभिनंदन किया। यह पहला अवसर होगा जब भोरमदेव मंदिर में श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ पहुंची जहां लोगों ने खुले दिल से भावना बोहरा और उनके साथ कदम मिलाकर चलने वाले कांवड़ियों की अमरकंटक से भोरमदेव तक कांवड़ यात्रा की प्रशंसा की। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने भी भोरमदेव मंदिर में दर्शन करने हेतु पधारे श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों का अभिनंदन किया और प्रसाद वितरण किया।

गौरव व भावनाओं से...

अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का भी आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने यात्रा के दौरान फोन पर बातचीत करके हम सभी का हौसला बढ़ाया और मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। यह मेरे लिए परम गौरव का क्षण है, छत्तीसगढ़वासियों की सुख-शांति और प्रदेश की समृद्धि हेतु जो संकल्प एवं कामना लेकर 21 जुलाई से हमने यह यात्रा प्रारंभ की और लगभग 300 से अधिक कांवड़ यात्रियों ने पुण्य यात्रा में मेरे साथ हर कदम पर अपनी सहभागिता निभाई उसके प्रति सभी का आभार व्यक्त करती हूं।

26 दिनों में बरस...

से अधिक वर्षा की श्रेणी में शामिल हो गए। मानसून इस बार भी प्रदेश में अपनी सामान्य तिथि में सक्रिय हुआ, मगर जून का महीना कम वर्षा के साथ बीता था। 30 जून की स्थिति में प्रदेश में कुल 151 मिमी. बारिश हो चुकी थी, वहीं रायपुर जिले को भी 119 मिमी. वर्षा से संतोष करना पड़ा था। जून बीतते तक बलरामपुर अपनी औसत बारिश की सीमा लांघ चुका था। इसके बाद की जुलाई में मानसून प्रदेश पर मेहरबान हुआ और समय-समय पर सक्रिय होने वाले सिस्टम से विभिन्न इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई तथा बीते 26 दिनों के भीतर प्रदेश के सारे नदी-नाले लबालब हो गए हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अब तक प्रदेश में 448.6 मिमी. वर्षा हुई है, जिसे मिलाकर सीजन का आंकड़ा 599.6 मिमी. तक पहुंच चुका है। रायपुर जिले में भी मानसून ने व्यापक प्रभाव दिखाया और यहां 429 मिमी. बारिश के साथ कुल आंकड़ा 548 मिमी. तक पहुंचा, जो औसत 450.6 मिमी. से 22 फीसदी अधिक है। बेमेतरा में 480. मिमी. की तुलना में 38 फीसदी कम 299.8 और कोंडागांव में 514 मिमी. औसत की तुलना में 409 मिमी. यानी 20 फीसदी कम बारिश हुई है।

अभियान के दौरान हुए...

सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। अधिकारी ने कहा कि पिछले दशकों में अभियानों के दौरान आईईडी विस्फोट या इसी तरह की अन्य घटनाओं के कारण सैकड़ों सीएपीएफ कर्मी अपने पैर, हाथ या आंखें खो चुके हैं।

रुद्रप्रयाग में भारी बारिश, पहाड़ों से गिरे पत्थर, केदारनाथ का रास्ता अवरुद्ध

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में भारी बारिश से हालात बिगड़ रहे हैं। गौरीकुंड के पास केदारनाथ जाने वाले पैदल मार्ग पर बड़े-बड़े पत्थर गिरने और मार्ग अवरुद्ध होने की वजह से 1,600 से अधिक चारधाम तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि जिले के कई गांवों में करीब एक दर्जन घरों में पानी और गाद घुस गया है। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य सुबह छह बजे से शुरू हो गया और अब भी जारी है। सुमन ने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सुमन ने बताया, रात एक बजे से चार बजे के बीच ज़िले में लगातार बारिश हुई, जिससे नदियां उफान पर आ गई और उनका पानी चामेली और रुमसी, चमराड़ा टोक और विजयनगर क्षेत्र के करीब दस मकानों में घुस गया।

700 तीर्थयात्री अब भी फंसे

सुमन ने बताया कि अब तक केदारनाथ से लगभग 1,600 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और लगभग 700 अन्य तीर्थयात्रियों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रबंधन अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली और उन्हें तीर्थयात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखने के साथ ही राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

भद्रक में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या की

भद्रक। ओडिशा के भद्रक जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर झगड़े के बाद अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। यह घटना शनिवार रात कसिया समुद्री थाना क्षेत्र के परापोखरी गांव में हुई। उसने बताया कि गुरुबाड़ी जेना का शव रविवार सुबह मिला, जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, जेना का पति गोपीनाथ फरार है और उसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पड़ोसियों ने बताया कि गुरुबाड़ी, गोपीनाथ की दूसरी पत्नी थी और दोनों अक्सर वित्तीय मामलों को लेकर झगड़ते रहते थे।

बांग्लादेश सीमा पर लगेंगे पांच हजार आधुनिक कैमरे

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों को 5,000 से अधिक 'बॉडी वॉर्न कैमरे' उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि ड्यूटी पर तैनात जवान अपराधियों द्वारा किए गए हमलों के अलावा अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने के दृश्य और साक्ष्य रिकॉर्ड कर सकें। सुरक्षा प्रतिष्ठान के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 4,096 किलोमीटर सीमा पर बल की चुनिंदा सीमा चौकियों को भी बायोमेट्रिक उपकरणों से लैस किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला - रायपुर (छ.ग.)

क्रं./01/ न.पा.नि./एनयूएलएम शाखा/2025-26 बीरगांव, दिनांक 25/07/2025

रूचि की अभिव्यक्ति सूचना (EOI)

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के अमृत मित्र योजना अंतर्गत "Women for Tree" अभियान में AMRUT 2.0 मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, वृक्षारोपण, रखरखाव, जागरूकता एवं पर्यावरणीय अभियान से संबंधित कार्यों हेतु डे-एनयूएलएम मिशन अंतर्गत पंजीकृत इच्छुक महिला स्व-सहायता समूहों (SHGs) से नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्र में उक्त कार्य के संचालन हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) दिनांक 04 अगस्त 2025 को सायं 5:30 बजे तक स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है। कार्य की सामान्य शर्तें, विस्तृत विवरण व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से राशि रू. 100.00 का भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www nagarnigambirgaon.com अथवा संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं मुकेश कुमार पिता त्रिभुवन जाति तेली ग्राम भोथली वार्ड नं. 18 तह व जिला धमतरी (छ.ग.) पिन कोड 493773 का निवासी हूँ।

यह कि मेरा नाम, आयु, पिता का नाम एवं पता उपरोक्त बताए अनुसार सत्य एवं सही है। यह कि मेरे पुत्र नैतिक साहू के जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम नैतिक साहू NAITIK SAHU पिता मुकेश साहू दर्ज है एवं मेरे पुत्र के आधार कार्ड में नाम नेतिक कुमार NETIK KUMAR पिता मुकेश कुमार साहू त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक एवं सही नाम नैतिक साहू NAITIK SAHU पिता मुकेश साहू है, जिसका उल्लेख मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र में किया गया है। इस प्रकार नेतिक कुमार एवं नैतिक साहू एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पुत्र का नाम है। इस संबंध में मेरे द्वारा यह शपथपत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आज से मेरे पुत्र का वास्तविक एवं सही नाम नैतिक साहू NAITIK SAHU पिता मुकेश साहू के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

स्थान-धमतरी, दिनांक-23/07/2025

शपथकर्ता
मुकेश कुमार साहू पिता त्रिभुवन साहू
ग्राम भोथली वार्ड नं. 18
तह. व जिला धमतरी (छ.ग.)
पिन कोड 493773

न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

सूचना

मामले का विषय- अपील प्रकरण
मामला का क्रमांक 68/ ब- 121 /वर्ष 2023-24
पक्षकार-गोकुल विरूद्ध मनोहर धुर्वे
मनोहर धुर्वे पिता स्व. बैसाखू
निवासी-ग्राम नेऊरगांवखुर्द
तह. बोड़ला जिला कबीरधाम (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी गोकूल पिता जुठेल निवासी ग्राम गण्डईकला तह. बोड़ला जिला कबीरधाम के द्वारा अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बोडला जिला - कबीरधाम के राजस्व प्रकरण क्रमांक 202307080100002 ब - 121 वर्ष 2022-23 में पारित आदेश दिनांक 17.01.2024 के विरूद्ध छ.ग. भू. रा. संहिता 1959 की धारा-44 (2) के तहत अपील प्रकरण प्रस्तुत किया गया है।

उपर्युक्त मामले की सुनवाई तिथि 18.09.2025 दिन गुरूवार को दोपहर 11.30 बजे स्थान - न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग दुर्ग में होगी।

अतः सुनवाई तिथि में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत सुनवाई तिथि में उपस्थित नहीं होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जारी दिनांक 17.07.2025

आयुक्त
दुर्ग संभाग, दुर्ग

राशिफल

मेष — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष — कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बिन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर — वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

शब्द पहेली - 5941

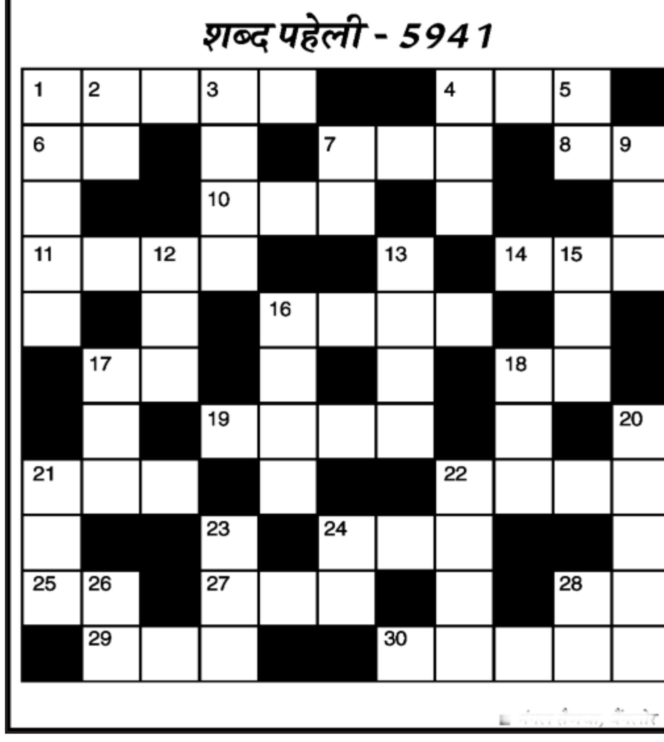

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 5940 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	स्क	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फां	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	द्द	क	र	ना	■

सूडोकु नवताल - 5951

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5950 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

खबर संक्षेप

इजराइल ने गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई

तेलअवीव। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाया जा सके।

बिहार के डिप्टी सीएम को मिली जान से मारने की धमकी

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ये धमकी मोबाइल पर मैसेज भेजकर दी गई।

दरअसल सम्राट चौधरी के एक समर्थक के मोबाइल पर मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को गोली मार दूंगा, सच बोल रहा हूं। डिप्टी सीएम के लिए जान से मारने के धमकी से जुड़ा संदेश मिलने के बाद समर्थक ने पुलिस को सूचना दी। अब पुलिस की ओर से इस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

गांधी परिवार की मानसिकता नहीं बदली : भाजपा सांसद

चंडीगढ़। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी से पता चलता है कि देश में आपातकाल के 50 साल बाद भी गांधी परिवार की मानसिकता नहीं बदली है। ''पचास साल पहले इंदिरा गांधी कहा करती थीं कि किसी चुनाव की वैधता इस बात से तय होगी कि वह चुनाव जीतती हैं या नहीं। आज 50 साल बाद राहुल गांधी भी यही कह रहे हैं। 'राहुल द्वारा निर्वाचन आयोग पर लगातार निशाना साधे जाने से पता चलता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है।'

एफटीए के चलते कई देश भारत से व्यापार करने के इच्छुक

20 दिन में 1,000 बैठकें, कार्यशालाएं होंगी व्यापार समझौते पर जागरूक करेगी सरकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सरकार देशभर में हितधारकों के साथ बैठक कर लोगों को इस समझौते के बारे में जागरूक करेगी। सरकार अगले 20 दिनों में देश भर में हितधारकों के साथ बैठकें करेगी, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और फीडबैक सत्रों सहित 1,000 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कवायद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार समझौते के अधिकतम लाभ देश के लोगों को मिल सकें। भारत ने ब्रिटेन की चॉकलेट, बिस्किट और सौंदर्य प्रसाधनों सहित विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं भारत के कपड़ा, फर्नीचर, जूते, रत्न और आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी। इसके अलावा, ब्रिटेन में कार्यरत टीसीएस और इंफोसिस जैसी भारतीय कंपनियों को भारत से आने वाले कर्मचारियों के लिए तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान नहीं करना होगा। समझौते के तहत, ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की पर भारत में शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। भारत, ऑटोमोबाइल पर भी आयात शुल्क को पांच वर्षों में घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो वर्तमान में 110 प्रतिशत दर है।

99% भारतीय सामान ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त हो जाएगा

अमेरिका न्यूजीलैंड ओमान, चिली पेरू और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत शुरू

भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे

व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

व्यापार समझौते के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार की विभिन्न टीमें विभिन्न राज्यों का भी दौरा करेंगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार समझौते पर चमड़ा और टेक्सटाइल सेक्टर के लोगों के साथ बैठक करेंगे। व्यापार समझौता लागू होने के बाद 99 प्रतिशत भारतीय सामान ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त हो जाएगा। इससे कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर भारत में भी शुल्क कम हो जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच 56 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार को दोगुना करना है।

घरेलू ऑटोमोटिव क्षेत्र का रखा गया है ध्यान

भारत ने व्यापार समझौते के तहत, घरेलू ऑटोमोटिव उद्योग का भी ख्याल रखा है और विशेष रूप से मध्यम और छोटी कारों और कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की रक्षा करते हुए, ब्रिटिश ऑटो निर्यातकों को केवल बड़े पेट्रोल और डीजल वाहनों और महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही शुल्क में रियायतें प्रदान की हैं। समुद्री उत्पाद (सी फूड), जिन पर वर्तमान में 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच कर लगता है, इस समझौते के लागू होने के बाद शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। व्यापार समझौते से भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र को बड़ा फायदा होगा, जिसकी अब ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच होगी। इससे ब्रिटेन के बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमत कम होगी और भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

जल्द मिलेगी कामयाबी

ओमान और यूरोपीय संघ के कई देश भारत से व्यापार को तैयार, चल रही बातचीत

केंद्रीय वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कई देशों के साथ व्यापार संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चर्चा चल रही है। भारत ने ब्रिटेन के साथ एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के लिए अरबों डॉलर के अवसर खुलेंगे। पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली, पेरू और यूरोपीय संघ के साथ बहुत अच्छी बातचीत चल रही है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भी अच्छी बातचीत चल रही है। वाणिज्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन सभी वार्ताओं के सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। गोयल ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर से लागू होगा, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इस बीच अमेरिका के साथ बातचीत जारी है। भारत और अमेरिका की टीमों ने वाशिंगटन डीसी में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है।

हेरोइन के पीछे था लश्कर-ए-तैयबा

पाक से जुड़े नार्को-टेरर नेटवर्क का हुआ पर्दाफाश

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू और पंजाब में पिछले साल अगस्त में पकड़ी गई 46 किलो हेरोइन की खेप के मामले में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस केस में पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बड़ा खुलासा हुआ है। इस केस की शुरुआत 9 अगस्त 2023 को हुई थी, जब पंजाब के तरनतारन निवासी सर्ताज सिंह को जम्मू के बस स्टैंड इलाके से 33.580 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। जांच के दौरान दूसरा आरोपी अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी सामने आया, जो घटनास्थल से एक और खेप के साथ भाग निकला था, लेकिन बाद में पंजाब पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके पास से 12.626 किलो हेरोइन और बरामद हुई। मामले के अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी कनेक्शन सामने आने के बाद इसे एसआईए जम्मू को सौंप दिया गया।

एसआईए ने दाखिल की चार्जशीट

एसआईए ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में यह सामने आया है कि अमृतपाल सिंह का सीधा संपर्क पाकिस्तान में बैठे एक लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर से था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक नार्को-टेररिज्म का मामला है। एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में तकनीकी, वैज्ञानिक और मानवीय सूचनाओं का प्रयोग करके ठोस सबूत इकट्ठा किए गए हैं, जिनके आधार पर आरोपियों पर एनडीपीएस और यूएपीए के गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अमृतसर में आईएसआई से जुड़ा तस्कर गिरोह पकड़ा

5 गिरफ्तार, एके असॉल्ट राइफल 2 पिस्टल और 7.5 लाख बरामद

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। अमृतसर रूरल पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह भारत में हथियार और ड्रग्स भेजने के काम में शामिल था। पुलिस ने इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से काफी मात्रा में हथियार, गोलियां और नकदी बरामद की गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि इनका सीधा संपर्क पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंटों से था। पकड़ी गई खेप नव उर्फ नव पंडोरी को सौंपी जानी थी, जो कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का नजदीकी साथी माना जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क आतंकवाद और गैंगस्टर गिरोहों के गठजोड़ का हिस्सा है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस प्रदेश में आतंकवाद, संगठित अपराध और तस्करी जैसे अपराधों को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने यह भी कहा कि राज्य में शांति, सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। आरोपियों से जब्त इम्पोर्टेड हथियार बरामद हुए हैं जिसमें एक एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल (2 मैगजीन सहित),दो ग्लॉक 9एमएम पिस्तौल (4 मैगजीन सहित), एके राइफल के 90 जिंदा कारतूस, 9एमएम के 10 जिंदा कारतूस, 7.50 लाख की ड्रग मनी, एक कार और तीन मोबाइल फोन शामिल हैं।

कार समेत नदी में गिरे कटक के बीडीओ और उनकी पत्नी

पुरी। कोणार्क मरीन ड्राइव पर शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। रामचंडी मंदिर के पास स्थित लोटस पार्क इलाके में कटक सदर ब्लॉक डिवेलपमेंट ऑफिसर प्रतीक साहू की कार अचानक कुशाभद्र नदी में गिर गई। हादसे के वक्त कार में बीडीओ और उनकी पत्नी मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब प्रतीक साहू अपनी गाड़ी को बेला मार्ग पर पार्क करने की कोशिश कर रहे थे। कार रिवर्स गियर में थी और फिसलकर सीधे नदी में जा गिरी। तेज बहाव के कारण गाड़ी कुछ ही पलों में पानी में बहने लगी।षवहीं घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को इसकी सूचना दी।

दुकानों में लगा दी आग

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों ने किया हमला, 21 लोगों को मार डाला

एजेंसी ▶▶ कोमांडा

पूर्वी कांगो में रविवार को एक इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह अलाइड डेमोक्रेटिक फ़ोर्स (एडीएफ) की ओर से किए गए हमले में कम से कम 21 लोग मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, ये हमले कोमांडा शहर के एक कैथोलिक चर्च परिसर में हुए। हमलावरों ने रात के वक्त चर्च और आसपास की कई दुकानों व घरों में आग भी लगा दी। कांगो के कोमांडा शहर के नागरिक समाज समन्वयक डियूडोने डुरानथाबो ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए बताया कुछ शव जले हुए पाए गए और कई घरों में आग लगी है। फिलहाल, तलाशी अभियान जारी है। कांगो सेना ने इस हमले में मारे गए लोगों की संख्या को लेकर एक कम आंकड़ा दिया। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जूल्स न्गोंगो ने कहा कि हमला करीब 10 लोगों की मौत का कारण बना।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

एनएएलएसए के सम्मेलन में बोले सीजेआई

ज्ञान के बिना हक किसी काम के नहीं, जागरुकता बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। सीजेआई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं।

इससे कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद मिलेगी

सीजेआई ने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम उस पारंपरिक कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, जहां सभी समुदाय-हिंदू, मुस्लिम और सिख-एक साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि देश के संविधान के जरिये हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। जहां बाबासाहेब बीआर आंबेडकर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के माध्यम से राजनीतिक न्याय ले आए, वहीं संविधान के सृजक ने सामाजिक विभाजन और एक खंड से दूसरे खंड में जाने में कठिनाई के बारे में बात की थी।

मुझे ऐसा लगा मानो गृहनगर आ गया

सीजेआई ने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने गृहनगर आ गया हूं। मुझ पर बरस रहे प्यार और स्नेह के लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी हिस्सों में घूम चुका हूं। यहां की सूफी परंपरा भारत के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देती है। सभी धर्मों के लोग यहां दरगाहों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर आते हैं। लद्दाख, कश्मीर और जम्मू के बार के प्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि हालांकि उनके पास इन पर विचार करने का अधिकार नहीं है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं: • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

शाश्वत हॉस्पिटल
Dr. Vikas Mishra Ophthalmologist & Phasco Surgon M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)
चश्में से आजादी
मोतियाबिंद का ऑपरेशन (बिना टांके) फेको पद्धति द्वारा। मोतियाबिंद का ऑपरेशन बिना इंजेक्शन (टॉपीकल फेको)। अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। अभ्याधुनिक तकनीक द्वारा चश्में की जांच।
टिम्बर भवन के सामने, मेन रोड, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-4060303, मो. 9753119900, www.shashwthospital.com

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: • जनरल मेडिसीन • छाती रोग • हृदय रोग • सांस एवं फेफड़ा रोग • दंत रोग • डायबिटीज • त्वचा रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • बच्चों के रोग • जोड़ एवं हड्डी रोग • आंख, कान, गला रोग • जनरल सर्जरी • ऑन्कोलॉजी विभाग • यूरोलॉजी • फिजियोथेरेपी • सोनोग्राफी • डिजिटल एक्स-रे • सीटी स्कैन • क्रिटिकल केयर यूनिट • आईसीयू • ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids सुनाई मशीन • Dental/ दंत रोग • मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

डूबने से युवक की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत पीव्ही 21 निवासी मुकेश राय का डूबने से 26 जुलाई को मौत हो गया। पीव्ही 21 निवासी मनोरंजन राय ने पुलिस को बताया कि मृतक मवेशी को चराने के लिए जंगल गया था। उसका शव दुर्गापुर में पड़ा हुआ था। चेहरा पानी में डूबा हुआ था। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

कार की टक्कर से बाइक में सवार दो लोग घायल

महासमुंद। लहरौद पड़ाव के पास बीते 5 जुलाई को कार की टक्कर से बाइक में सवार दो लोग घायल हो गए। इलाज कराने के बाद प्रार्थी ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ पिथौरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को सतीश निषाद निवासी लहरौद ने बताया कि 5 जुलाई को दोपहर में वह अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 पी 0218 से अपने दोस्त कमलेश ठाकुर के साथ पेट्रोल टंकी पिथौरा से डीजल लेकर अपने घर ग्राम लहरौद जा रहा था। दोपहर लगभग 2 बजे लहरौद पड़ाव ओवरब्रिज के नीचे झलप की ओर से आ रही कार क्रमांक सीजी 04 एलएल 9955 के चालक ने अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चला कर मोटर सायकल को बगल से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। जिससे वे दोनों सडक पर गिर गए। एक्सीडेंट से प्रार्थी के सिर, कंधे एवं दोनों पैरों में तथा शरीर के अन्य जगह व कमलेश ठाकुर के नाक, मुंह तथा बांये हाथ के कलाई में चोट आई। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 125(ए), 281 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

चमकाने के नाम पर महिला से ठगे सोने के चूड़ी-कंगन

राजनांदगांव। सोना-चांदी चमकाने के नाम पर एक महिला से आरोपियों ने सोने की चूड़ी और कंगन की ठगी कर ली। इस मामले की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार डोंगरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत 25 जुलाई को किल्लापारा निवासी महिला अपने घर में थी, तभी पौने 12 बजे करीब उनके घर में एक व्यक्ति आया और बोला कि वह कंपनी की तरफ से प्रचार के लिए आया है। सोना-चांदी चमकाने का पावडर फ्री में प्रचार के लिए देता है, जिस पर प्रार्थिया ने कहा कि उन्हें नहीं लेना है, तब उक्त व्यक्ति बोला कि कोई तांबा का बर्तन दो चकमा कर दिखाता हूं, तब महिला ने ताबा का लोटा दी, जिस पर वह तांबे के लोटा को साफ कर दिखाया, फिर उक्त व्यक्ति ने प्रार्थी से हाथ में पहने हुए सोने की अंगूठी और चांदी की पायल को चमकाने की बात कहकर मांगा और चमका कर दी। इसके बाद प्रार्थिया से चूड़ी और कंगन को भी साफ करने मांगा, जिस पर महिला ने अपने हाथ के चार नग सोने की चूड़ी व दो नग सोने का कंगन को निकालकर दी। टिफिन डिब्बा से आभूषण गायब तब उक्त व्यक्ति ने बोला कि पानी ले आओ, जब वह टिफिन डिब्बा में पानी लेकर आई, तब उस पानी में कुछ केमिकल पावडर और हल्दी पावडर, गेरूवा रंग का पावडर डाला और डिब्बा को बंद कर बोला कि इसमें चूड़ी-कंगन डाल दिया है।

हाईवा से बैटरी चोरी

महासमुंद। ब्यारा में खड़े हाईवा वाहन में लगे बैटरी को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पुलिस को कौशिक कॉलोनी निवासी रोहित चंद्राकर ने बताया कि उसने अपनी दोनों हाईवा को बरसात में काम नहीं होने के कारण अपने बड़े भाई पन्नालाल के ब्यारा में खड़ा किया था। जब वह 26 जुलाई को सुबह करीब 7 बजे मैं अपनी हाईवा को देखने के लिये ब्यारा गया देखा कि हाईवा क्रमांक सीजी 04 एचएक्स 5111 में लगे दो नग बैटरी कीमत 24000 रुपए नहीं थे। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

विवाद : ग्रामीणों का कहना- धर्मांतरित लोग करते हैं माहौल खराब

कफन-दफन पर जामगांव में विवाद गहराया पुलिस की समझाइश के बाद भी तनाव कायम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

विकासखंड नरहरपुर के जामगांव में धर्मांतरित व्यक्ति का गाँव में जानकारी दिए बिना दफना दिए जाने से बवाल मच गया। गाँव के लोगों का कहना है कि बिना जानकारी के दफनाया गया है, जो गलत है। धर्मांतरित किसी भी व्यक्ति का कफन दफन गांव में नहीं किया जाएगा, ऐसा पहले भी ऐलान हो चुका है, उसके बाद भी ऐसी घटना को अंजाम दिया गया। दोपहर से पुलिस दोनो पक्षों को समझाईश देने में लगी हुई है, परंतु समाचार लिखे जाने तक किसी भी प्रकार का समझौता नहीं हो सका। जानकारी के अनुसार जामागांव के निवासी सोमलाल राठौर पिता गोवेर्धन लाल को ईलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बीती रात को निधन हो जाने के चलते 27 जुलाई की सुबह जामगांव लाकर मृतक का खेत जामगांव नाला के पास दफना दिया गया। गाँव वालों की इसकी जानकारी सुबह 11 बजे के आसपास मिली, तब से गाँव के लोग दफनाए गए स्थल पर एकत्र होने लगे।

खास बातें

- गांव के नियमों का पालन नहीं करने से लगातार बन रही ऐसी परिस्थितियां
- ग्रामीणों का आरोप- ग्रामीणों की जमीन पर कब्जा करके बनाया गया प्रार्थना स्थल
- जमीन विवाद का मामला तहसील न्यायालय में चल रहा

धर्मांतरण बना विवाद का कारण

दरअसल मृतक सोमलाल ठाकुर ईसाई समुदाय से थे, ऐसे में ईसाई समुदाय के रीति रिवाज से मृतक के अंतिम संस्कार कर दिया गया और खबर मिलते ही जामगांव के ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। जामगांव के स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मृतक के परिवार वाले आदिवासी समुदाय से धर्मान्तरण कर मसीह धर्म अपना लिया था, पहले यह आदिवासी थे, इसलिए मूल आदिवासी प्रथा के आधार पर मृतक का अंतिम संस्कार गांव के श्मशान घाट में किया जाए, अन्यथा जामगांव में कही भी शव दफन नहीं करने दिया जाएगा। दफन किए गए शव को निकालकर अपने कब्रिस्तान में दफन करें, तभी ग्रामीण शांत होंगे, अन्यथा यह विवाद चलता रहेगा।

पुलिस की समझाइश का सकारात्मक परिणाम नहीं

घटना की खबर लगते ही नरहरपुर थाना प्रभारी सुरेश राठौर दल बल के साथ जामगांव पहुच गए थे और दोनो पक्षों को समझाईश देने का प्रयास किया। दोनो पक्ष अड़े हुए है। उन्होने बताया कि घटना के बारे में उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया है, जैसा निर्देश मिलेगा, उसी के अनुसार कार्यवाही किया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जाता रहा , परंतु ग्रामीण केवल एक ही माँग पर अड़े है कि दफनाए गए शव को उत्खनन किया जाए और अपने शमसान घाट में दफनाएं। धर्मांतरित परिवार के लोगों का कहना है कि अपने खेत पर दफनाए है, किसी दूसरे के जमीन पर नहीं, ऐसे में क्यों दिक्कत हो रही है।

जामगांव में लंबे समय से चल रहा विवाद

जामगांव में प्रार्थना स्थल को लेकर भी विवाद चल रहा है, इसमें भी ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कई लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा करके प्रार्थना स्थल बना लिया गया है। इस मामले को लेकर तहसीलदार के पास प्रकरण दर्ज हो चुका है और कार्यवाही की माँग लगातार किया जा रहा है। जामगांव शांत गांव में इस प्रकार का विवाद लगभग दो साल से चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब से धर्मांतरण हुआ, तब से हमारा ईलाका अशांत हो गया है। सरकार और प्रशासन को धर्मांतरण पर ठोस नीति बनाकर कड़ी से कड़ी कार्यवाही किया जाना चाहिए।

गनियारी बांध में फिर हाथी की दस्तक ग्रामीणों को किया अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

जिले के वन परिक्षेत्र फिंगेश्वर के गनियारी बांध में एक बार फिर एक अकेला हाथी आ गया है। यह हाथी सरायपाली महासमुंद वनमंडल से विचरण करते हुए रविवार दोपहर सिलहारी बाहरा रोड पार कर गनियारी बांध के पास फुलझर पहुँच गया। वन अमला लगातार इस हाथी की निगरानी कर रहा है, क्योंकि हाथी प्रभावित क्षेत्रों के खेत-खलिहान में विचरण कर रहा है। फुलझर, जोगिडिपा, छुईहा, बहानाकाडी, चरौदा, जमाही, फुलझर खदराही और मुरमुरा जैसे गाँवों को सतर्क रहने, सुरक्षित रहने और एक-दूसरे को सूचित करने की अपील की गई है। गाँवों में मुनादी भी कराई जा रही है।

ग्रामीणों में दहशत और सुरक्षा के निर्देश- पहले भी इस क्षेत्र में हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा है। ग्रामीण अपने घरों में सुरक्षित रहने की कोशिश कर रहे हैं और इस हाथी के आगमन से वे फिर से घबराए हुए हैं। गजराज दल के वन परिक्षेत्र के कर्मचारी हाथी के हर मूवमेंट पर नज़र रखे हुए हैं और जिस इलाके में हाथी जा सकता है, वहाँ मुनादी के ज़रिए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथी के मूवमेंट के समय अपने घरों में सुरक्षित रहें और वन कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करें। हाथी के उत्पात से बचने के लिए ग्रामीणों को लगातार सतर्क रहने की आवश्यकता है।

लोन के नाम पर बैंक कर्मी ने की एक करोड़ की धोखाधड़ी, एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

जिले के डोंगरगढ़ में एक निजी बैंक के कर्मचारी द्वारा उपभोक्ताओं से ओटीपी लेकर फर्जी लोन के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी बैंक कर्मी उमेश गोरले द्वारा करीबन 1.06 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है। आधा दर्जन उपभोक्ताओं की शिकायत के बाद बैंक प्रबंधन ने कर्मचारी को निलंबित करने के साथ ही उसके खिलाफ डोंगरगढ़ थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। बड़ी बात यह है कि उक्त कर्मी द्वारा 2022 से 2025 के बीच तीन सालों तक फ्रॉड का यह खेल किया गया।

डोंगरगढ़ थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार डोंगरगढ़ स्थित एक्सिस बैंक के उपभोक्ताओं के साथ यह पूरी घटना हुई है। आरोपी बैंक कर्मी उमेश ने सभी से लोन के नाम पर यह फ्रॉड किया है। मामले का खुलासा 9 जुलाई को हुआ, जब प्रार्थी चंदमल अग्रवाल द्वारा बैंक पहुंचकर मामले की जानकारी प्रबंधन

को दी गई। बताया गया कि प्रार्थी को दो साल पहले 2023 में केसीसी लोन की लिमिट बढ़ाने के नाम पर आरोपी उमेश ने दस्तावेज मांगे थे। दस्तावेज के सहारे उसने प्रार्थी का 99 लाख रुपए का एक ओडी खाता शुरू किया।

ग्राहक के खाते की निगरानी वे स्वयं करने लगा, जब प्रार्थी जरूरत पड़ने पर पैसे लेने बैंक पहुंचा तो उसे जानकारी मिली कि उसके खाते से 31 लाख रुपए का गबन कर लिया गया है। इसी तरह से पांच अन्य उपभोक्ताओं के साथ ही अलग-अलग मामले में आरोपी ने राशि गबन करने का काम किया। जिसके चलते ही उसके खिलाफ प्रबंधन ने एफआईआर दर्ज कराई है।

पैसे लौटाने का वादा

बैंक प्रबंधन द्वारा कराई गई शिकायत के अनुसार आधा दर्जन उपभोक्ताओं के साथ करीबन 1.06 करोड़ रुपए का गबन किया गया है। इसमें 31 लाख रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक का फ्रॉड शामिल है। बड़ी बात यह है कि उपभोक्ताओं को मामले की जानकारी मिलने के बाद जब उन्होंने आरोपी कर्मी उमेश से संपर्क किया तो उसने गड़बड़ी की बात को स्वीकारते हुए रकम लौटाने की बात कही, परन्तु रकम नहीं लौटाए जाने के बाद इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

दुधावा जलाशय की नहर में डूबने से बुजुर्ग की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

दुधावा जलाशय से सिचाई के लिए बनाई गए नहर जो सरोना पंचायत क्षेत्र से गुजरती है, जिसमें 27 जुलाई को एक बुजुर्ग की डूबने से मौत हो गई ग्रामीणों की मानें तो इसके पहले भी इस नहर में ऐसी घटना हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को जानकारी देने के बाद भी नहर की सफाई नहीं किया गया। पुलिस ने शव का पीएम करवाकर शव को परिजनों को सौंपा। घटना की खबर फैलते ही गांव का माहौल गमगीन हो गया।

ग्राम पंचयात सरोना के भर्रीपारा निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग मृतक रामलाल मरकाम को उनके परिजन सुबह से ढूंढ रहे थे, किन्तु उनकी कोई जानकारी मिल रही थी। गांव के लोगों ने दोपहर 12 बजे के आसपास नहर में शव के दिखने की जानकारी दिया, परिजनों ने देखा और पुष्टि होने के बाद दुधावा चौकी को जानकारी दिया। इस घटना की खबर फैलते ही गाँव का माहौल गमगीन हो गया, इसके अलावा ग्रामीणों में नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि यह नहर दुधावा जलाशय से आती है, जिसकी कभी सफाई नहीं होती, अभी भी जगह-जगह बड़े-बड़े घास और गंदगी पसरी हुई है।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश चोरी की 17 बाइक जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

बैंक व अस्पतालों के आसपास खड़ी मोटरसाइकिल की चोरी करने वाले अंतर्जिला बाइक चोर गिरोह का कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की 17 बाइक जब्त की है। जिले व आसपास के क्षेत्र से बाइक चोरी की घटनाओं की लगातार शिकायत आ रही थी। बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एसपी के निर्देशन में पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस ने जिले में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता पाई है। अभियान के दौरान पुलिस कोतवाली थाना में दर्ज उत्तम तिवारी की बाइक सीजी 05 एक्स 8420 एयू बैंक के सामने से चोरी की शिकायत पर विवेचना शुरु की। इस दौरान तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर पूछताछ की। उक्त व्यक्ति ने पूछताछ

में बाइक की चोरी करना स्वीकार किया। इसी के साथ पुलिस अंतर्जिला चोर गिरोह तक पहुंच गई। तीन आरोपी कश्यप पटेल पिता फागूराम 54 वर्ष ग्राम अडेगा थाना केशकाल, बिल्लू कोर्राम पिता मन साय उम्र 29 वर्ष ग्राम छिंदपारा थाना माकड़ी व गणेश भारद्वाज पिता गुहाराम 57 वर्ष ग्राम जरनडीह थाना केशकाल निवासी को पकड़ उसके कब्जे से 17 नग बाइक कीमत 4 लाख रुपए बरामद की। आरोपियों के कब्जे से चोरी की संपत्ति बरामद होने तथा आरोप सिद्ध होने पर कोतवाली थाना में उसके खिलाफ धारा 303/2, 317/2, 3/5 बीएनएस के तहत अपराध दर्जकर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

वनभूमि पर अतिक्रमण को रोकने पहुंचे दो वन कर्मी हुए घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

वन कर्मचारियों पर वन माफियाओं व अतिक्रमणकारियों द्वारा हमला किए जाने का मामला समय-समय पर सामने आता है, ऐसे ही मामला 23 जुलाई को भी घटित हुआ है। जगदलपुर वन परिक्षेत्र के चेचालगुर में छह अतिक्रमणकारियों द्वारा वन कर्मचारी शौरभ कश्यप पर जानलेवा

हमला किया गया। इसके अलावा पूर्व में भी बस्तर वन परिक्षेत्र में शंभु कश्यप के दो माफियाओं द्वारा हमला किया गया था, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई है। घटना की रिपोर्ट संबंधित थाने में दर्ज करवा लिया गया है, लेकिन आज भी अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। उक्त बातें वन कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष अमित कुमार झा ने संघ भवन में रविवार को आयोजित पत्रवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि नानगुर क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जाता है, साथ ही गांव के लोगों भी अतिक्रमण करने उकसाया जाता है, क्योंकि अधिक लोग होने से कार्रवाई नहीं होगी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, (RO-074)

टीचर

आवश्यकता है- अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम में एकाउंट, इकोनॉमिक्स, एसएसटी, साइंस पढ़ाने हेतु शिक्षक/शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आया की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 31.07.2025 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855. (RO-6988)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा.नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800. (RO-6987)

एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य हेतु पुरूष, महिला एंव टेली एकाउन्टेंट (फीमेल) संपर्क करें- राजेश होजियरी, फॉरेस्ट कॉलोनी के पास गली नंबर-1 पंडरी रायपुर -9407923601, 9826908201. (RO-379)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में मार्केटिंग कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन- 10,000 से 20,000 महीना योग्यतानुसार पता- आमापारा चौक रायपुर संपर्क करे- 8962274079.(RO-6751)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है : टाटा एस एवं बैटरी वाली ई रिक्शा चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए। लोकल दुर्ग भिलाई घुमना है, आकर्षक वेतन, लाइसेंस अनिवार्य। केवल भिलाई वाले ही संपर्क करे-98274-66771.(आरो-787)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 18000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222.(RO-10)

सेल्स मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग भिलाई- आयुर्वेदिक कंपनी में कार्य हेतु Health Products सेल्स वर्कर Post- 5, सेल्स मैनेजर Post- 1 की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार- 12000 से 25000, + योग्यतानुसार संपर्क - 62682-79954.(आरो-1623)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु अनुभवी वेल्डर-01, हेल्पर-01 एवं दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है संपर्क करें सुखवीर टेंट हाउस पावर हाऊस भिलाई मो.- 9977092710, 7000657551. (आरो-788)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-OM)

आवश्यकता

आवश्यकता है- बांक्स वाला सामान उठाने व गाडी में चढाने के लिए 8वीं, 10वीं, पास लडको की आवश्यकता है। सैलरी पांच अंको में। रहने की सुविधा । सम्पर्क - यश ग्रुप, कचना हाऊसिंग बोर्ड, खम्हारडीह, रायपुर सम्पर्क समय - 11 से 5 बजे मों. नं. - 9926791401. (RO-6848)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन । Co- 9630773028, 9691233111.(RO-361)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे (रहना फ्री) सैलरी 10,000 +कमीशन +बोनस संपर्क करें:- 8085106943 मुंगेली नाका चौक बिलासपुर (RO-191)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार मो. 7389769528 (RO-6754)

इलेक्ट्रिकल/वेल्डर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एवं वेल्डर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसरा सुपेला भिलाई संपर्क करें मो . 9827806026 (RO-Bhilai)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 940 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (24500+52500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- 9915947081 (RO-1071)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी घरबैठे पार्ट/फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification,Call/WhatsApp करें- 07903284986. (RO-1069)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

RAIPUR SMART BUSINESS

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-

GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम अन्तर्गत TNC स्वीकृत कालोनी में प्लाट बेचना है (1) मोपका घी कुण्ड तालाब के बगल में श्री जेपी विहार कालोनी में 1000 वर्गफुट (2) मंगला दीनदयाल कालोनी के पीछे 1100 वर्गफुट (3) रतनपुर मुख्य मार्ग में बिरकोना मोपका बाइपास रोड पर बालाजी सिटी कालोनी में 1250 वर्गफुट (4) हेमू नगर जीनत ग्रीन विहार कालोनी के पास 1000 वर्गफुट। नामांतरण फ्री, डायरेक्ट मालिक से बैठक, कोई ब्रोकरेज शुल्क नहीं सम्पर्क- 9893266152. (RO-38309

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबर संक्षेप

मांग से तेल-तिलहन की कीमतों में आया सुधार

नई दिल्ली। त्योहारों का मौसम नजदीक आने के बीच मांग सुधरने के कारण घरेलू तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के दाम मामूली सुधार दर्शाते बंद हुए। मूंगफली तेल के भाव पूर्व सप्ताह के बंद स्तर पर स्थिर बने रहे।

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। संसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.22 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 294.64 अंक या 0.36 प्रतिशत नीचे आया।

रेपोनो का एसएमई आईपीओ 28 से 30 जुलाई तक रहेगा खुला

Repono

नई दिल्ली। वेयरहाउसिंग और लिक्विड टर्मिनल समाधान प्रदाता रेपोनो ने अपने 26.6 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम् रके लिए 91-96 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 28 जुलाई यानी सोमवार को खुलेगा। रेपोनो लिमिटेड ने बयान में कहा कि आईपीओ 30 जुलाई को बंद होगा।

टीसीएस करने जा रहा 12,000 कर्मचारियों की छंटनी, एआई बनी बड़ी वजह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) छंटनी करने जा रही है। कंपनी अपने पूरे वर्क फोर्स का 2 प्रतिशत (करीब 12000) कर्मचारियों को निकाल सकती है। टीसीएस की तरफ से यह छंटनी अगले साल की जा सकती है।

- टेक्नोलॉजी की वजह से हो रहे बदलाव के लिए कंपनी अपने को कर रही तैयार

टेक्नोलॉजी की वजह से हो रहे बदलाव में अपने आपको तत्पर और भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए यह प्रयास हो रहे हैं। 'एआई और ऑपरेटिंग मॉडल में नई टेक्नोलॉजी की तरफ शिफ्ट कर रहे हैं। हम काम करने के अपने तरीक को बदल रहे हैं। हमें अपने आपको तत्पर रखना होगा।' उन्होंने कहा कि हम बड़े स्तर पर एआई का प्रयोग कर रहे हैं। साथ ही हम स्किल्स का मूल्यांकन भी कर रहे हैं जिनकी हमें भविष्य में जरूरत पड़ेगी।

कंपनी पूरे वर्क फोर्स के दो प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल सकती है

छह लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत

टीसीएस में जून के अंत तक 6,13,000 कर्मचारी थे। इस हिसाब से देखें तो 2 प्रतिशत करीब 12000 कर्मचारियों के बराबर होगा। बता दें, के. कृतिवासन ने कहा, 'यह एक कठिन फैसला है। लेकिन मजबूत टीसीएस के लिए हमें यह फैसला लेना होगा।'टीसीएस ने अभी कुछ हफ्ते पहले ही कर्मचारियों की बेंच नीति में बदलाव किया था। नए नियम के तहत कर्मचारियों को कम से कम 225 दिन बिल योग्य रखने होंगे। वहीं, बेंच समय 35 दिन से कम रखना होगा।

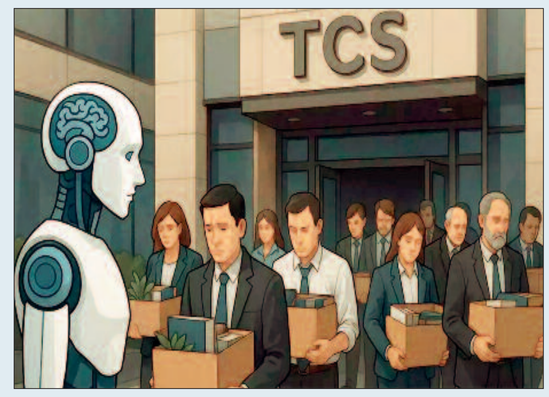

नई पॉलिसी

नई पॉलिसी के तहत कर्मचारियों को एक साल में कम से कम 225 बिलेबल डेज मेंटेन करने होंगे। इसका मतलब है कि उन्हें कम से कम 225 बिजनेस डेज ऐसे प्रोजेक्ट पर रहना होगा, जिससे कंपनी को रेवेन्यू मिलेगा।साथ ही बेंच पर रहने की अवधि अब 35 दिन तक सीमित रहेगी। प्रोजेक्ट से दूरी के टाइम को बेंच होल्डिंग टाइम कहा जाता है।

सीईओ ने अब तक का सबसे कठिन फैसला बताया

के. कृतिवासन कहते हैं, 'हमने अपने सहयोगियों के करियर ग्रोथ में बड़ा निवेश किया है। लेकिन फिर भी हम पा रहे हैं कि कई भूमिकाओं की जरूरत भविष्य में नहीं पड़ेगी। ग्लोबल वर्कफोर्स के 2 प्रतिशत हिस्से पर इसका असर पड़ेगा। बतौर सीईओ यह मेरे लिए अब तक का सबसे कठिन फैसला होगा।' बता दें, के. कृतिवासन ने कहा कि मिडिल और सीनियर लेवल के कर्मचारियों पर इस फैसले का असर पड़ेगा।

भारत ने एफटीए के तहत कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क रियायतें दी

भारत ने ब्रिटेन के पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन व सौंदर्य प्रसाधन पर शुल्क में राहत की पेशकश की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन, सौंदर्य प्रसाधन और माइक्रोवेव ओवन सहित कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क में रियायतें दी हैं, जबकि घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा है।

पिछले बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) केक, प्रोटीन कॉन्संट्रेट, पशुओं के भोजन, साबुन, शेविंग क्रीम, डिटर्जेंट, और एयर कंडीशनर (एसी) व वाशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

ब्रिटिश कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त समय

हालांकि, ये रियायतें विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से दी जा रही हैं ताकि भारतीय उद्योग को ब्रिटिश कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का पर्याप्त समय मिल सके।यह समझौता लगभग एक वर्ष में लागू होगा क्योंकि इसके लिए ब्रिटिश संसद की मंजूरी आवश्यक है।

घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को बाहर रखा

भारत को ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है

ये रियायतें विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से दी जा रही हैं

कच्चे माल में चरणबद्ध रियायतें शामिल

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, "इस समझौते में विभिन्न क्षेत्रों- चॉकलेट और उपभोक्ता उपकरणों से लेकर औद्योगिक कच्चे माल तक में चरणबद्ध रियायतें शामिल हैं, जबकि रणनीतिक रूप से चाय, कॉफी और सोने जैसी संवेदनशील वस्तुओं को इससे बाहर रखा गया है। भारत कॉफ़ी और चाय पर 110 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाता है।

पेस्ट्री, केक पर लगता है 33 फीसदी कर

पेस्ट्री, केक और प्रोटीन कॉन्संट्रेट जैसे स्नैक आइटम, जिन पर क्रमशः 33 प्रतिशत और 44 प्रतिशत कर लगता है, 10 साल की अवधि में शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। प्रसंस्कृत खाद्य श्रेणी में, पालतू जानवरों के भोजन, जिन पर वर्तमान में 22 प्रतिशत कर लगता है, को सात वर्षों के भीतर पूर्ण शुल्क समाप्ति का लाभ मिलेगा।

90 फीसदी वस्तुओं पर आयात शुल्क समाप्त होगा

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार, भारत ने ब्रिटेन से आयातित लगभग 90 प्रतिशत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने या समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।

शुल्क को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना

इन वस्तुओं को सीईटीए के तहत किसी भी शुल्क राहत से बाहर रखा गया है, जो घरेलू किसानों और खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं की सुरक्षा के भारत के प्रयासों को दर्शाता है। शुल्क को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना अलग-अलग समय-सीमाओं में बनाई गई है। उदाहरण के लिए, चॉकलेट, जिस पर वर्तमान में 33 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है, पर अगले सात वर्षों में समान वार्षिक कटौती के साथ यह शुल्क शून्य हो जाएगा।

रासायनिक निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

केमेक्सिल ने रविवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) देश के रासायनिक निर्यात और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इस समझौते से रसायन क्षेत्र की कई उत्पाद श्रेणियों को ब्रिटेन में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। रसायन निर्यातकों के संगठन केमेक्सिल ने कहा कि व्यापार समझौते के तहत रसायन क्षेत्रों की 1,000 से अधिक शुल्क लाइन या उत्पाद श्रेणियों को ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पहुंच दी गई है।

अमेरिकी बाजार से उत्पाद वापस मंगा रही तीन भारतीय कंपनियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- विनिमार्ण संबंधी समस्यों व उत्पाद मिश्रण है कारण
- सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज मंगा रही दवाएं

घरेलू दवा कंपनियां सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज विनिर्माण संबंधी समस्याओं और उत्पाद मिश्रण के कारण अमेरिकी बाजार से अपनी दवाएं वापस ले रही हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने यह जानकारी दी है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई की सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज अमेरिका में एक जेनेरिक दवा की 5,448 बोतलें वापस मंगा रही है।प्रिंसटन स्थित सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज इंक लिस्डेक्सामफेटामाइन डाइमेसिलेट कैप्सूल (60 मिलीग्राम) के प्रभावित लॉट को वापस मंगा रही है। इसने कहा कि दवा कंपनी ने इस साल 16 जून को अमेरिका में इस दवा के लिए वापसी प्रक्रिया शुरू की है। मुंबई की एक अन्य दवा निर्माता कंपनी ल्यूपिन उच्च रक्तचाप के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक जेनेरिक संयोजन दवा की 58,968 बोतलें वापस मंगा रही है।

ओमेप्राजोल की दवा वापस मंगा रही

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ओमेप्राजोल विलंबित-रिलीज कैप्सूल की 1,476 बोतलें वापस मंगा रही है। इस दवा का उपयोग पेट संबंधी कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। यूएसएफडीए ने बताया कि प्रिंसटन स्थित डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज, इंक. ने 30 जून, 2025 को इस दवा को वापस मंगाने की प्रक्रिया शुरू की है।

इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में देवेश ने गोल्ड और देबदत्ता ने जीता था सिल्वर मैडल

पीएम ने मन की बात में देवेश और देबदत्ता की उपलब्धि को सराहा

कोटा। कॅरियर और केयर सिटी कोटा के विद्यार्थी अपनी उपलब्धियों से देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। भारतीय प्रतिभाओं के इस प्रदर्शन को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सराहा है। रविवार को प्रसारित हुए मन की बात के 124वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देवेश पंकज व देबदत्ता प्रियदर्शी की उपलब्धि को सराहा है। ये दोनों एलन के क्लासरूम स्टूडेंट हैं।

कैमेस्ट्री ओलम्पियाड का फाइनल यूएई में हुआ, जिसमें 4 स्टूडेंट्स ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था, इसमें दो एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट्स थे। देवेश पंकज ने गोल्ड मैडल तथा देबदत्ता प्रियदर्शी ने सिल्वर मैडल जीता।

Debadatta Priyadarshi

Devesh Pankaj

देवेश ने कक्षा 12 के साथ तथा देबदत्ता ने कक्षा 10 के साथ परीक्षा देते हुए यह उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में मैडल जीते हैं। इसमें देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्ता प्रियदर्शी और उज्जवल केसरी ने भारत का नाम रोशन किया है। इसमें इसके साथ ही आस्ट्रेलिया में हुए इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलम्पियाड में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है। इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलम्पियाड 3 गोल्ड, 2 सिल्वर व एक ब्रोंज मैडल हासिल किया है।

उल्लेखनीय है कि देवेश पंकज पिछले सात वर्षों से एलन कोटा का क्लासरूम स्टूडेंट हैं। इसी तरह देबदत्ता भी पिछले तीन साल से एलन के क्लासरूम स्टूडेंट हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलम्पियाड में देश की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

माइंडस्पेस रीट ने मैक सॉफ्टटेक में किया 100 प्रतिशत अधिग्रहण

MINDSPACE BUSINESS PARKS REIT

नई दिल्ली। रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट ने 512 करोड़ रुपये में मैक सॉफ्टटेक प्राइवेट लि. (एमएसटीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी ने एक बयान में यह कहा। मैक सॉफ्टटेक की हैदराबाद में 'क्यू सिटी' के नाम से 8.1 लाख वर्ग फुट की वाणिज्यिक संपत्ति है। इस अधिग्रहण के साथ माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट (एमरीट) हैदराबाद के वित्तीय जिले में प्रवेश कर गयी है। के रहेजा कॉर्प समूह प्रायोजित एमरीट के पास देश के चार प्रमुख कार्यालय बाजारों...मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में उच्च-गुणवत्ता वाले ग्रेड ए कार्यालय हैं। कंपनी का यह रणनीतिक अधिग्रहण माइंडस्पेस रीट का अपने पोर्टफोलियो पार्क्स के बाहर पहला तृतीय पक्ष परिसंपत्ति का अधिग्रहण है।

आरबीआई के ताजा बुलेटिन में कहा गया

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा बुलेटिन के अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।

पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, "इस समय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ

बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। आरबीआई ने अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

दो प्रतिशत तक कम हुई : इसके साथ ही कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर में 0.1 प्रतिशत की कमी की गई। ऐसे में वाणिज्यिक बैंकों के नए और बकाया रुपया ऋणों पर भारित औसत कर्ज दरें फरवरी-मई, 2025 के दौरान क्रमशः 0.26 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत कम हुईं। इस अवधि में नई और बकाया जमाओं पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरें क्रमशः 0.51 प्रतिशत और दो प्रतिशत तक कम हुईं।

बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ बढ़कर 4541 करोड़ रुपए...

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1.9 प्रतिशत बढ़कर 4,541 करोड़ रुपये हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 4,458 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। बैंक ने एक बयान में कहा कि 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका परिचालन लाभ सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 8,236 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने कहा, 'परिचालन लाभ में वृद्धि को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में गैर-ब्याज आय के 88 प्रतिशत बढ़कर 4,675 करोड़ रुपये होने से समर्थन मिला।' हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा की शुद्ध ब्याज आय 1.4 प्रतिशत घटकर 11,435 करोड़ रुपये रह गई।

सोना बीते 6 साल में 200 प्रतिशत उछला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने की कीमत में हाल के दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले छह वर्षों में अगर देखें तो इस पीली धातु की कीमतों में 200 प्रतिशत का उछाल आया है।

साल 2019 के मई के महीने में जहां प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 रुपये थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अब ये 2025 के जून में बढ़कर एक लाख रुपये के भी पार कर चुकी है। सोने ने इस साल भी जबरदस्त रिटर्न दिया है। दरअसल, एमसीएक्स पर सोने का

भाव 2019 के मई में प्रति 10 ग्राम 32,000 रुपए था जो इस समय बढ़कर प्रति 10 ग्राम 97,800 रुपए हो चुका है।

यानी छह साल के दौरान 200 प्रतिशत का निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इन छह वर्षों में सोने ने अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

पतंजलि योगपीठ में दो दिवसीय निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

हरिद्वार। पतंजलि वेलनेस और उद्धार जैफरीज नागपुर के संयुक्त तत्वाधान में पतंजलि योगपीठ में शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर 26 एवं 27 जुलाई क़ो पतंजलि वेलनेस में लगाया गया।

हरिद्वार क़ी ओर से दिव्यांगजन के सशक्तिकरण क़ो लेकर आयोजित दो दिवसीय निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का रविवार को सफलता पूर्वक समापन हुआ। इस जनसेवा शिविर में 250 से अधिक दिव्यांग लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ, पैर, कैलिपर, बैसाखी आदि सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शिविर की सफलता क़ो देखते हुए यह तय किया गया कि शिविर क़ो हर तीन से चार माह के अंतराल में लगाया जायेगा। इस पुनीत अवसर पर पतंजलि

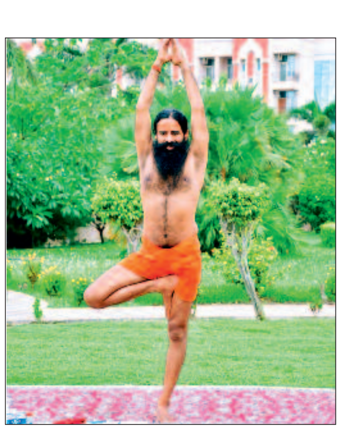

- 250 से अधिक लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर और बैसाखियाँ प्रदान की गईं
- स्वामी रामदेव ने कहा ये दिव्यांग नहीं दिव्य आत्माएं हैं

योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव महाराज एवं संयुक्त महासचिव आचार्य बालकृष्ण स्वयं उपस्थित रहे। दोनों ने लाभार्थियों को उपकरण प्रदान किए और आत्मनिर्भरता की राह पर उनका उत्साहवर्धन किया। स्वामी रामदेव ने कहा कि 'ये दिव्यांग नहीं, दिव्य आत्माएँ हैं। इन्हें सहानुभूति नहीं, सशक्तिकरण चाहिए।' आचार्य बालकृष्ण ने भी शिविर में उपस्थित होकर दिव्यांगजनों के साथ संवाद किया।शिविर में मुख्य रूप से स्वामी विदेहदेव, स्वामी पुण्य देव, बहन पूजा आदि के साथ शिविर में उद्धार टीम मैनेजमेंट के लोग मौजूद रहे।

बिजनेस साइट

सुमीत बाजार में भारी छूट-सिर्फ 31 जुलाई तक, अंतिम 4 दिन शेष

रायपुर। सुमीत बाज़ार में चल रही 'अपटू 50% ऑफ' की विशेष छूट अब अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है। मेंस वियर एवं साड़ियों पर मिल रही यह विशेष छूट सिर्फ 31 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। ऐसे में खरीदारी के इच्छुक ग्राहकों के पास अब केवल 4 दिन का समय शेष है। ग्राहकों द्वारा इस सेल को जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। खरीदारी का उत्साह सुमीत बाज़ार के सभी

ब्रांचों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पारंपरिक से लेकर वेस्टर्न परिधानों तक, सभी वर्गों के लिए विशेष छूटों का लाभ उठाया जा रहा है। सुमीत बाज़ार ने हमेशा की तरह इस बार भी कुछ नया पेश करने का प्रयास किया है, और उसे ग्राहकों से भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। चप्पे-चप्पे में फैली इसकी शाखाओं में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

अब क्यूआर कोड के साथ बिकेगी कोल्हापुरी चप्पल

एजेंसी ▶▶| कोल्हापुर

भारत के सबसे प्रतिष्ठित पारंपरिक शिल्प में से एक कोल्हापुरी चप्पल, न केवल घरेलू फैशन जगत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नए सिरे से लोकप्रिय हो रही है। एक इतालवी ब्रांड प्राडा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का आरोप लगा है।

अपनी जटिल कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के दर्जे वाली यह हस्तनिर्मित चमड़े की सैंडल को अब क्यूआर कोड के रूप में सुरक्षा और प्रामाणिकता की एक अतिरिक्त परत के साथ उपलब्ध है। इसका श्रेय हालिया प्रौद्योगिकी और कानूनी नवोन्मेषण को जाता है।

इतालवी ब्रांड प्रादा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का लगा आरोप

प्रादा ने स्वीकारी गलती

हाल ही में, इटली के लक्जरी फैशन ब्रांड प्राडा के नए कलेक्शन में कोल्हापुरी चप्पल जैसे दिखने वाले फुटवियर को शामिल किए जाने पर कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए विरोध जताया था। इस विवाद के बाद प्राडा ने स्वीकार किया था कि उसके पुरुषों के 2026 फैशन शो में प्रदर्शित सैंडल पारंपरिक भारतीय दस्तकारी वाले फुटवियर से प्रेरित थी।

12 वीं शताब्दी से चली आ रही परंपरा

12वीं शताब्दी से चली आ रही यह चप्पल मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार की जाती रही है। प्राकृतिक रूप से टैन किए गए चमड़े और हाथ से बुनी हुई पट्टियों से बना इनके विशिष्ट डिजाइन को कारीगरों की पीढ़ियों द्वारा संरक्षित किया है।

उद्देश्य जालसाजी से निपटना

इस डिजिटल पहल का उद्देश्य जालसाजी से निपटना और प्रत्येक उत्पाद के पीछे कारीगर या स्वयं सहायता समूह की पहचान को उजागर करना है। कोड स्कैन करके खरीदार कारीगर या उत्पादन इकाई का नाम और स्थान, महाराष्ट्र में निर्माण के जिले, शिल्प तकनीक और प्रयुक्त कच्चे माल, जीआई प्रमाणन की वैधता और स्थिति जैसी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कर्नाटक सरकार ने 2029 में दिया जीआई दर्जा

शाहू महाराज ने इन चप्पलों के उपयोग को प्रोत्साहित किया, जिससे ग्रामीण शिल्प को एक सम्मानित कुटीर उद्योग के रूप में विकसित करने में मदद मिली। इस सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और कारीगरों को उचित मान्यता सुनिश्चित करने के लिए, महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकारों ने संयुक्त रूप से 2019 में इसके लिए जीआई दर्जा हासिल किया। लिडकॉम ने बयान में कहा कि प्रत्येक जोड़ी चप्पल के लिए क्यूआर-कोडे वाला प्रमाणन शुरू किया है।

डिविलियर्स का तूफानी शतक, द.अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 95 रनों से रौंदा

एजेंसी ▶▶| महेडिंग्ले

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के 12वें मुकाबले में साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को एबी डिविलियर्स की शतकीय पारी और इमरान ताहिर व कप्तान आरोन फांगिसो की घातक गेंदबाजी के दम पर 95 रन से हरा दिया।

इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था और फिर 20 ओवर में 6 विकेट पर 241 रन का विशाल स्कोर बनाया। कंगारू टीम को जीत के लिए 242 रन का टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम पूरी तरह से बिखर गई और 16.4 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने पाक को पीछे छोड़ा

इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका के 8 अंक हो गए और वो अंकतालिका में पहले स्थान पर 8 अंक के साथ पहुंच गया। पाकिस्तान अब 7 अंक के साथ दूसरे नंबर पर आ गया तो वहीं ऑस्ट्रेलिया 5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर ही है। साउथ अफ्रीका ने अब तक खेले 5 मैचों में से 4 मैच जीते हैं जबकि एक मैच में उसे हार मिली है जबकि कंगारू टीम को अब तक खेले 4 मैचों में पहली बार हार का स्वाद चखना पड़ा। पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने अब सेमीफानल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए बेन कटिंग ने खेली अर्धशतकीय पारी

कंगारू टीम को जीत के लिए 243 रन का बड़ा टारगेट मिला था, लेकिन इस लक्ष्य के सामने ब्रेट ली की टीम ने सरेंडर कर दिया। कंगारू टीम के लिए शॉन मार्श ने 18, डार्शी शॉर्ट ने 13 और बेन डंक ने 15 रन की पारी खेली। क्रिस लीन और डेनियल क्रिस्टियन गोल्डन डक पर आउट हुए। बेन कटिंग ने 29 बॉल पर 4 छक्के और 6 चौकों के साथ नाबाद 59 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। साउथ अफ्रीका के लिए इमरान ताहिर ने 3 जबकि कप्तान आरोन फांगिसो ने 4 विकेट लेकर कंगारू टीम की हवा टाइट कर दी।

एबी ने खेली 123 रन की पारी

एबी डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 39 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इस मैच में एबी ने 46 गेंदों पर 8 छक्के और 15 चौके लगाए साथ ही 123 रन की धमादेकार पारी खेली। एबी का स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 267.39 का रहा। एबी ने पहले विकेट के लिए अपने साथी ओपनर बल्लेबाज जेजे स्मट्स के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 187 रन की गजब की साझेदारी की। जेजे स्मट्स ने इस मैच में 53 गेंदों पर 3 छक्के और 10 चौकों की मदद से 85 रन की पारी खेली। जेपी डुमिनी ने 9 गेंदों पर 16 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया के लिए पीटर सीडल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

दलीप ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र का कप्तान बने तिलक वर्मा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय बल्लेबाज एन. तिलक वर्मा को अगले महीने होने वाली घरेलू सत्र की शुरुआती टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र का कप्तान बनाया गया है। बाईस बरस के तिलक ने भारत के लिए चार वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। वह शानदार लय में है और इंग्लैंड की काउंटी टीम हैम्पशर के लिए हाल ही में चार पारियों में 100, 56, 47 और 112 रन बनाए है।

रणजी ट्रॉफी फाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के चार खिलाड़ियों ने 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है। इसमें मोहम्मद

अजहरुद्दीन टीम के उपकप्तान होंगे जबकि एमडी निधीश, बेसिल एनपी और सलमान निसार भी टीम में जगह पाने में सफल रहे। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन (जो चोटिल ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर इंग्लैंड गए हैं),बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आर. साई किशोर और मध्यक्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल भी टीम में हैं।

खबर संक्षेप

स्कॉटिश ओपनः 48वें स्थान पर पहुंची दीक्षा

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर 2025 आईएसपीएस हांडा महिला

स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 11 स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता 24 साल की दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 59वें स्थान पर थीं।

कश्मीर के खिलाड़ी जीत सकते हैं ओलंपिक में पदक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बिलकिस मीर का मानना है कि बर्फ से ढकी ढलानें, ग्लेशियर से निकलने वाली

नदियां और खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को देखते हुए शीतकालीन खेलों और जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ियों के पास देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता है। पेरिस ओलंपिक (2024) में जूरी सदस्य के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला मीर ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर और देश को पोडियम के शीर्ष स्थान पर देखना चाहती हैं और इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगी।

सीनियर ओपनः भारतीय खिलाड़ियों की तालिका में शीर्ष पर अटवाल

सनिंगडेल (ब्रिटेन)। अर्जुन अटवाल आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन गोल्फ के तीसरे दौर में 1-अंडर 69 का स्कोर करने के

बाद संयुक्त 29वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में तालिका में शीर्ष पर है। सीनियर्स टूर पर अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे अटवाल ने शुरुआती दो दौर में 67 और 72 के कार्ड खेले थे। 54 होल के खेल के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर का है। ज्योति रंधावा (70-71-70) एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 50वें स्थान पर है, जबकि जीव मिल्खा सिंह (71-69-74) पांच-ओवर के स्कोर साथ संयुक्त 69वें स्थान पर है।

राहुल-शुभमन और वाशिंगटन-रवींद्र की अटूट साझेदारी

गिल-सुंदर और जडेजा की ऐतिहासिक पारी, इंग्लैंड टीम हताश, मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

कप्तान शुभमन गिल की साहसिक शतकीय पारी के बाद रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों से इंग्लैंड के खिलाफ भारत पांच मैचों की श्रृंखला का चौथा टेस्ट में रविवार को ड्रॉ कराने में सफल रहा। पहली पारी में 311 रन के बड़े अंतर से पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बिना खाता खोले दो विकेट गंवाने के बावजूद चार विकेट पर 425 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल (103) और लोकेश राहुल (90) के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 107) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 101) ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच में वापसी का मौका नहीं दिया। इंग्लैंड हालांकि श्रृंखला में 2-1 से आगे है। इसका आखिरी मैच 31 जुलाई से द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

अंग्रेजों के घर में जडेजा का कारनामा

जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट मैच खेलते हुए 1000 रन पूरे कर लिए हैं। ऐसा करने वाले वे 7वें एशियाई खिलाड़ी बन गए हैं। इसके अलावा जडेजा इंग्लैंड में 30 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं। ऐसा भी 18 एशियाई खिलाड़ी इंग्लैंड की धरती पर कर चुके हैं। लेकिन आज तक कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं आया, जिसने इंग्लैंड में 30 से ज्यादा विकेट भी लिए हों और 1000 से ज्यादा रन भी बनाए हों। लेकिन रवींद्र जडेजा ने अंग्रेजों के घर में ये कारनामा कर दिया है।

मैनचेस्टर में शतक लगाने वाले भारतीय

- सैयद मुश्ताक अली - 112 रन (1936)
- विजय मर्चेन्ट - 114 रन (1936)
- अब्बास अली बैग - 112 रन (1959)
- पॉली उमरीगर - 118 रन (1959)
- सुनील गावस्कर - 101 रन (1974)
- संदीप पाटिल - 129 रन (1982)
- मोहम्मद अजहरुद्दीन - 179 रन (1990)
- सचिन तेंदुलकर - 119 रन (1990)
- शुभमन गिल - 103 रन (2025)
- रवींद्र जडेजा - 107 रन (2025)
- वाशिंगटन सुंदर - 101 रन (2025)

शुभमन ने सीरीज में 700 से ज्यादा रन ठोके

जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट में 8 बार 50 या उससे अधिक रन बनाए हैं, ये सभी पारियां छठे या निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए

कप्तान के रूप में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक शतक

- 4 – सर डॉन ब्रैडमैन बनाम भारत, 1947/48 (घरेलू)
- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू)
- 4 – शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025 (विदेशी)**

विदेशी सरजमीं पर दो भारतीय बल्लेबाजों ने बनाए 500 रन से अधिक

टेस्ट इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ, जब विदेशी सरजमीं पर एक ही टेस्ट सीरीज में दो भारतीय बल्लेबाजों ने 500+ रन बनाए। इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने चार मुकाबलों की आठ पारियों में 99.57 की औसत के साथ 697 रन बनाए हैं। वहीं, दूसरी तरफ केएल राहुल चार मुकाबलों की आठ पारियों में 72.57 की औसत के साथ 508 रन जोड़े हैं। पहली बार यह कारनामा भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 1970-71 में खेली गई टेस्ट सीरीज में किया था।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 358
इंग्लैंड पहली पारी: 669

भारत दूसरी पारी:	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का रूट बो वोक्स	00	1	0	0
राहुल पगबाधा स्टोक्स	90	230	8	0
सुदर्शन का ब्रुक बो वोक्स	00	1	0	0
गिल का स्मिथ बो आर्चर	103	238	12	0
सुदर्शन नाबाद	101	206	9	1
रविंद्र जडेजा नाबाद	107	185	13	1

अतिरिक्त : 24 कुल : 143 ओवर में चार विकेट पर 425 रन
गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 23-4-67-2, जोफ्रा आर्चर 23-3-78-1, ब्रायडन कार्स17-3-44-0, लियाम डॉसन 47-11-95-0, जो रूट 19-2-68-0, बेन स्टोक्स 1-2-33-1, हैरी ब्रुक्स 3-0-24-0

एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए सर्वाधिक शतक

- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज़, 1971 (विदेश में)
- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज़, 1978/79 (घरेलू)
- 4 – विराट कोहली बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2014/15 (विदेश में)
- 4 – शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025 (विदेश में)**

डीसी ओपनः फाइनल में पहुंची लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं।

फाइनल में दूसरी बार पहुंचे मनोर

पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। अब उनकी भिड़ंत स्पेन के 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगी। फोकिना ने सेमीफाइनल में चौथे वरीय बेन शेल्टन को 6-2, 7-5 से हराया।

टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए व्यवस्था की जरूरत

नई दिल्ली। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, 'हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है, जो लगातार चैंपियन तैयार करे।' उन्होंने कहा, 'युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है। जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे।' भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते, जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया।

ग्रीन और इंग्लिस का अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से दी मात

एजेंसी ▶▶| बासेटेरे (सेंट किट्स)

कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर 5 मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, 3 छक्के, 3 चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, 1 छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

- आस्ट्रेलिया ने 5 मैच की टी20 श्रृंखला में बनाई 4-0 की बढ़त

वेस्टइंडीज ने बनाए 205 रन

वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया, जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

विश्व विश्वविद्यालय खेलः भारत ने स्पर्धा में जीते दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक

अंकिता ने 3 हजार मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत पदक

एजेंसी ▶▶| राइन रूहर (जर्मनी)

भारत की स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों के अंतिम दिन 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता।

रविवार को कई भारतीय एथलीट ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) के मिली सेकेंड से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

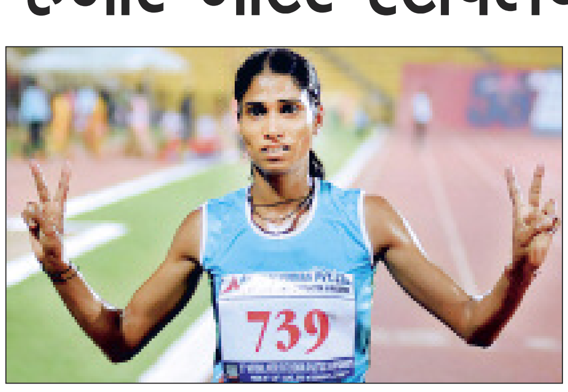

भारतीय पैदल चाल एथलीटों का प्रदर्शन निराशाजनक

रिले स्पर्धाओं में भारत पारंपरिक रूप से मजबूत है, जो पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर और चार गुणा 100 मीटर तथा महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले स्पर्धाओं में पदकों की संख्या को और बेहतर करने की कोशिश करेगा। भारतीय पैदल चाल एथलीटों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कोई भी पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष 10 में भी जगह नहीं बना पाया। हालांकि कुछ ने व्यक्तिगत या सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।

अंकिता ने हीट 1 में हासिल किया था शीर्ष स्थान हासिल

अंकिता ने 9:54.79 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। सुबह के सत्र में अंकिता के पदक जीतने के साथ भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपने पदकों की संख्या दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदकों तक पहुंचा दी है। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, लेकिन यह पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। अनखा बिजुकुमार, देवयानीबा जाला, रशदीप कौर और रूपल की चौकड़ी पांचवें स्थान पर रही।

तीरंदाज जाधव को स्वर्ण

साहिल जाधव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता।

आईटीबीपी ने केएएमएसएफसी को 2-1 से हराया

कोकराझार। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) फुटबॉल टीम ने डूरंड कप में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए रविवार को यहां ग्रुप डी मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी (केएएमएसएफसी) को 2-1 से हराया। आई-लीग 3 में खेलने वाली केएएमएसएफसी को 23वें मिनट के बाद से ही 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जब घाना के सेंटर-बैक बेन नैश क्वांश को रेड कार्ड दिखाया गया। दोनों ही नई टीमें मिडफील्ड पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रही थीं लेकिन असम की टीम ने लुनमिनलेन हाओकिप के गोल से बढत कायम की। आईटीबीपी ने एक खिलाड़ी के फायदे का इस्तेमाल करते हुए गेंद पर बेहतर नियंत्रण बनाया और पुलुंग डियामरी तथा हेमराज भुजेल के गोलों से जीत दर्ज कर पूरे तीन अंक हासिल किए।

विश्व तैराकी चैंपियनशिप में आर्यन-लिखित का सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय तैराक आर्यन नेहरा विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00.39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42.07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दूसरी ओर लिखित ने पुरुषों की

100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 1.99 सेकेंड का समय लेकर कुल मिलाकर 40वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तुर्की के नुसरत अल्लाहवर्दी एक मिनट 1.11 सेकेंड के समय के साथ हीट में सबसे तेज तैराक रहे।

दुनियाभर में लोग शहरों का रुख करते हैं, ताकि वे अपनी जिंदगी को खुलकर जी सकें. सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कई चुनौतियां होती हैं, वहीं शहरों में लग्जरी लाइफ की रंगीनियत साफ-साफ दिखाई देती है। लेकिन, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनका मन शहरों से भर जाता है और वे निर्जन जगहों पर जाकर बसने का ख्वाब देखने लगते हैं।

6 लोगों के साथ निर्जन आइलैंड पर रहती है महिला, कभी शहर में जीती थी लग्जरी लाइफ

एजेंसी ▶▶| लंदन

आज हम आपको एक ऐसी ही महिला से मिलवाने जा रहे हैं, जिसने ब्रिटेन की शहरी ज़िंदगी और वहां की रंगीन लाइफ को छोड़ दिया और न्यूजीलैंड के एक ऐसे निर्जन आइलैंड पर रहने लगी, जहां कुल 6 लोग ही रहते हैं। लेकिन इस महिला ने ये अजीब फैसला क्यों लिया? दरअसल, इस महिला को शहरों की भागमभाग जिंदगी की जगह शांतिपूर्ण जीवन पसंद था। इस महिला का नाम कैटरिन है, जो 22 साल की हैं। कैटरिन को घूमने का बेहद शौक है। ऐसे में साल 2023 में उन्होंने वेल्स में अपना घर छोड़कर न्यूजीलैंड के ऑकलैंड तट से 11,000 मील दूर स्थित मोटुटापु द्वीप पर रहने का फैसला किया।

हलचल भरी जिंदगी से हटकर शांति और सादगी की तलाश

अद्भुत नज़ारों से भरा है आइलैंड

यह एक छोटा सा द्वीप है, जिसकी आबादी सिर्फ छह लोगों की है। माओरी भाषा में मोटुटापु का अर्थ पवित्र है। यह आइलैंड अद्भुत नजारों से भरा है और यहां की जैव-विविधता भी लाजवाब है। कैटरिन ने नौ महीने यहां रहकर एक आउटडोर एंटरटेनमेंट सेंटर में काम किया और अपनी वेबसाइट पर इस रिमोट जगह पर रहने के फायदे और नुकसान के बारे में बताया। कैटरिन के इस अजीब फैसले के पीछे शहरों की रंगीन पर थका देने वाली जिंदगी से इतर शांतिपूर्ण जीवन की तलाश थी. ऐसे में वो मोटुटापु पहुंच गईं, जहां शांति ही शांति थी और वहां पक्षियों का चहचहाना ही सुनाई देता है, जो उन्हें बेहद पसंद आया।

सुरक्षा की चिंता भी नहीं सताती

इतना ही नहीं, रात में रोशनी कम होती थी, जिससे आसमान में हजारों तारे साफ दिखाई देते हैं। इसके अलावा उन्हें इस आइलैंड पर सुरक्षा की चिंता भी नहीं सताती। यहां रात में भी वो आराम से बाहर निकल जाती हैं और दरवाजे भी खुले रहते हैं। सबसे अहम, आइलैंड पर कोई दुकानें या पब न होने के कारण उन्हें पैसे बचाने में मदद मिली, जो शहरी जीवन में मुश्किल था। बता दें कि कैटरिन सोलो ट्रैवलर हैं और अकेले ही घूमने निकल जाती हैं।

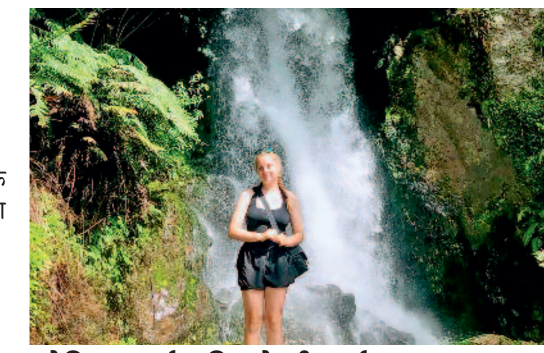

लेकिन, कई मुश्किलें भी आईं!

कैटरिन यूं तो अपने इस नई लाइफ से बेहद खुश हैं, लेकिन इस निर्जन आइलैंड पर रहते हुए उनके सामने कुछ चुनौतियां भी आईं। इस आइलैंड पर कोई दुकान या रेस्टोरेंट नहीं होने के कारण खाने से जुड़ी परेशानियां आईं। ऐसे में उन्हें मेनलैंड तक जाने के लिए फेरी का इंतजार करना पड़ता था। सीमित आबादी (केवल 5 अन्य लोग) और नाइटलाइफ की कमी के कारण उन्हें कभी-कभी जिंदगी उबाऊ लगती थी। कैटरिन ने महसूस किया कि लगातार एक ही जगह, एक ही दृश्य और एक ही लोगों के साथ रहने से कभी-कभी बेचैनी महसूस होने लगती थी। हालांकि, कैटरिन की कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है, जो हलचल भरी जिंदगी से हटकर शांति और सादगी की तलाश में हैं।

रोचक खबरें

एक अक्षर की गलती ने छीन लिया सुख-चैन 22 दिन की जेल, 17 साल चला मुकदमा

मैनपुरी। राजवीर सिंह यादव वो शख्स नहीं थे, जिसे पुलिस गिरफ्तार करना चाहती थी। पुलिस उनके भाई रामवीर को पकड़ना चाहती थी, लेकिन एक अक्षर की गलती ने पूरा केस ही पलट दिया। टाइपिंग एरर की वजह से नाम बदला और राजवीर को 22 दिनों के लिए जेल जाना पड़ा। हालांकि, पुलिस ने कुछ ही हफ्तों में अपनी गलती मान ली, गलती करना नहीं छोड़ा। मामला अदालत में 17 साल तक चला।इससे एक निर्दोष की रोजी-रोटी, उसके बच्चों की शिक्षा और उनकी मानसिक शांति छिन गई। अब 55 साल की उम्र में राजवीर को आखिरकार बरी कर दिया गया है। अदालत ने राजवीर सिंह यादव को निर्दोष करार दिया और उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया, जिनकी घोर लापरवाही के कारण उन्हें करीब दो दशकों तक यातनाएं झेलनी पड़ीं।

अपराधिक इतिहास भी झूठा : हैरान कर देने वाला ये मामला मैनपुरी का है। घटना 31 अगस्त 2008 की है। शहर कोतवाली के तत्कालीन इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने नगला भंत के रहने वाले मनोज यादव, प्रवेश यादव, भोला और राजवीर के खिलाफ गिरोहबंद अपराध का केस दर्ज कराया। मुकदमे की विवेचना दन्नाहार थाना पुलिस को दी गई।

लापरवाही और अनदेखी बनी आफत

विवेचक ने यहां फिर कांड कर दिया. राजवीर का नाम हटाकर उसके भाई रामवीर का नाम जोड़ने के बजाय प्रवेश, भोला, मनोज सहित राजवीर के खिलाफ ही चार्जशीट कोर्ट में फाइल कर दी। 2012 में मुकदमा ट्रायल पर आया। फाइनल वर्डिक्ट में राजवीर के अधिवक्ता ने बताया कि 17 साल बाद एडीजे विशेष गैंगस्टर एक्ट स्वप्नदीप सिंघल ने साक्ष्यों के आधार पर राजवीर को 17 साल बाद मुकदमे से बरी कर दिया है।

ऑनलाइन गेम की लत से वाइस प्रिंसिपल बन गई चोर, बुर्का पहन की लाखों की चोरी

अहमदाबाद। कभी-कभी ऐसी खबरें पढ़ने और सुनने को मिलती हैं, जो लोगों को हैरान कर देती हैं। अब इसी तरह की एक खबर सामने आई है, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। दरअसल, अहमदाबाद के मेघानीनगर स्थित एक नर्सिंग कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल को आठ लाख रुपए की चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। वाइस प्रिंसिपल की दाहिनी आंख के पास एक तिल से पुलिस को सुराग मिला। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में बुर्का पहने एक महिला को चोरी-छिपे कॉलेज की तिजोरी से नकदी निकालते देखा गया और तिल से उनकी पहचान उजागर हो गई। वाइस प्रिंसिपल शाहिबाग की रहने वाली है, जिसकी उम्र 42 साल है। उसने पुलिस को बताया कि उसे ऑनलाइन गेम रमी की लत लग गई थी और वह कर्ज के जाल में फंस गई। इस कर्ज से उबरने और खेल जारी रखने के लिए उसने कॉलेज की तिजोरी से पैसे चुराने की योजना बनाई। उसने 22 जुलाई की सुबह 6 बजे तिजोरी से 500 रुपए के नोटों की गड्डी चुरा ली जिसमें कुल 8 लाख रुपए थे। कॉलेज के प्राचार्य ने सुबह तिजोरी खाली, तो मामले का खुलासा हुआ है।

1 महीने खाया सिर्फ मीट, शरीर में आया ऐसा बदलाव, खुद का चेहरा पहचानना हुआ मुश्किल!

न्यूयार्क। हर कोई समझदार होता है, लोगों को खाने-पीने से जुड़ी राय देता है। कोई वेजीटेरियन बन जाता है तो कोई वेज और नॉन-वेज दोनों प्रकार का खाना खाता है। पर क्या आपने कभी सुना है कि कोई व्यक्ति 1 महीने सिर्फ मांस ही खाए? एक महिला ने ऐसा ही किया और 1 महीने तक सिर्फ मीट खाया. शरीर में ऐसा बदलाव आया कि वो अब जब खुद का चेहरा शीशे में देखती है तो उसे पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। कैलिफोर्निया की रहने वाली 30 वर्षीय महिला जानिस लुइज़े रोचा लीट्स ने दावा किया है कि उन्होंने सिर्फ मांसाहारी खाना खाकर न केवल 1 महीने में 9 किलो वजन घटा लिया, बल्कि उनकी त्वचा में भी ऐसा निखार आया जैसे उन्होंने बोटॉक्स करवा लिया हो। जानिस पहले शाकाहारी थीं और उन्होंने लगभग दो साल तक शाकाहारी डाइट का पालन किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें ऊर्जा की कमी, बाल झड़ने और चेहरे पर लाल छोटे-छोटे दाने जैसी समस्याएं झेलनी पड़ीं। जब एक दोस्त ने उन्हें कार्निवोर डाइट (जिसमें केवल मांस, नमक और पानी का सेवन होता है) अपनाने की सलाह दी, तो उन्होंने 30 दिन का यह प्रयोग किया। नतीजा चौंकाने वाला था, उनका वजन कम हुआ, मासिक धर्म नियमित हुआ और त्वचा पूरी तरह साफ हो गई। जानिस का कहना है कि यह डाइट उन्हें गर्भवती होने में भी मददगार साबित हुई। जनवरी 2025 में वह गर्भवती हुईं और उन्हें लगता है कि इसमें इस डाइट की भूमिका रही है, हालांकि वैज्ञानिक रूप से इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है।

खोज

यह अनोखा जीव जहर खाकर उगलता है 24 कैरेट सोना

प्रदूषित धातुओं से भरी मिट्टी में पाया जाता है

लंदन। दुनिया के सबसे खतरनाक और विषैले वातावरण, जहां पर कोई भी जीव रहने की हिम्मत नहीं कर सकता। वहां पर एक ऐसा विचित्र सूक्ष्म जीव रहता है, जो सोना उगलता है। आप हैरान न हों, यह एकदम सच है। यह जीव भारी और प्रदूषित धातुओं से भरी मिट्टी में पाया जाता है। यह जीव उन प्रदूषित धातुओं को धीरे-धीरे खा जाता है और फिर 24 कैरेट सोने के महीन टुकड़ों के रूप में परिवर्तित कर उन्हें बाहर निकाल देता है।

चलता-फिरता सोने का कारखाना : खाने के बाद वह अपने शरीर में एक रसायन को सक्रिय करता है। ऐसा करने पर उसकी सतह पर ठोस सोना बनने लगता है। यह सोना बेहद महीन आकार में होता है। लेकिन, अगर उसे इकट्ठा किया जाए तो बड़ी मात्रा में ठोस सोना बनाया जा सकता है।

कैसे हुई सोना बनाने वाले बैक्टीरियम की खोज?

वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह बैक्टीरियम पहली बार 1976 में बेल्जियम के एक धातु-प्रसंस्करण कारखाने के औद्योगिक कचरे में खोजा गया था। यह उन जहरीले वातावरण में पनपता है, जो अन्य जीवों के जीने के लिए विषाक्त होते हैं। जैसे कि खनन अपशिष्ट, धातु-प्रदूषित मिट्टी और औद्योगिक अपशिष्ट स्थल आदि. यह एक लगभग एक ग्राम वजनी रॉड-आकार का बैक्टीरियम है, जो भारी धातुओं (जैसे तांबा, जस्ता, कैडमियम, पारा, और सोना) के प्रति प्रतिरोध के लिए जाना जाता है। यानी कि यह इन सभी धातुओं को खाकर सोने के रूप में बदल सकता है।

बेहद हाई होता है बैक्टीरियम का मेटाबॉलिज्म

रिसर्च में पता चला है कि इस अनोखे जीव का मेटाबॉलिज्म लेवल बेहद हाई होता है, जिसकी वजह से यह ठोस धातुओं को भी खा जाता है। इसका शरीर प्राकृतिक रूप से डिटॉक्सिफाई मैकेनिज्म से बना है, जिससे इस पर पदार्थों के विषाक्तता का भी कोई असर नहीं होता है। मिट्टी में घुले हानिकारक स्वर्ण आयनों के संपर्क में आने पर यह यह कोप ए और कूप ए जैसे एंजाइम उत्सर्जित करता है। ये एंजाइम विषाक्त यौगिक निष्क्रिय करके उन्हें पचाने में मदद करता है। इसके बाद नैनोकणों के रूप में 24 कैरेट गोल्ड को यह बाहर उगल देता है।

सोना उगलने वाले अनोखे जीव का नाम क्या है?

इस अनोखे जीव का नाम क्यूप्रियाविडस मेटालिड्यूरांस है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी की टीम ने एक खोज में इस जीव का पता लगाया है। रिसर्च में पता चला है कि यह जीवाणु मिट्टी में दबी सोने और तांबे जैसी विषैली भारी धातुओं से निपटने के लिए अपनी प्राकृतिक रक्षा प्रणाली का उपयोग करता है। वह उन ठोस पदार्थों को धीरे-धीरे खाने लगता है।

क्या आपका अगला बच्चा भी लड़का या लड़की ही होगा? वैज्ञानिकों ने तोड़ा 50-50 का मिथ

लंदन। साइंस एडवांसेज पत्रिका में छपी एक नई रिसर्च ने सारी सोच को ही बदल कर रख दिया है। अब तक माना जाता था कि गर्भावस्था में लड़का या लड़की होने की संभावना बराबर होती है। लेकिन, अभी हुए इस नए शोध से सामने आया है कि ऐसा नहीं है। क्या आपके पास एक ही लिंग के बच्चे हैं और आप चाहते हैं कि अलग बच्चा दूसरे जेंडर का हो? शायद इसकी संभावना उतनी नहीं है, जितना आप सोचते हैं। एक नए अध्ययन में ये सामने आया है कि बच्चे का जेंडर तय करने में मां के जेनेटिक कैसे असर डालते हैं।

क्या होता है 50-50 चांस : साइंस एडवांसेज पत्रिका में छपे इस शोध ने एक पुरानी विचारधारा को गलत साबित कर दिया है। पहले ऐसा माना जाता था कि बच्चे का जन्म रैंडम होता है, इसका मतलब की लड़का या लड़की होने की संभावना हमेशा 50-50 प्रतिशत रहती है। इस नए अध्ययन में बहुत ही चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं।

क्या आया शोध का रिजल्ट : आपको बता दें कि जिन परिवारों में पहले से 3 लड़के हैं, वहां अगला बच्चा लड़का होने की संभावना 61 प्रतिशत तक होती है। वहीं, जिन परिवारों में तीन लड़कियां हैं, वहां लड़की होने की संभावना 58 प्रतिशत तक होती है। ये नतीजे 1956 से 2015 के बीच 58 हजार से ज्यादा महिलाओं के आंकड़ों को एनालाइज करके निकाले गए हैं, जिन्होंने 2 या फिर दो से अधिक बच्चों को जन्म दिया।

कैसे तय होती है संभावना?

शोधकर्ताओं ने बच्चे के लिंग और मां के जेनेटिक्स के असर पर भी खासा गौर किया, उन्होंने पाया कि जिन महिलाओं के बच्चे 28 साल की उम्र के बाद हुए उनमें एक ही जेंडर के बच्चे पैदा करने की संभावना ज्यादा थी। अध्ययन के मुख्य लेखक जॉर्ज चावरो ने बताया कि, हमें नहीं पता था कि ये जीन बच्चे के लिंग से क्यों जुड़े हैं?

पूर्ण चंद्र ग्रहण : 7 सितंबर को आकाश में लाल रंग का नजर आएगा चंद्रमा

बीजिंग। खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वालों को जल्दी ही आसमान में चंद्र ग्रहण देखने का मौका मिलने जा रहा है। इस साल 7 सितंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। भारत, चीन, रूस, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका और अरब देशों के रहने वाले लोगों को ये पूर्ण चंद्रग्र ग्रहण सबसे अच्छे से देखने को मिलेगा, जिसे ब्लड मून भी कहा जाता है। चांद का रंग इस दौरान पूरी तरह से बदल जाता है। 7 सितंबर, 2025 को लगने वाला यह चंद्र ग्रहण उत्तरी अमेरिका में दिखाई नहीं देगा। अलास्का के पश्चिमी भाग में आंशिक चंद्र ग्रहण देखा जा सकेगा। ब्रिटेन और पश्चिमी यूरोप में रहने वालों के लिए चंद्रमा के उदय होते ही इसका कुछ अंश देखने का मौका होगा। भारत में ग्रहण रात 08:58 बजे शुरू होकर 01:25 तक चलेगा। इस दौरान लाल या नारंगी रंग का चंद्रमा (ब्लड मून) देखा जा सकेगा।

चंद्र ग्रहण कब होता है : पूर्ण चंद्र ग्रहण तब होता है, जब पृथ्वी की छाया पूरी तरह से चांद की सतह पर पड़ती है। सूर्य का प्रकाश चंद्रमा की पूरी डिस्क को प्रकाशित करता है, लेकिन बीच में पृथ्वी के होने से सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुंचने से पहले पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरना पड़ता है।

2027 में होगा सूर्य ग्रहण

सूरज और चंद्र ग्रहण खगोल विज्ञान में रूचि रखने वालों को रोमांचित करता रहा है। 2022 के बाद मौजूदा साल यानी 2025 में पूर्ण चंद्र ग्रहण होने जा रहा है। ऐसे में इसे देखने के लिए लोगों में उत्साह है। इसके बाद अगस्त, 2027 में आसमान में एक अनोखी घटना होगी, जब छह मिनट के लिए दुनिया के बड़े हिस्से पर अंधेरा छा जाएगा।

पुराना जहाज तलाश रहे थे खोजकर्ता, समुद्र में मिली चीज़ देखकर फटी रह गई आंखें!

एथेंस। पुराने में पानी के जहाजों से खजानों सहित कई बार कीमती चीज़े भी ले जाई जाती थीं। लूट से मिले बहुत सारे खजाने को दूर अपने देश में ले जाने का यूरोपीय लोगों के पास समुद्री जहाज ही जरिया हुआ करते थे। ऐसे में कई बार जहाज डूबने से बहुत ही अनमोल चीजें भी डूब जाती थीं जो समय के साथ ऐसी कहानियां बन जाती थीं, जो किसी फंतासी फसाने से कम नहीं लगती हैं। कई लेखक भी ऐसी कहानियों के हिस्से को अपने उपन्यास आदि में इस्तेमाल करते थे. हाल ही में खोजकर्ताओं को पहली शताब्दी ईसा पूर्व में यूनान के एक द्वीप के पास डूबे जहाज़ एंटीकिथेरा से जुड़ी कुछ हैरान करने वाली चीज़ें मिली हैं। इनमें से एक विश्व का पहला एनालॉग कंप्यूटर माना जाने वाला एंटीकिथेरा तंत्र भी बताया जा रहा है।

क्या है ये एंटीकिथेरा तंत्र : एंटीकिथेरा तंत्र लगभग 2000 साल पुराना है, एक जटिल उपकरण था, जिसका उपयोग ग्रहण, चंद्रमा के चरणों और शायद ग्रहों की गति की भविष्यवाणी के लिए किया जाता था। इसकी खोज 1900 में कैप्टन दिमित्रियोस कोंडोस और उनकी साइमी द्वीप की गोताखोर टीम ने की थी। यह तंत्र इतना महत्वपूर्ण है कि इसने हॉलीवुड फिल्म 'इंडियाना जोन्स एंड द डायल ऑफ डेस्टिनी' के कुछ हिस्सों को प्रेरित किया।

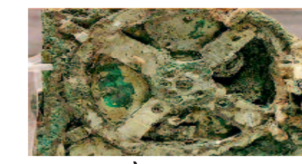

दावा

धरती की तरफ आ रहा एलियंस का तश्तरी जैसा प्लेन

नवंबर में पृथ्वी पर स्पेस से होगा अटैक!

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

एलियंस अभी-भी इंसानों के लिए एक रहस्य और पहेली बने हुए हैं। हालांकि, उनके होने को लेकर कई तरह की रिसर्च की जा चुकी हैं, जिनमें हैरान कर देने वाली चीजें सामने आई हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एलियंस को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बताया कि नवंबर में एलियंस धरती से टकरा सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने वॉर्निंग देते हुए बतायाक कि मैनहट्टन के आकार का एक रहस्यमय अंतरिक्ष पिंड जमीन की तरफ तेजी से आ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऑब्जेक्ट 3I/एलट्स जिसे पहले ए11पी13जेड के तौर पर जाना जाता था, वो एक एलियन तकनीक हो सकती है। यह तेजी के साथ जमीन की तरफ बढ़ रही है और इसके नवंबर 2025 में टकराने की संभावना है।

कौन हैं दावा करने वाले वैज्ञानिक एवी लोएब?

यह दावा एक नए अध्ययन में किया गया है, जिसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के मशहूर वैज्ञानिक एवी लोएब और उनकी टीम ने तैयार किया है। एवी लोएब वही वैज्ञानिक हैं जिन्होंने 2017 में देखे गए इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट 'ओउमुआमुआ' को भी एलियन यान बताया था. उन्होंने बताया कि यह नवंबर के आखिर में सूरज के सबसे करीब आ जाएगा और उस समय जमीन से छिप जाएगा। इसके लिए यही वह समय हो सकता है जब वो खुफिया तौर पर जमीन पर तेज हमला कर सकता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com